जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

हार्दिक की कप्तानी जाना तय, मुंबई इंडियंस से हो सकती है छुट्टी — खेल

सिद्दरमैया के बेटे को मिल सकती है कैबिनेट में जगह कर्नाटक में कांग्रेस का चार... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • शनिवार • 30 मई 2026 • वर्ष 05 • अंक 98 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

नदी, डैम, तालाब व अन्य जलस्रोतों क्षेत्रों पर अतिक्रमण कर किसी प्रकार का घर/मकान या संरचनाओं का निर्माण कार्य नहीं करें: मुख्यमंत्री

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को नगर विकास व आवास विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नगर विकास व आवास विभाग की योजनाओं का लाभ आमलोगों को समय पर मिले। विभागों का उद्देश्य सड़क निर्माण, आधारभूत संरचनाओं व भवनों का निर्माण के साथ-साथ आमजन के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। ऐसे में विकासात्मक योजनाओं के ससमय कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी परियोजना, नगर निगम अंतर्गत आधारभूत संरचना, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, पेयजल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन व कूड़ा निस्तारण आदि नगरीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रांची स्मार्ट सिटी परियोजना को गति देने हेतु भूमि अधिग्रहण कार्यों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ राजस्व संग्रहण के संसाधनों पर विशेष कार्य करें। मुख्यमंत्री ने शहरी नागरिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में नगर विकास व आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे।

नदी व अन्य जलस्रोत क्षेत्रों से हटवायें अतिक्रमण- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शहरों से गुजरने वाली सभी नदियों, तालाबों, डैमों, नालियों अथवा अन्य जलस्रोतों पर बनी अवैध संरचनाओं व अन्य निर्माण कार्यों को तत्काल बंद कराएं व पूर्व से बनीं अवैध संरचनाओं से अतिक्रमणमुक्त कराएं। अतिक्रमण कर जो घर बनाएं गएं हैं, उनका तत्काल गहन सर्वे कराएं। उन्होंने सभी शहरी निकायों में अवस्थित नदी अथवा अन्य जलस्रोतों में हुए अवैध निर्माण को चिन्हित करते हुए लिखित नोटिस करने, अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने व अतिक्रमण कर निर्मित अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे व अन्य जलस्रोतों पर अतिक्रमण कर घर बनाना पर्यावरण व जल निकासी के लिए गंभीर खतरा है। इस तरह के कार्य क्षमा योग्य नहीं है, ऐसे कार्य करने वाले लोगों पर कड़ी कानूनी-कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से भी अपील किया है कि अवैध अतिक्रमण कर संरचना तैयार नहीं करें।

कांके डैम संरक्षण के लिए ठोस व प्रभावी कदम उठाएं- हेमंत सोरेन ने राज्य के राजधानी रांची में अवस्थित कांके डैम

के संरक्षण के लिए ठोस व प्रभावी कदम उठाते हुए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने डैम एरिया में सीधे गिरने वाले नालों को तत्काल बंद कराने, डैम के कैचमेंट एरिया की शीघ्र मापी कराकर, उसकी घेराबंदी कराने का निर्देश दिया, ताकि डैम का पानी स्वच्छ, सुरक्षित व संरक्षित बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आसपास के लोगों को भी जागरूक करते हुए, यह सुनिश्चित कराया जाए कि वे घरों से निकलने वाले गंदे पानी को डैम में नहीं जाने दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शहरों में बसे शत-प्रतिशत घरों में पाइपलाईन के माध्यम से शुद्ध पानी उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित की जाए।

यह सुनिश्चित करें कि परियोजनाओं में न हो अनावश्यक विलंब- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि नगर विकास व आवास विभाग की किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी योजनाओं की समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम को और अधिक सशक्त करें। उन्होंने नगर निकाय क्षेत्रों में बरसात पूर्व जल जमाव की समस्या का स्थाई समाधान व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरूस्त रखने का निर्देश दिए।

रांची सहित राज्य के सभी रिंग रोड के आसपास सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा प्रणाली विकसित करें- सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची सहित राज्य में जहां भी रिंग रोड है, उसके आसपास सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा प्रणाली विकसित करें। साथ ही सोलर स्ट्रीट लाइट से रोशन करें। अगले 15 दिनों में सोलर पैनल व स्ट्रीट लाईट लगाए जाने संबंधित प्रस्ताव कैबिनेट से पारित कर कार्य को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि रिंग रोड एरिया में वाटर पाइप लाइन, सीवर लाइन की भी संरचना विकसित की जाए। राज्य के भीतर जिन-जिन शहरों में वाटर सप्लाई प्लान के अंतर्गत योजनाएं चल रही है, उन योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कर ली जाएं। अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहर में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, डिजिटल मॉनिटरिंग व आधुनिक शहरी नियोजन तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जाए। नगर विकास योजनाओं में अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने से समय की बचत के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने को लेकर अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्र में स्थापित प्रत्येक घर, बड़ी-बड़ी सोसाइटीज, हाउसिंग क्षेत्र, बड़े होटल, अपार्टमेंट व पॉश इलाके में रहने वाले लोग स्वयं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर वेस्ट मैनेजमेंट का कार्य करें।

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : अमित शाह

▪ **बीएसएफ के 60वें वर्ष पर अमित शाह का विजन, बनेगा 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड'**

एजेंसी, भुज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में "चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड" तैयार किया जाएगा और केवल सीमा सुरक्षा की जगह "टेरिटोरियल सिक्योरिटी" यानी क्षेत्रीय सुरक्षा का नया मॉडल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था में बीएसएफ के साथ-साथ स्थानीय नागरिक, सिविल प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत और व्यापक बनेगी। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का यह प्रयास देश की सुरक्षा को नई दिशा देगा। स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हजारों करोड़ रुपये खर्च कर सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बना रही है। ड्रोन, रडार, अत्याधुनिक सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और आधुनिक संचार नेटवर्क के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी जा रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर नकली दस्तावेज़ों के सहारे नेपाल में प्रवेश की कोशिश करते हुए दो थाई महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी, किशनगंज

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गलगलिया क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सीमा पार करने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पानीटंकी बॉर्डर चेकपोस्ट पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और इमिग्रेशन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में थाईलैंड की दो महिला नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जो फर्जी इमिग्रेशन एग्जिट स्टैम्प के सहारे नेपाल जाने की कोशिश कर रही थीं। सुरक्षा आधिकारियों के अनुसार, 41वीं वाहिनी एसएसबी रानीडांगा की बॉर्डर इंटरैक्शन टीम (बीआईटी) ने कमांडेंट विकास कुमार के नेतृत्व में पानीटंकी स्थित न्यू ब्रिज चेकपोस्ट पर सघन जांच अभियान चलाया। सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया को और कड़ा किया गया था। इसी दौरान नेपाल की ओर

जा रही एक संदिग्ध सफेद रंग की स्विफ्ट कार को रोककर उसमें सवार लोगों से पूछताछ की गई और उनके यात्रा दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। कार में मौजूद दो विदेशी महिलाओं के पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज संदिग्ध लगने पर उन्हें तत्काल इमिग्रेशन अधिकारियों के पास सत्यापन के लिए भेजा गया। जांच प्रक्रिया शुरू होते ही महिलाओं के साथ मौजूद एक कथित कूरियर एजेंट को शक हो गया कि मामला उजागर हो चुका है। इसके बाद वह मौके का फायदा उठाकर चेकपोस्ट से फरार हो गया। हालांकि, उसकी तस्वीरें और वाहन की गतिविधियां वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब फुटेज के आधार पर उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हैं। इमिग्रेशन विभाग द्वारा पासपोर्ट की बारकोड स्कैनिंग और केंद्रीय डेटाबेस से मिलान करने पर बड़ा खुलासा हुआ। दोनों महिलाओं के पासपोर्ट पर लगे भारत से बाहर जाने के एग्जिट स्टैम्प पूरी तरह फर्जी पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि जिन नंबरों के आधार पर स्टैम्प लगाए गए थे, उनसे संबंधित कोई वैध अनुमति केंद्रीय इमिग्रेशन कार्यालय की ओर से जारी ही नहीं की गई थी। इससे स्पष्ट हो गया कि दस्तावेजों में सुनियोजित तरीके से जालसाजी की गई थी।

सीबीएसई का पोस्ट-रिजल्ट पोर्टल एक जून से खुलेगा, उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया होगी शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने घोषणा की है कि बोर्ड परीक्षा परिणामों के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए पोस्ट-रिजल्ट एक्टिविटीज पोर्टल अब एक जून 2026 से संचालित किया जाएगा। बोर्ड ने कहा कि यह निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीकी रूप से सुचारु और मूल्यांकन के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। सीबीएसई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि जिन छात्रों को अपने परिणामों को लेकर कोई आपत्ति या संदेह है, वे निर्धारित पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। छात्रों की सुविधा के लिए बोर्ड ने टेली-काउंसलिंग हेल्पलाइन 1800-11-8004 और ईमेल resultcbse2026@cbseshiksha.in भी जारी किया है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर छात्रों और अभिभावकों की ओर से कई शिकायतें सामने आई थीं। तकनीकी गड़बड़ियों, पोर्टल के बार-बार ठप होने तथा उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी में त्रुटियों को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा हुई थी। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विशेषज्ञों की मदद से पोर्टल की तकनीकी खामियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि पोर्टल को अतिरिक्त तकनीकी मजबूती प्रदान की जा रही है ताकि बड़ी संख्या में आने वाले आवेदनों का बिना किसी बाधा के निपटान किया जा सके।

मणिपुर के उखरूल में उग्रवादियों का एस्कॉर्ट वाले ट्रकों पर हमला, एक की मौत

एजेंसी, इम्फाल

मणिपुर के उखरूल जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों की निगरानी में जा रहे आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रकों के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मणिपुर पुलिस के संयुक्त सुरक्षा दल की निगरानी में करीब 15-20 ट्रकों का काफिला उखरूल की ओर जा रहा था। इसी दौरान टीएम कासोम क्षेत्र के निकट उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमले में एक ट्रक चालक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों के मुताबिक इम्फाल-उखरूल मार्ग पर बाद में भी रुक-रुककर फायरिंग की खबरें मिलीं, जिससे पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। इस घटना से कुछ घंटे पहले शांगकाई गांव में भी स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आवश्यक वस्तुओं से लदे वाहनों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले और स्मोक बम का इस्तेमाल किया। इस दौरान कम से कम पांच नागरिकों के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने बताया कि हमला शांगकाई गांव से लगभग छह किलोमीटर दूर हुआ। क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए आवश्यक वस्तुओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ट्रकों को सुरक्षा एस्कॉर्ट प्रदान किया जा रहा था।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसार: भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसार किया जाएगा। भारत ने बांग्लादेश के अधिकारियों को 2680 व्यक्तियों की नागरिकता सत्यापित करने के लिए भेजे हैं। भारत ने कहा कि ऐसा होने पर इन्हें प्रत्यर्पित करने की कार्यवाही की जाएगी। बहुत से मामले पांच साल से लंबित हैं। हमारी अपेक्षा है कि बांग्लादेश इस संबंध में तेज कार्यवाही करे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नागरिकों की अवैध मौजूदगी के बारे में दोनों देशों के बीच व्यवस्था है तथा इन्हें वापस भेजा जा सकता है। विदेश

मंत्रालय ने कहा कि इबोला बीमारी से ग्रसित अफ्रीकी देश युगांडा को औषधियों की खेप भेजी गई है। भारत अफ्रीकी महाद्वीप के देशों को इस स्वास्थ्य इमरजेंसी से निपटने के लिए हर आवश्यक सहायता देने के लिए तत्तपर है। एक अन्य सवाल पर प्रवक्ता ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार के राष्ट्रपति 30 मई से 2 जून तक भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह बोधगया और मुंबई भी जाएंगे।

सरकार का दावा- देश में पेट्रोल-डीजल, एलपीजी, नैचुरल गैस और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी), नेचुरल गैस और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने कहा कि सभी रिफाइनरियां भी अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। वहीं, एलपीजी का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है, जो लगभग 92 टीएमटी (हजार मीट्रिक टन) प्रतिदिन है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि एलपीजी का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है, जो लगभग 92 टीएमटी (हजार मीट्रिक टन) प्रतिदिन है। किसी भी घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) डिस्ट्रीब्यूटरशिप ने स्टॉक के खत्म होने की शिकायत नहीं की है। कुछ जिलों में खेती की मांग और बदलते बाजार के रुझानों के कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री में असामान्य रूप से बढ़ोतरी देखी गई है, लेकिन सप्लाई स्थिर बनी हुई है। शर्मा बताया कि राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और उद्योग संघों को जमाखोरी और कालाबाज़ारी रोकने की सलाह दी गई है और उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे ईंधन केवल अधिकृत माध्यमों से ही खरीदें। उन्होंने कहा कि सरकार ने दोहराया है कि ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त है और अनावश्यक रूप से स्टॉक जमा करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा

कि मार्च से अब तक 8.3 लाख से ज्यादा पीएनजी के कनेक्शन चालू किए गए हैं और 8.5 लाख नए उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। पिछले चार दिनों में ही 1.78 करोड़ एलपीजी रिफिल बुकिंग मिलीं और करीब 1.8 करोड़ सिलेंडर डिलीवर किए गए हैं, जिनमें से 96 फीसदी डिलीवरी डिजिटल रूप से प्रमाणित थीं। शर्मा ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों और तेल विपणन कंपनियों ने भी निरीक्षण तेज कर दिए हैं। कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई मजबूत बनी हुई है और औद्योगिक तथा कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए नैचुरल गैस की सप्लाई 99 फीसदी तक बहाल कर दी गई है। प्रेसवार्ता के दौरान पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि जहाजों की आवाजाही के क्रम में 'निसोस केरोस' नामक एक मालवाहक जहाज 25-26 मई की रात को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया और 3 जून को विशाखापत्तनम पहुंचने वाला है। यह मालवाहक जहाज अपने साथ लगभग 2,70,000 मीट्रिक टन क्रूड ऑयल लेकर जा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर किताब में सैनिकों के अनुभव संजोए गए, रक्षा मंत्री ने की लांच

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक पुस्तक जारी की, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संजोया गया है। पुस्तक में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए विवश कर दिया। यह पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटती है। साथ ही आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की वह झलक भी मिलती है, जहां नेतृत्व,

साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है। राजनाथ सिंह ने पुस्तक जारी करते हुए कहा कि यह प्रकाशन आधुनिक युद्ध के उस मानवीय पहलू को दर्शाता है, जो रणनीति को सफलता में बदल देता है। यह पुस्तक उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने इसे सैनिकों की निष्ठा और अदम्य साहस से जुड़ने का एक माध्यम भी बताया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर इस पुस्तक में उन 100 अधिकारियों, नाविकों, वायुसैनिकों और अन्य सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संकलित किया गया है, जिन्होंने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक अभूतपूर्व सफलता बताया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था। यह किताब जान-बूझकर आधिकारिक सैन्य इतिहास-लेखन की परंपराओं से हटकर लिखी गई है।

हमीरपुर : निर्माणाधीन पुल की स्लैब ढहने से छह की मौत, कई के दबे होने की आशंका

एजेंसी, हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर बन रहे नए पुल की स्लैब व शटरिंग शुक्रवार तड़के आंधी और तूफान के बीच भरभराकर ढह गई। जिसके मलबे में दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। अभी कुल लोगों के मलबे दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ टीम को लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक जिले के ललपुरा क्षेत्र के परसनी और कंडौर के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिंग भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना पाते ही पुलिस और सेतु निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ को लगाया गया है। अभी तक मलबे से चिल्ला बांदा निवासी लोकेन्द्र (24) पुत्र राधेश्याम निषाद, कुलदीप (21) पुत्र प्रेमचन्द्र निषाद, भूरागढ़ बांदा निवासी सावंत (30), स्वासा ललपुरा हमीरपुर निवासी सभाजीत (30), पुष्पेन्द्र सिंह (35) व अछपुरा ललपुरा निवासी राजेश पाल (41) के शव निकाले गए है। मजदूरों ने राजेश, कल्लू व अवधेश समेत अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई है।

संक्षिप्त समाचार

दुमका में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नाम को लेकर सियासत तेज

दुमका, एजेंसी। झारखंड के दुमका जिले के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नाम को लेकर अब सियासत तेज हो गई है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन ने अस्पताल का नाम 'गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल' किए जाने पर विरोध जताया है। चंपाई सोरेन ने इसे संताल हूल के इतिहास और आदिवासी वीरांगनाओं के सम्मान से जुड़ा मुद्दा बताया है। चंपाई सोरेन ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने अस्पताल निर्माण करा रही लार्सन एंड टर्बो कंपनी के प्लानिंग मैनेजर और मेडिकल कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल से भी बात की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नाम में सुधार नहीं किया गया, तो 30 जून को हूल दिवस के मौके पर संताल परगना के माझी हाड़ाम और पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से जुड़े प्रतिनिधियों का बड़ा जुटान यहीं होगा।

जामाडोबा में सुबह-सुबह गोलीबारी, युवक घायल

जोड़ापोखर, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के जामाडोबा में अहले सुबह गोलीबारी की घटना सामने आई है। रिक्की सिंह पिता मोहन सिंह को अज्ञात हमलावरों ने छाती में गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे एसएनएमएमसीएच ले जाया गया। एसएनएमएमसीएच में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रिक्की सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर रेफर कर दिया है। पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 5 बजे की है। गोलीबारी के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलते ही जोड़ापोखर पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। हमलावरों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी गई है। पुलिस पुरानी रंजिश समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, घटना का तार लोहा चोरी के कारोबार से जुड़ा हो सकता है। पुलिस ने इस मामले में कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी आधिकारिक रूप से किसी कारण की पुष्टि नहीं की है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

दो साल से बंद जलमिनार, एक चापाकल के सहारे 17 परिवार

दुमका, एजेंसी। झारखंड के दुमका जिले के जामा प्रखंड में आज भी आदिम जनजाति के कई परिवार बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गायबथान गांव के जोगियाटीकर टोला में पिछले दो वर्षों से सोलर जलमिनार खराब पड़ा है। सिर्फ एक चापाकल के सहारे 17 परिवार गुजर-बसर कर रहे हैं। टोला तक पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क नहीं है। बरसात के दिनों में कीचड़ से हालात और बदतर हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टोला में न पीसीसी ढलाई है और न ही बेहतर पेयजल की व्यवस्था। पूरे टोला के लोग सिर्फ एक चापाकल पर निर्भर हैं। इसी चापाकल से मवेशी भी पानी पीते हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीण ने बताया कि दो साल से जलमिनार खराब पड़ा है। कई बार शिकायत की गई लेकिन अब तक मरम्मत नहीं हुई। बरसात में यहां चलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि टोला में लगा सोलर जलमिनार पिछले दो वर्षों से बंद पड़ा है। मुखिया को इसकी जानकारी देने के बावजूद अब तक कोई पहल नहीं की गई। आपात स्थिति में एंबुलेंस भी टोला तक नहीं पहुंच पाती है। ग्रामीणों ने सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द जलमिनार की मरम्मत कराने, पीसीसी ढलाई करवाने और टोला को पक्की सड़क से जोड़ने की मांग की है।

पेड़ से लटका मिला 19 वर्षीय युवक का शव, प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा शहर के राम साहू उच्च विद्यालय के मैदान से शुक्रवार की सुबह पुलिस ने एक 19 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ बरामद किया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र के टंडवा लोहार मोहल्ला निवासी बाबूराम प्रसाद गुप्ता के बेटे दिव्यांशु कुमार (19 वर्ष) के रूप में की गई है। प्रथम दृष्ट्या मामला प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना के संबंध में मृतक दिव्यांशु के दोस्तों (आयुष कुमार और शिवम कुमार) ने पुलिस को एक चौंकाने वाला बयान दिया है। दोस्तों के मुताबिक, दिव्यांशु का तान्या (बदला हुआ नाम) नामक लड़की से लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसी बीच लड़की का संबंध प्रियांशु जायसवाल नामक एक अन्य युवक से भी हो गया। कुछ दिन पहले दिव्यांशु ने अपनी प्रेमिका को दूसरे प्रेमी के साथ देख लिया था। इसके बाद गढ़वा में आयोजित खाटू श्याम बाबा के उत्सव के दौरान दिव्यांशु और प्रियांशु जायसवाल के बीच तीखी नोक-झोंक और विवाद भी हुआ था। दोस्तों ने बताया कि दिव्यांशु काफी तनाव में था। उसने हमसे कहा था कि वह अपनी प्रेमिका को किसी और के साथ नहीं देख सकता और वह फांसी लगाकर जान दे देगा। हमने उसे बहुत समझाया-बुझाया और उसके परिवार को भी इसकी तुरंत जानकारी दी।

राजधानी रांची के चान्हो की घटना पर सियासत तेज

बीजेपी ने सरकार पर साधा निशाना, जेएमएम ने किया पलटवार

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के चान्हो (कदमटोली) की घटना पर सियासत तेज हो गई है। पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा के नेतृत्व में बनी प्रदेश भाजपा की जांच टीम ने अपनी कलमबद्ध जांच रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को सौंप दी है। प्रदेश अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपने के बाद कमेटी का नेतृत्व करने वाले भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि यह घटना 25 मई की है, आज घटना का चौथा दिन है, पुलिस प्रशासन की लापरवाही साफ दिख रही है कि पीड़ित परिवार के साथ किस प्रकार निर्ममता से मारपीट की गई है और अभी तक दोषियों की गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस मामले में प्रशासन लीपापोती में लगी हुई है। इससे साफ प्रतीत होता है कि सरकार के संरक्षण में सब कुछ किया जा रहा है। लेकिन बीजेपी इसे अनदेखा नहीं कर सकती है। सरकार और प्रशासन दोषियों को अविलंब गिरफ्तार करे अगर वह ऐसा नहीं करती है तो भारतीय जनता पार्टी कानून के दायरे में रहकर आंदोलन करने को बाध्य होगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएगी। भाजपा, पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार, पीड़ित परिवार के आवास पर जाकर परिवार के सभी सदस्यों से भाजपा की टीम मुलाकात की है एवं घटनास्थल का निरीक्षण भी किया गया है। पीड़ित परिवार एवं स्थानीय ग्रामीणों से विस्तृत जानकारी ली गई एवं उनकी व्यथा को ध्यान पूर्वक सुनकर तमाम चीजों को कलमबद्ध किया गया है। चान्हो मामले में जिस प्रकार सिंचाई के लिए पानी सप्लाई के लिए लगे पाइप के फटने की एक छोटी सी घटना के विवाद को वर्ग विशेष द्वारा सांप्रदायिक रूप दिया गया, वह दुखद और निंदनीय है। इस घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है।

उन्होंने बताया कि पीड़ित साहू परिवार इस इलाके में अल्पसंख्यक हैं। यह परिवार एक दो घर ही है। विवाद के बाद एक विशेष वर्ग के लगभग 50-60 व्यक्तियों की भीड़ पीड़ित के आवास पर पहुंचकर मुख्य द्वार की कुंडी तोड़ते हुए जबरन घर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर जाती हैं और पूरे परिवार के साथ मारपीट की जाती है। 4 साल के बच्चे को उठाकर आंगन में फेंक दिया जाता है। तीन माह की गर्भवती महिला के पेट पर लात और घूंसों से मारा गया, उसके सिर को फोड़ दिया गया। यह अत्यंत गंभीर एवं अमानवीय है। महिला के पति का हाथ तोड़ दिया गया। घर के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। हमलावरों द्वारा अत्यंत अशोभनीय, अपमानजनक एवं साम्प्रदायिक टिप्पणियां की गई।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि पीड़ित पक्ष के अनुसार, गांव में सीमित संख्या में हिंदू परिवारों का निवास होना भी घटना के कारणों में से एक प्रतीत होता है तथा भय एवं दबाव उत्पन्न कर गांव छोड़ने के लिए विवश करने के उद्देश्य से उक्त जानलेवा हमला किया गया। महिला के पति को हलाल करने तक की धमकी दी गई। आखिर इनका मनोबल इतना कैसे बढ़ा हुआ है? उन्होंने कहा कि दरअसल जब से झारखंड में अबुआ सरकार बनी है तब से सरकार में शामिल दल नहीं चाहते कि प्रदेश में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे। चान्हो की घटना पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी हर घटना को सांप्रदायिक रंग में रंगना चाहती है। आज देश के अन्य हिस्सों में क्या कुछ हो रहा है, वह उसे दिखाई नहीं पड़ती है। पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे कहते हैं कि भाजपा के नेता हिंदुओं के साथ ज्यादतती कर रहे हैं, वह उन्हें नहीं दिखाई पड़ता। आज उत्तर प्रदेश में, पश्चिम बंगाल में, महाराष्ट्र में, क्या हो रहा है वह नहीं दिखाई पड़ता है। देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है, महंगाई चरम पर है, वह उन्हें नजर नहीं आता। उन्हें सिर्फ और सिर्फ सांप्रदायिकता नजर आती है। लगाया। उन्होंन कहा कि भाजपा द्वारा राजनीतिक लाभ लेने के लिए चान्हो में दो व्यक्तियों की लड़ाई को दो समुदाय की लड़ाई बनाने की नापाक कोशिश की जा रही है।सोनाल शांति ने कहा कि चान्हो में कोई साम्प्रदायिक तनाव नहीं है, वहां सिर्फ दो पड़ोसियों के बीच नाली को लेकर कुछ विवाद था जिसे भाजपा ने दो संप्रदायों का विवाद बनाने की कोशिश की है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

लातेहार के नवादा गांव में डीवीसी के कोयले की ढुलाई का विरोध दूसरे दिन भी जारी

लातेहार, एजेंसी। झारखंड के लातेहार के तुबेद गांव में डीवीसी द्वारा संचालित तुबेद कोल माइंस से निकलने वाले कोयला लदे हाइवा वाहनों के परिचालन को लेकर नवादा गांव के ग्रामीणों ने दूसरे दिन भी रोक दिया है। ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह करीब 7 बजे से सड़क पर बैठकर हाइवा परिचालन पूरी तरह ठप कर दिया।

ग्रामीणों के आंदोलन के कारण माइंस से निकलने वाले करीब 200 से अधिक हाइवा वाहनों की लंबी कतार लग गई। दोनों ओर सड़क जाम होने से आवागमन भी प्रभावित हो गया। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि डीवीसी प्रबंधन के साथ कई दौर की वार्ता में यह सहमति बनी थी कि नवादा रोड से कोयला ढुलाई नहीं की जाएगी। इसके बावजूद कंपनी मनमाने तरीके से इसी मार्ग से हाइवा परिचालन कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के लगातार परिचालन से सड़क जर्जर हो रही है और कोयला लदे वाहनों से उड़ने वाले धूलकणों के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल ग्रामीणों के आंदोलन के कारण इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और कोयला परिवहन पूरी तरह बाधित है। हेरहंज थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया और कंपनी के प्रतिनिधि ग्रामीणों को समझा रहे है लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

खसरा संक्रमण से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, जांच के बाद बच्चों को दिया जा रहा है विटामिन ए

पाकुड़, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अप्रैल महीने से फैले खसरे (मीजल्स) के घातक प्रकोप को देखते हुए झारखंड का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। वहां बच्चों की मौत और बढ़ते संक्रमण की खबरों के बाद, भारत और राज्य सरकार की गाइडलाइन के तहत सीमावर्ती संथाल परगना प्रमंडल और विशेष रूप से पाकुड़ जिले में अलर्ट जारी कर निगरानी तेज कर दी गई है।

इस खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने खसरे के लक्षण, बचाव और संक्रमित बच्चों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित इलाकों में ग्रामीणों के भरपूर सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही, पाकुड़ जिले में संक्रमण को रोकने के लिए रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा सर्वे किया जा रहा है और प्रभावित गांवों के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जा रही है। स्वास्थ्य महकमे की इस त्वरित सक्रियता से पाकुड़ में स्थिति नियंत्रण में है।

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ एसके झा ने बताया कि पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में खसरा संक्रमण फैलने के बाद पाकुड़ जिले में इसका प्रभाव न पड़े, इसके लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। टीम की बेहतर प्रयास और लोगों के सहयोग की वजह से ग्रसित बच्चों को चिन्हित किया गया और उन्हें इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई।

डॉ एसके झा ने बताया कि खसरा एक गंभीर बिमारी है। इसकी चपेट में आने से निमोनिया, इंकेप्लाइटिस, नेत्रहिनता, डायरिया जैसी बिमारी शुन्य से पांच वर्ष आयु के बच्चों में फैलती है। अगर इसका सही समय पर इलाज नहीं हुआ तो संक्रमित बच्चे की मौत भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि खसरा बिमारी से ग्रसित मरीज के छिकने, खांसने से नजदीक रहने वाले बच्चे भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। डॉ झा ने बताया कि खसरा से ग्रसित बच्चे को तेज बुखार, सर्दी, खांसी, आंख लाल, नाक का बहना, शरीर में दाना होना आदि ऐसे लक्षण है। जिससे ग्रसित मरीजों की पहचान आसानी से हो जाती है।

डॉ एसके झा ने बताया कि पाकुड़ सदर प्रखंड के न्यू अंजना, रणडांगा, जानकीनगर, कालीदासपुर में 80 और हिरणपुर प्रखंड के मोहनपुर गांव में 2 बच्चे खसरा से ग्रसित पाए गए थे। जिनका इलाज बीते अप्रैल माह में किया गया। डॉ झा ने बताया कि मई माह में सर्वे के क्रम में एक भी खसरा संक्रमण से प्रभावित मरीज नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि जिन गांवों में संक्रमित मरीज पाया गया, उस गांव के सभी बच्चों का जांच हुआ। इसके बाद संक्रमित के अलावा अन्य बच्चों को भी विटामिन ए का खुराक दिया गया, ताकि अन्य कोई भी बच्चा संक्रमण की चपेट में न आए। उन्होंने बताया कि इस बिमारी की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग नजर बनाए हुए हैं। डॉ झा ने बताया कि खसरा बिमारी उन बच्चों में फैलने की सबसे ज्यादा संभावना रहती है, जो प्रतिरक्षण की कड़ी से वंचित रहे हैं।

पाकुड़ में एक घर से निकला मोनोकल्ड कोबरा, वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

पाकुड़, एजेंसी। सांपों की बहुत सी प्रजाति है। लेकिन कुछ ऐसे सांप हैं, जिसे नजर आने पर उससे दूर रहने की सलाह सांप के एक्सपर्ट देते हैं। जिनमें से एक मोनोकल्ड कोबरा है। स्नेक एक्सपर्ट का कहना है कि मोनोकल्ड कोबरा एक ऐसी सांप की प्रजाति है, जो दूर से ही अपने जहर को फेक कर किसी की जान ले सकता है। इसलिए इस कोबरा से लोगों को दूर रहने की सलाह दी जाती है।

बीते गुरुवार की देर रात महेशपुर प्रखंड मुख्यालय के ग्वालपाड़ा में सोनू कुमार के मकान में कई कोबरा देखा गया। कोबरा देखते ही लोगों में हड़कंप मच गया। फिर इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वनकर्मी पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद सांप को रेस्क्यू किया। वनकर्मी असराफुल शेख ने बताया कि यह सांप मोनोकल्ड कोबरा प्रजाति का है। रेस्क्यू किए गए सांप की उम्र लगभग 5 साल बताई। उन्होंने बताया कि इस मौसम में सांप शिकार करने के लिए निकलते हैं और आसपास मौजूद घरो में घुस जाते हैं।

वनकर्मी असराफुल ने बताया यहां और भी मोनोकल्ड कोबरा के बच्चों को देखा गया है, जो कहीं छुप गए हैं। जिसकी खोजबीन की जा रही है। ताकि रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि मोनोकल्ड कोबरा एक खतरनाक सांप है। यह सांप दूर से अपना जहर फेंककर शिकार करता है। इससे लोगों को भी खतरा है। एक्पार्ट ने बताया कि इस सांप के काटने से समय पर अगर इलाज नहीं किया गया तो मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि मोनोकल्ड कोबरा बहुत ही आक्रामक होता है।

वनकर्मी ने बताया महेशपुर प्रखंड में हाल के दिनों में ज्यादातर मोनोकल्ड कोबरा रेस्क्यू कर सुरक्षित घने जंगलों में छोड़ा गया है। उन्होंने स्थानीय लोगों से सांप से दूर रहने और किसी को काटने पर ओझागुनी, झाड़फुक और जड़ीबूटी के चक्कर में नहीं पड़ने की सलाह दी। साथ ही तुरंत नजदीकी अस्पताल में जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वन्यप्राणी या सांप दिखाई देने पर इससे खुद को या अपने घरों के पालतू पशु-पक्षी को दूर रखने और उसके साथ छेड़छाड़ या उसे नहीं मारने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा एफआईआर कराने की धमकी पर बोले बाबूलाल- मैं डरकर भागने वालों में नहीं

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के द्वारा स्त्रढ्ढक्रकरने की धमकी पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार कान खोलकर सुन ले, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तरह बाबूलाल मरांडी गिरफ्तारी से डर कर भागने वालों में नहीं है यदि हिम्मत है तो सरकार उन्हें गिरफ्तार करके दिखाए। झारखंड की जनता के हित, राज्य के सम्मान और भ्रष्टाचार खिलाफ वे हर संघर्ष के लिए तैयार हैं। गुरुवार को जामताड़ा में कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस उनकी है, फिर प्रेस में बोलने की जरूरत ही क्या है। आप सीधे एफआईआर करवाकर अरेस्ट करवा सकते हैं, जेल भिजवा सकते हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कैग की रिपोर्ट में झारखंड के स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों रुपये के अनियमितताओं की जानकारी उजागर हुई है।

मेडिकल उपकरणों, दवाओं आदि की खरीद और अस्पतालों के निर्माण में स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी का खेल हुआ है। कैग रिपोर्ट पर कार्रवाई की बजाय राज्य सरकार द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने की गीदड़ भभकी दी जा रही है। इस गीदड़ भभकी से वे डरने वाले नहीं हैं।

दरअसल नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एंबुलेंस खरीद के टेंडर में बड़े पैमाने पर अनियमितता होने का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की थी। उन्होंने कैग रिपोर्ट में राज्य की एंबुलेंस व्यवस्था से संबंधित खरीद, उपयोग, तकनीकी मूल्यांकन एवं संपत्ति प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं उजागर हुई हैं।

वहीं कॉर्पोरेशन के गोदामों में करोड़ों रुपये की जीवनरक्षक दवाएं एक्सपायर होने के साक्ष्य को आधार बनाकर मीडिया के समक्ष बातें रखी। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी थी। साथ ही कहा था कि वो उनको एक दूरबीन भेंट करेंगे ताकि वह साफ-साफ देख सके कि स्वास्थ्य विभाग कैसा चल रहा है।

धनबाद के कतरास फायरिंग मामले में तीन गिरफ्तार, देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

धनबाद, एजेंसी। जिले के कतरास थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश में मारपीट और फायरिंग केस में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा और एक चार पहिया वाहन बरामद किया है।

एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाघमारा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मामले की जांच करते हुए आनंद कुमार यादव, विवेक कुमार ठाकुर और करण कुमार दास को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

जांच में सामने आया है कि पुरानी आपसी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद

चल रहा था। 27 मई की रात दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच मारपीट हुई और एक-दूसरे को डराने के उद्देश्य से कई राउंड हवाई फायरिंग की गई थी। इसी दौरान घटनास्थल के पास अपने घर की छत पर मौजूद एक शख्स को गोली लग गई। वहीं मारपीट में शामिल एक अन्य युवक के पैर में भी गोली लगी है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आनंद कुमार यादव की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

राजस्थान में शादी नहीं करने की जिद, नाराज पिता ने ले ली अपनी बेटी की जान!

गढ़वा, एजेंसी। जिला में केतार थाना की पुलिस ने पिछले दिनों नाबालिग लड़की का शव मिलने का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, लड़की को उसके पिता ने ही राजस्थान में शादी नहीं करने की जिद से खफा होकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बेटी के शव को कमरे में बंद कर वह राजस्थान फरार हो गया था। यह जानकारी एसडीपीओ सत्येन्द्र नारायण सिंह ने दी। वे गुरुवार को अपने कार्यकाल कक्ष में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

एसडीपीओ ने बताया कि गत 19 मई को केतार थाना क्षेत्र के परती कुशवानी गांव निवासी निर्मल सिंह के घर से दुर्गंध निकलने की खबर मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निर्मल सिंह के पुत्र अविनाश कुमार सिंह के समक्ष घर का ताला खोला गया तो पता चला कि निर्मल सिंह की 17 वर्षीय पुत्री मृत अवस्था में मिली। लड़की के भाई अविनाश के फर्द बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज किया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुये एसपी के निर्देश पर उनके

नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल के द्वारा तकनीकी सहायता एवं मानवीय सूचना के आधार पर पता चला कि इस कांड के प्राथमिक अभियुक्त निर्मल सिंह घटना करने के बाद राजस्थान भाग गया, जो अपने बचाव के लिये जमानत कराने को लेकर गढ़वा आने वाला है।

उन्होंने बताया कि 27 मई को तकनीकी सहायता एवं मानवीय सूचना के आधार पर पता चला कि उत्तर प्रदेश से होकर खरौंधी के रास्ते निर्मल सिंह नगर ऊंटारी जा रहा है। जिसके आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुये खरौंधी थाना क्षेत्र के बजरमरवा के पास पहुंचने पर देखा गया कि निर्मल सिंह पैदल आ रहा है। निर्मल सिंह की नजर जैसे ही पुलिस गाड़ी पर पड़ी तो वह भागने लगा। पुलिस बल के सहयोग से निर्मल सिंह को दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया गया। नाम पता पूछने पर खुद को निर्मल सिंह बताया, साथ ही उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस निर्मल सिंह को गिरफ्तार कर थाना लाकर विस्तृत पूछताछ की।

एसडीपीओ ने बताया कि निर्मल सिंह से पूछताछ के दौरान उसने पुलिस को बताया कि वह अपनी बेटी की शादी राजस्थान में रहने वाले एक लड़का से तय किया था। लड़की वहां शादी नहीं करना चाहती थी और वह अपने घर परती कुशवानी में ही रहना चाहती थी। वह अपनी बेटी को राजस्थान ले जाने के लिये घर आया था लेकिन बेटी नहीं जाने की जिद पर अड़ी रही। इसी से गुस्सा होकर निर्मल सिंह ने अपनी बेटी को सोये हुये अवस्था में गला दबा कर हत्या कर दी और घर में ताला बंद कर फरार हो गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने निर्मल सिंह को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ के साथ भवनाथपुर के पुलिस इंस्पेक्टर गुलाब सिंह, श्रीबंशीधर नगर के पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद, केतार के थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी, पुअनि आदित्य ठाकुर, चंदन कुमार साह आदि मौजूद रहे।

वायसी स्थान में आगामी 8 जून को आयोजित होने वाले भव्य शतचंडी महायज्ञ की तैयारियां तेज हो गई हैं

सोन वर्षा वाणी संवाददाता

साहिबगंज , वायसी स्थान प्रांगण में आगामी 8 जून को आयोजित होने वाले भव्य शतचंडी महायज्ञ की तैयारियां तेज हो गई हैं। महायज्ञ को ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बैठक कर शुक्रवार को एक वृहद बैठक बुलाई गई है। बैठक वायसी स्थान के प्रांगण में होगी। मिली जानकारी अनुसार बैठक में महायज्ञ के सफल संचालन के लिए एक विशेष कार्यसमिति का गठन किया जाएगा। बैठक में महायज्ञ की संपूर्ण रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी। आयोजकों ने बताया कि भंडारा, सुरक्षा व्यवस्था, यज्ञशाला प्रबंधन, अतिथि सत्कार, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संचालन हेतु अलग-अलग टीमों का गठन किया जाएगा ताकि कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके। महायज्ञ समिति के सदस्यों एवं स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने क्षेत्रवासियों, सनातन धर्मावलंबियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों ने कहा कि यह धार्मिक आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। मौके पर आलोक ओझा, प्रेम लाल यादव, जुगनू पाठक, राजू यादव, नन्हे ओझा, विकास यादव, धर्मेन्द्र यादव, कालू यादव, दिहारी यादव, पोषण यादव, विजय सिंह आदि मौजूद थे।

साहिबगंज SNCU की कायम किया मिसालः 27 हफ्ते में जन्मा 610 ग्राम शिशु 51 दिनों में स्वस्थ होकर घर लौटा

सोन वर्षा वाणी संवाददाता

साहिबगंज सदर अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (SNCU) ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और अजूबा सिद्ध किया है। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, उपाधीक्षक डॉ. देवेश कुमार, नोडल अधिकारी व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. फरोग हसन, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कुमार और SNCU इंचार्ज राजेश कुमार यादव की टीम के 24×7 समर्पण से 610 ग्राम वजन वाला अत्यंत कम वजन (एल्बव) नवजात, जिसके बचने की उम्मीद बहुत कम थी, पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर पहुंच गया। नोडल ऑफिसर डॉ. फरोग हसन ने बताया कि पाकुर जिले के तिंगुपाहर निवासी पहाड़िया समुदाय की मेगा पहाड़िन का पुत्र 27 सप्ताह की गर्भावस्था में प्रीमैच्योर नॉर्मल डिलीवरी से पैदा हुआ। जन्म पर वजन मात्र 610 ग्राम था। बच्चा 08 अप्रैल, 2026 को SNCU में भर्ती हुआ और 51 दिनों की गहन देखभाल के बाद 29 मई, 2026 को संतोषजनक स्थिति में डिस्चार्ज किया गया। डॉ. आशुतोष कुमार के अनुसार, बच्चे में श्वसन संकट (RDS), प्रीमैच्योरिटी से जुड़ा एनिया और फीड असहिष्णुता जैसी जटिलताएं थीं। टीम ने 'क्लस्टर केयर' (Cluster Care) तकनीक अपनाकर न्यूनतम स्पर्श व अधिक निगरानी के साथ चिकित्सा, नर्सिंग और पोषण एक साथ प्रदान किया। साथ ही 'फैमिली पार्टिसिपेटरी केयर' (FPC) सत्रों में माता-पिता को स्तनपान, सफाई और घर पर देखभाल की प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने इसे जिला स्वास्थ्य विभाग के लिए गर्व का क्षण बताया और पूरी SNCU टीम की धैर्य व निरंतर देखभाल की सराहना की। डिस्चार्ज पर परिजनों ने डॉक्टरों व स्टाफ का आभार व्यक्त करते कहा, "साहिबगंज SNCU ने हमारे बच्चे को दूसरा जीवन दिया है।"

कोडरमा से भाजपा विधायक व पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव भी संगठन मजबूती को लेकर यादव महासभा के बैठक मे शामिल हुई

साहिबगंज प्रदेश यादव महासभा संघ के जिला अध्यक्षा भरत यादव की अध्यक्षता में संगठन मजबूती को लेकर होटल कलिंगा मे बैठक की गई।बैठक में समाज की एकजुटता,संगठन की मजबूती एवं सामाजिक-शैक्षणिक विकास पर चर्चा हुई।वही साहिबगंज मे पार्टी कार्यक्रम मे पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव भी यादव महासभा के बैठक मे शामिल हुई।जहाँ जिला अध्यक्ष भरत यादव के नेतृत्व मे डॉ नीरा यादव को अंग वस्त्र एवं बुके देकर स्वागत किया गया।इस दौरान डॉ नीरा यादव ने कहा कि यादव समाज को एकजुट होकर रहना चाहिए तथा बेटा-बेटी में भेदभाव किए बिना सभी को समान शिक्षा देनी चाहिए।उन्होंने कहा कि यादव समाज भगवान श्रीकृष्ण के वंशज हैं और उनके आदर्शों पर चलकर समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बेटा बेटी में अंतर कम तो जरूर हुआ हैं पर समाप्त नहीं हुआ।उन्होंने गाय पर कहीं की गाय हमारी माता हैं गाय का हमें सम्मान करना चाहिए.जो गाय का वध करते हैं वो नादान हैं. पहला रोटी हमें गाय को देना चाहिए. जब हम ऐसा करेंगे तो गाय स्वतः राष्ट्रीय माता हो जाएगी।वही जिलाध्यक्ष भारत यादव ने महासभा के विस्तार और संगठन मजबूती पर जोर देते हुए संगठन को मजबूत बनाते का हुए कहा कि यादव जाति मे कुरीतियों मे सुधार,शिक्षा की ओर आगे बढ़ना,जो राजनीति पार्टी हमारे समाज के लिए सोचेंगे,हम सब समय पर उनके साथ खड़ा रहेंगे,सभी जाति धर्म के साथ मिलकर समाज के विकास मे सहभागी बनेंगे का संकल्प लिया।वही उन्होंने कहा कि 31 मई को टाउन हॉल के समीप पोखरिया मे भरत यादव के आवास मे प्रदेश यादव महासभा के साहिबगंज जिला इकाई की बैठक रखी गई।बैठक मे अरविन्द यादव,शम्भू यादव,दारा यादव,कालू यादव,दहारी यादव,विकास यादव,अशोक यादव,अनिल यादव,माला कुमारी यादव,मनोज यादव,जय यादव,मुन्ना यादव कृष्णा यादव,रोहित यादव,ईश्वर यादव,ब्राह्मदेव यादव शत्रुधन यादव,काशी यादव,संदीप घोष,करण सिंह यादव,आयुष यादव,अभय यादव,गौरव यादव,हलचल यादव,राहुल यादव,सियाराम यादव,दुर्गा यादव सहित कई यादव समाज के लोग मौजूद थे।

अप्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

साहिबगंज। थाना कांड संख्या–31/2026, धारा–303(2) बीएनएस के अप्राथमिकी अभियुक्त शेख उर्फ उकल शेख (54 वर्ष) को पुलिस ने गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त स्वर्गीय मंसुर शेख का पुत्र है तथा उसका निवास ग्राम बाखराबाद चौर हटतपारा, थाना वैष्णवनगर (कुमभीरा ओपी), जिला मालदा, पश्चिम बंगाल में है।इस संबंध में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार हैः **कैटलॉग सं. एएसएन–एमएसएस–08–06, नीलामी शुरू होने की तिथि और समयः** दिनांक 08.06.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण** निम्नानुसार हैः **एए/1, एमएसएस–एएसएन–डीजीएचआर–एमएसीएचआर–31–25–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–रिलैक्सेशन चेयर), रफ स्केच प्लान में दर्शित निर्दिष्ट स्थान पर देवघर स्टेशन प्लेटफॉर्म नं. 01 पर रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एए/2, एमएसएस–एएसएन–एएसएनजे–एमएसीएचआर–44–25–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–रिलैक्सेशन चेयर), आसनसोल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 02 पर रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एए/3, एमएसएस–एएसएन–डीजीआर–एमएसीएचआर–116–25–1** (एमआईएससी स्टैटिक–सर्विसेस–रिलैक्सेशन चेयर), रफ स्केच प्लान के अनुसार उत्तरी भाग के बुकिंग कार्यालय के पास रिलैक्सेशन चेयर की स्थापना एवं परिचालन। **एबी/1, एमएसएस–एएसएन–डीयूएमके–एमईडीएसटीएन–158–26–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टेशन में चिकित्सा सुविधाएं), दुमका स्टेशन पर मेडिकल स्टोर की स्थापना एवं परिचालन। **एसी/1, एमएसएस–एएसएन–डीयूएमके–एसएस–115–25–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–सलोन सेवाएँ), दुमका स्टेशन पर सलोन सेवाओं की स्थापना एवं परिचालन। **एसी/2, एमएसएस–एएसएन–एएसएन–एसएस–34–26–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–सलोन सेवाएँ), रफ स्केच प्लान में चिह्नित स्थान पर आसनसोल स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सलोन सेवाओं की स्थापना एवं परिचालन। **एसी/3, एमएसएस–एएसएन–डीजीआर–एसएस–32–25–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–सलोन सेवाएँ), रफ स्केच प्लान में चिह्नित स्थान पर दुर्गापुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सलोन सेवाओं की स्थापना एवं परिचालन। **एडी/1, एमएसएस–एएसएन–सीएएम–एसटीजीईएन–148–26–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), संलग्न स्केच प्लान में निर्दिष्ट स्थान पर 120 वर्ग फीट क्षेत्रफल (6 फीट X 20 फीट) के साथ एमडीजेडटीआई/भूली धनबाद में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/2, एमएसएस–एएसएन–जेएसएमई–एसटीजीईएन–150–26–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), इस कैटलॉग के साथ संलग्न रफ स्केच प्लान के अनुसार प्रत्येक 36 वर्ग फीट के तहत जसीडीह, बैद्यनाथधाम और देवघर स्टेशनों पर ऐप आधारित कैब/बाइक बुकिंग कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/3, एमएसएस–एएसएन–आरएनजी–एसटीजीईएन–149–26–2** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), स्केच प्लान के अनुसार रानीगंज स्टेशन (क्षेत्रफल 150 वर्गफीट) में रिटेल स्टोर की स्थापना एवं परिचालन। **एडी/4, एमएसएस–एएसएन–डीजीआर–एसटीजीईएन–137–26–2** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **एडी/5, एमएसएस–एएसएन–एएसएन–एसटीजीईएन–138–26–1** (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), ईआरईसीएस बैंक के पास आसनसोल में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सूची के अनुसार उक्त ई–नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-115/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: ओ–एसी–टी–44 से 46–26–27 (खुली), दिनांक 27.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैंः **क्रम सं. 1, केस संख्या** : ओ–एसी–टी–44–26–27, **कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के तहत न्यू डाउन नॉर्थ यार्ड, एनईडीएनएस, ईसीएल और ईओसी यार्ड में रनिंग ट्रैक रेल और स्लीपर चेंज के रखरखाव के साथ लिफ्टिंग, पैकिंग, डीप स्क्रीनिंग बैलस्टिंग आदि के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 91,18,520.27, **बयाना राशि :** रु. 1,82,400/–, **क्रम सं. 2, केस संख्या** : ओ–एसी–टी–45–26–27, **कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के तहत एम्प्टी यार्ड और रिसीविंग यार्ड में रनिंग ट्रैक रेल और स्लीपर चेंज के रखरखाव के साथ लिफ्टिंग, पैकिंग, डीप स्क्रीनिंग बैलस्टिंग आदि के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 87,47,017.37, **बयाना राशि :** रु. 1,75,000/–, **क्रम सं. 3, केस संख्या** : ओ–एसी–टी–46–26–27, **कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के तहत डिपार्चर यार्ड और डीएसईवाई यार्ड में रनिंग ट्रैक रेल और स्लीपर चेंज के रखरखाव के साथ लिफ्टिंग, पैकिंग, डीप स्क्रीनिंग बैलस्टिंग आदि के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 89,66,999.25, **बयाना राशि :** रु. 1,79,300/–, **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह (प्रत्येक हेतु)। **बंद होने की तिथि और समयः** 23.06.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-117/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आम बड़ा दुर्गापुर में मासिक क्लस्टर बैठक संपन्न

तालझारी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़ा दुर्गापुर में विजय हेंब्रम की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक के साथ क्लस्टर बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में सभी गांव के आए सहिया दीदी से सभी गांव के आभा कार्ड से लेकर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप सेचर्चा करते हुए सभी सहिया दीदीयो को एमपीडब्ल्यू मदन कुमार के द्वारा आर डी के एवं एवं स्लाइड लेने मलेरिया एवं कालाजार का प्रशिक्षण दिया गया ताकि बिन मौसम बरसात होने के कारण पनप रहे मच्छरों के आतंक से तत्काल जांच कर कर उचित उपचार से ग्रामीणों को लाभ मिले साथ ही सी एच ओ के द्वारा बताया गया किआगामी 02 06 26 दिन मंगलवार को आम दुर्गापुर में टीवी उन्मूलन हेतु जांच शिविर रखा गया है इसे तू सभी सहिया को निर्देश दिया गया कि योग्य लाभार्थी को लाकर जांच करना साथ में खकास संग्रह से लेकर उचित परामर्श के साथ दवाई दिलाना सुनिश्चित करेंगे मौके पर मौजूद सहिया साथी प्रियंका देवी एमपीडब्ल्यू मदन कुमार सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहिया शकुंतला मुर्मू उषा माल्टोमौजूद थे।

12वीं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के पूर्वाभ्यास के अवसर पर एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया

राजमहल। मॉडल कॉलेज परिसर में 12वीं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के पूर्वाभ्यास के अवसर पर एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय से योग शिक्षिका मार्ग्रेट हेम्ब्रम एवं फिजिकल शिक्षिका ज्योति पन्ना विशेष रूप से उपस्थित रहीं।अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य महोदय ने कहा कि 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग"है । आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित इस वर्ष के विषय में योग की उन क्षमताओं पर प्रकाश डाला गया है जो जीवन के सभी चरणों में शारीरिक शक्ति, मानसिक स्वास्थ्य और स्फूर्ति को बढ़ावा देती हैं। आज average average आयु घट रहा है जो 60 वर्ष के लगभग हो गया है।इसके लिए योग से हम आपने जीवन आयु में वृद्धि कर सकते हैं।योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह केवल व्यायाम की पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की एक उत्कृष्ट कला है। उन्होंने सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।योग शिक्षिका मारग्रेट हेम्ब्रम ने विद्यार्थियों को नियमित योग, आसन एवं व्यायाम करने हेतु प्रेरित किया तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा सामूहिक योगासन एवं व्यायाम की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की।कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. शैलेश मिश्र ने योग को जीवन के अभिन्न अंग बताते हुए योग को सरल और स्वास्थ्य जीवन का आधार बताया।कार्यक्रम का समापन वैदिक मंगलकामना — "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्॥" — के साथ किया गया। प्रतिभा रक्षित ने योग का अभ्यास का चित्रांकन के माध्यम से योग के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आसनसोल मंडल के तहत कासीटाँड़ हाल्ट स्टेशन पर हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर की नियुक्ति

सं. सी.5/हाल्ट/केईई/एएसएन/2026 दिनांक : 27.05.2026

आसनसोल मंडल के निम्नलिखित स्टेशन पर, मौजूदा हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर की मृत्यु के फलस्वरूप यात्रियों को अनारक्षित (यूटीएस) टिकट बेचने के लिए नए हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर को नियुक्त किया जाएगा। **स्टेशन का नामः कासीटाँड़ (केईई)। स्टेशन की श्रेणीः एचजी–2, स्थानः जामताड़ा और विद्यासागर स्टेशनों** के बीच, **फीडिंग स्टेशनः विद्यासागर।**

रेलवे बोर्ड की हाल्ट नीति के अनुसार आसनसोल मंडल के तहत कासीटाँड़ (केईई) हाल्ट स्टेशन के मृत कॉन्ट्रैक्टर के कानूनी उत्तराधिकारियों और वारिसों सहित विश्वसनीय स्थानीय निवासियों से (उसी जिले से) **"कासीटाँड़ (केईई) हाल्ट स्टेशन पर हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर के लिए आवेदन"** से उल्लिखित मुहरबंद लिफाफे में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। **उत्तराधिकारियों और वारिसों के लिए प्रावधानः** • अन्य आवेदकों के साथ मृत हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर के उत्तराधिकारियों और वारिसों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। • मृत हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर के पात्र कानूनी उत्तराधिकारियों और वारिसों को वरीयता दी जाएगी। • यदि मृत हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर के पात्र उत्तराधिकारी और वारिस आवेदन करते हैं और सभी मामलों में उपयुक्त पाए जाते हैं, तो लॉट का ड्रॉ आयोजित नहीं किया जाएगा। • लॉट का ड्रॉ तभी आयोजित किया जाएगा जब कोई योग्य कानूनी उत्तराधिकारी और वारिस न हो। • अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद, नए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे और चयन ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। **अनुबंध की अवधिः** शुरू में 5 वर्षों के लिए, जिसे 5 वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। यदि मृत हॉल्ट कॉन्ट्रैक्टर के किसी पात्र कानूनी उत्तराधिकारी और वारिस को नियुक्त किया जाता है, तो अनुबंध की अवधि मूल अनुबंध की शेष अवधि तक ही सीमित रहेगी, अर्थात 01.01.2028 तक। **कमीशन की संरचनाः** हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर को अलग–अलग महीने के लेनदेन के आधार पर कमीशन देय होगा एवं पूरे वर्ष के लिए मासिक औसत बिक्री कारोबार के आधार पर यह देय नहीं होगा। हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर को देय कमीशन निम्नानुसार होगाः– **बिक्री कारोबार (रु. में) – देय कमीशनः** (1) 1–15,000 – 15%**, (2) 15,001–50,000 – 12%, (3) 50,001–1,00,000 – 9%, (4) 1,00,001–2,00,000 – 6%, (5) 2,00,001 एवं उससे अधिक – 3%, **दो जोड़ी तक ट्रेनों के ठहराव वाले हाल्ट के लिए हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर को देय न्यूनतम कमीशन रु.1,000/–प्रति माह और दो जोड़ी से अधिक ट्रेनों के ठहराव वाले हाल्ट के लिए रु.1,500/– प्रति माह होगा। **प्रकाशन की तिथि और समय : दिनांक** 02.06.2026 **को** 11.00 **बजे।** आवेदन **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल (वाणिज्यिक अनुभाग), डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल** के कार्यालय में रखे बॉक्स में **दिनांक 09.06.2026 से 23.06.2026 तक** कार्यालय समय के दौरान **और 24.06.2026 को 14.00 बजे तक** (शनिवार, रविवार और अवकाश को छोड़कर) जमा किए जाने चाहिए। उपर्युक्त तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। **मुहरबंद बॉक्स के खुलने की तिथि एवं समयः दिनांक** 24.06.2026 **को** 16.00 **बजे** निश्चित रूप से। यदि मुहरबंद बॉक्स खोलने की तिथि को किसी घोषित अवकाश/बंदी का दिन पड़ने या किन्हीं अनपेक्षित कारणों से खोलना संभव नहीं होता है, तो मुहरबंद बॉक्स को अगले कार्य दिवस पर उसी निर्धारित सूची के अनुसार खोला जाएगा। आवेदकों से अनुरोध है कि मुहरबंद बॉक्स को खोलते समय उपस्थित रहें।

आवेदन फॉर्म को रेलवे की वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** से **दिनांक** 02.06.2026 **को** 11.00 **बजे से दिनांक** 23.06.2026 **को** 23.59 **बजे तक** डाउनलोड किया जा सकता है या मंडल वाणिज्य प्रबंधक के कार्यालय, डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल से (**दिनांक** 02.06.2026 **से** 23.06.2026 **तक**) किसी भी कार्य दिवस को 11.00 **बजे से** 17.00 **बजे तक** प्राप्त किया जा सकता है। किसी भी पूछताछ के लिए, कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के कार्यालय, डीआरएम कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल में किसी भी कार्य दिवस को 11.00 बजे से 17.00 बजे के बीच संपर्क करें। **प्रतिभूति जमाः** जिस व्यक्ति को अनुबंध दिया जाएगा, उसे रेल प्रशासन द्वारा निर्धारित अनुसार रु.2000/– या उससे अधिक की प्रतिभूति राशि, बुकिंग ऑफिस के पास अर्थात, **विद्यासागर में कासीटाँड़ (केईई)** के लिए जमा करना होगा। **आवेदक निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करें: –**• हाल्ट कॉन्ट्रैक्टर को उस स्थान का एक स्थायी निवासी होना चाहिए जहाँ हाल्ट स्टेशन स्थित है। निवास को स्थानीय निवास के रूप में लिया जाएगा, यदि यह उसी जिले के अंदर स्थित है जहाँ स्टेशन स्थित है। • नए कॉन्ट्रैक्टरों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं कक्षा उत्तीर्ण है (अर्थात दिनांक 24.06.2005 के बाद नियुक्त किए गए कॉन्ट्रैक्टर)। • हाल्ट आवेदक की उम्र दिनांक **01.06.2026** को 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। • हाल्ट आवेदक को अपनी शारीरिक स्वस्थता के समर्थन में एक चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा और साथ ही कि वह किसी संक्रामक रोग से मुक्त है। • आवेदक को अपने इलाके के पुलिस थाने से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह प्रमाणित हो कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसके विरुद्ध कोई भी आपराधिक मामला लंबित नहीं है। • आवेदक (मृत हाल्ट ठेकेदार के कानूनी वारिसों/उत्तराधिकारियों के मामले में) को कानूनी वारिस/उत्तराधिकारी के रूप में अपने दावे के समर्थन में निम्नलिखित वैध दस्तावेज़ जमा करने चाहिए: (1) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी कानूनी वारिस प्रमाण पत्र। (2) पहचान का प्रमाण (आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर कार्ड की प्रति)। (3) यदि एक से अधिक वारिस/उत्तराधिकारी हैं, तो अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी)।

विस्तृत अधिसूचना और नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया **www.er.indianrailways.gov.in** देखें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. 43_2026–27–ज़ोन, 44_2026–27–ज़ोन, 45_2026–27–ज़ोन, 46_2026–27–ज़ोन, 47_2026–27–ज़ोन, 48_2026–27–ज़ोन, 49_2026–27–ज़ोन, 50_2026–27–ज़ोन, 51_2026–27–ज़ोन, 52_2026–27–ज़ोन, 53_2026–27–ज़ोन, दिनांक 27.05.2026, वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय/हावड़ा** के अधीन। **क्रम सं. 1, ई–निविदा सं. 43_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 1 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः हावड़ा स्टेशन ओल्ड कॉम्प्लेक्स (टर्मिनल–I)–जिसमें पीएफ सं. 1 से पीएफ 16 तक का क्षेत्र शामिल है, कॉनकोर्स क्षेत्र, सभी सेवा भवन, रेस्ट हाउस, रिटायरिंग रूम, रनिंग रूम, आरआरआई केबिन, बंकिम सेतु–यार्ड सहित और चाँदमारी पुल तक एवं सहित, ओल्ड कॉम्प्लेक्स के सामने का सर्कुलेटिंग एरिया और टैक्सी स्टैंड आदि। इस अधिकार क्षेत्र में नई दिल्ली स्थित पूर्व रेलवे रेस्ट हाउस के रखरखाव का कार्य भी शामिल है। एईएन/2/हावड़ा के तहत उपरोक्त अधिकार क्षेत्र में सभी सेवा भवनों और अन्य ढांचों के अंतर्गत सभी प्रकार के सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन, बागवानी कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,65,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 3,30,000/–, **क्रम सं. 2, ई–निविदा सं. 44_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 2 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः हावड़ा स्टेशन न्यू कॉम्प्लेक्स (टर्मिनल–II) जिसमें शामिल हैं पुरानी डीआरएम बिल्डिंग, गुड्स शेड नंबर 1, 2, 3 और अन्य गुड्स शेड, पीएफ नंबर 17–23, न्यू कॉम्प्लेक्स के सभी सेवा भवन, रेल यात्री निवास, ऑफिसर्स रेस्ट हाउस, पावर हाउस, टैक्सी स्टैंड और न्यू कॉम्प्लेक्स के सामने का सर्कुलेटिंग एरिया जिसमें नेशनल फ्लैग एरिया और रिवर फ्रंट क्षेत्र शामिल हैं, 0.5 एमजीडी वाटर फिल्टर प्लांट, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट आदि, इस क्षेत्र में सिटी बुकिंग ऑफिस आदि भी शामिल हैं, एईएन/2/हावड़ा के तहत उपरोक्त अधिकार क्षेत्र में सभी सेवा भवनों और अन्य ढांचों के सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन, बागवानी कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,65,00,000/–**बयाना राशिः** रु. 3,30,000/–, **क्रम सं. 3, ई–निविदा सं. 45_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 3 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः सभी स्टाफ क्वार्टरों एवं सेवा भवन जिसमें शामिल हैं ऑर्थोपेडिक अस्पताल, कोल्विन कोर्ट, चर्च रोड, कैम्ब्रिज टेरेस, तेलकल घाट, हाइट मैंशन, चर्च रोड स्थित रेलवे ऑफिसर्स क्लब, बीआरआई कार्यालय और गोदाम, आरएसएफ बैरक/डॉग शेल्टर, सिक लाइन, ट्रैक मशीन कार्यालय और शेड, निर्माण कार्यालय, सिग्नल कार्यालय आदि, एईएन/2/हावड़ा के तहत उपरोक्त अधिकार क्षेत्र में सभी सेवा भवनों और अन्य ढांचों के सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,50,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 3,00,000/–, **क्रम सं.4, ई–निविदा सं. 46_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 4 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः एईएन/2/हावड़ा के तहत उपरोक्त अधिकार क्षेत्र में सभी स्टाफ क्वार्टरों एवं सेवा भवनों जिसमें शामिल हैं गुलमोहर कॉलोनी, टिंडल बागान कॉलोनी, आरपीएफ बैरक, रेलवे इंस्टीट्यूट आदि और सभी सेवा भवन जिसमें शामिल हैं हावड़ा जनरल स्टोर, सिग्नल वर्कशॉप, प्रिंटिंग प्रेस, 2.5 एमजीडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, कच्चे पानी का इनटेक पॉइंट, लॉरी गैरेज, सभी सेवा भवनों और अन्य ढांचों के अंतर्गत सड़क, नाली, पाइप लाइन कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,30,00,000/–**बयाना राशिः** रु. 2,60,000/–, **क्रम सं.5, ई–निविदा सं. 47_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 5 (बागवानी ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, एईएन/2/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में बागवानी और वृक्षारोपण से संबंधित कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 88,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 1,76,000/–, **क्रम सं.6, ई–निविदा सं. 48_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 6 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य, बामनगाछी कॉलोनी के सभी स्टाफ क्वार्टर और भवन, हेल्थ यूनिट, सीएचआई कार्यालय बीएमजी, शिशु विहार स्कूल, रनिंग रूम, बनारस ब्रिज, आरआरआई केबिन, अप और डाउन यार्ड केबिन, रानी झील, कल्वर्ट नं. 3, 4, 5 और 6 आदि। एईएन/2/हावड़ा के तहत उपरोक्त अधिकार क्षेत्र में सभी सेवा भवनों और अन्य ढांचों के सभी प्रकार के सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 65,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 1,30,000/–, **क्रम सं.7, ई–निविदा सं. 49_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : जोन संख्या 38, वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय और लाइन हावड़ा के कार्यक्षेत्र में एईएन/2/हावड़ा के अधीन (रोड ज़ोन – एलसी गेट, स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन अप्रोच रोड, कॉलोनी रोड, वर्कशॉप रोड आदि), समाप्त अवधि 30.06.2027, (विवरणः अद्यतन सुधार पर्चियों आदि के साथ सभी चैप्टरों पर इंजीनियरिंग विभाग के सीपीडब्ल्यूडी–डीएसआर–2023 आइटमों की दरों पर कुल प्रतिशत ऊपर/नीचे/बराबर। टिप्पणीः 1. निविदाकार को निविदा के लिए केवल एक ही दर का उल्लेख करना है। विज्ञापित मूल्य विभाग द्वारा मूल्यांकित मूल्य है। 2. विभाग द्वारा मूल्यांकित मूल्य/विज्ञापित मूल्य को सीपीडब्ल्यूडी–डीएसआर 2023 आइटमों की मूल लागत के बराबर मानकर निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ यह है कि वर्तमान निविदा के लिए मूल्यांकित लागत को अंतिम रूप देते समय मूल लागत पर होने वाली वृद्धि को ध्यान में रखा गया है। 3. इस ज़ोनल निविदा की मूल्यांकित लागत/विज्ञापित लागत को अंतिम रूप देने के लिए, निम्नलिखित का योगदान लिया गया हैः i) चैप्टर संख्या 2 में मिट्टी कार्य–4%, ii) चैप्टर संख्या संख्या 3 में मसाला (मॉर्टर) 2%, iii) चैप्टर संख्या 4 में कंक्रीट कार्य–4%, iv) चैप्टर संख्या 6 में चिनाई कार्य–4%, v) चैप्टर संख्या 10 में स्टील कार्य–5%, vi) चैप्टर संख्या 15 में डिस्मैंटलिंग एवं डिमॉलिशिंग–1%, vii) सड़क कार्य केवल 80%, 4. निष्पादन के दौरान, यदि आवश्यक समझा जाए, तो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से ऊपर बताए गए प्रतिशत वाले संबंधित शेड्यूल में बदलाव किया जा सकता है। यदि आवश्यक हो, तो इस संदर्भ में वित्त विभाग की जाँच भी मांगी जा सकती है। 5. ऊपर दिए गए निर्देश केवल निविदाकारों के मार्गदर्शन के लिए हैं। दरों का उल्लेख करते समय निविदाकारों को ऊपर बताए गए पहलुओं पर विचार करना चाहिए। 7) दरों का उल्लेख करते समय निविदाकारों को मूल्यांकित/विज्ञापित मूल्य के संदर्भ में दरों का प्रतिशत ऊपर/नीचे/बराबर उल्लेख करना चाहिए, जैसा कि संबंधित शेड्यूल के सामने दर्शाया गया है, जिसमें मूल्य वृद्धि और जीएसटी तथा अन्य लागू करों के प्रभाव को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। **अनुमानित मूल्य :** रु. 71,50,000/–**बयाना राशिः** रु. 1,43,000/–, **क्रम सं. 8, ई–निविदा सं. 50_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 39 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः इलेक्ट्रिक लोको शेड, डीज़ल शेड, ट्रिप लोको शेड, सॉर्टिंग यार्ड आदि के अंतर्गत सभी बामनगाछी सेवा भवन और शेड जिसमें संबंधित यार्ड शामिल है, उपर्युक्त के अधिकार क्षेत्र में सभी सेवा भवन और अन्य ढांचों के सभी प्रकार के सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन के कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,05,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 2,10,000/–, **क्रम सं. 9, ई–निविदा सं. 51_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 40 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – टिकियापाड़ा कोचिंग डिपो, झील साइडिंग कोचिंग डिपो, ईएमयू कारशेड, लॉण्ड्री, फ्लाई ओवर लाइन आदि के कार्य क्षेत्र में सभी सेवा भवन और शेड, जिसमें चांदमारी पुल तक का यार्ड भी शामिल है। एईएन/2/हावड़ा के अधीन उपर्युक्त अधिकार क्षेत्र में स्थित सभी सेवा भवनों और अन्य संरचनाओं के लिए लकड़ी, सड़क, नाली, पाइप लाइन, पुल कार्य, कलर वॉश, व्हाइट वॉश और अन्य छोटे–मोटे मरम्मत कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,30,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 2,60,000/–, **क्रम सं. 10, ई–निविदा सं. 52_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/2/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 49 (सामान्य ज़ोन), (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्यः नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूज़ियम, रिवेरा सेमिनार हॉल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जिसमें आर्काइव बिल्डिंग और स्विमिंग पूल, रेल सदन, रेलवे ऑफिसर्स एन्क्लेव, हावड़ा आदि शामिल है, एईएन/2/हावड़ा के अधीन उपर्युक्त अधिकार क्षेत्र में सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य, सड़क, नाली, पाइप लाइन, बागवानी कार्य)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 95,00,000/–**बयाना राशिः** रु. 1,90,000/–, **क्रम सं. 11, ई–निविदा सं. 53_2026–27–ज़ोन, कार्य का विवरण** : एईएन/1/हावड़ा के तहत ज़ोन सं. 50 (सामान्य ज़ोन), समाप्त अवधि 30.06.2027, (अधिकार क्षेत्र – सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य : एईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में 0/0 से 6/0 किमी के क्षेत्र में, जिसमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं: (i) बफ़र की मरम्मत और पेंटिंग, साथ ही फ़ाउलिंग मार्क का निर्माण। (ii) क्रॉस ड्रेन की मरम्मत और निर्माण। (iii) विभिन्न कार्यालयों और गैंग हट का नवीनीकरण और मरम्मत, साथ ही यार्ड क्षेत्र में बाउंड्री वॉल की मरम्मत और पेंटिंग। (iv) अप्रत्याशित कार्य, जिसमें यार्ड क्षेत्र सहित रास्ते का निर्माण भी शामिल है)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 51,00,000/–, **बयाना राशिः** रु. 1,02,000/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु.0.00 (प्रत्येक हेतु), **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह (प्रत्येक हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 18.06.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**–ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-112/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

महेशपुर में जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा, समय पर डाटा अपलोड करने का निर्देश

महेशपुर (पाकुड़)। प्रखंड सभागार में शुक्रवार को जनगणना कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य निर्देशालय के उपनिदेशक गजेन्द्र गुप्ता ने सभी जनगणना सुपरवाइजरों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में चार्ज ऑफिसर सह बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव, मास्टर ट्रेनर सह सीओ संजय सिन्हा, जनगणना ऑपरेटर सरोज कुमार समेत सभी सुपरवाइजर उपस्थित रहे।समीक्षा के दौरान उपनिदेशक गजेन्द्र गुप्ता ने सुपरवाइजरों से बारी-बारी से फील्ड में चल रहे कार्यों की जानकारी ली तथा डाटा संग्रहण में आ रही समस्याओं को सुना। उन्होंने सभी कर्मियों को समयबद्ध और त्रुटिरहित तरीके से डाटा अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मी पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक में बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि प्रखंड में जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। वहीं मास्टर ट्रेनर संजय सिन्हा ने सुपरवाइजरों को तकनीकी बिंदुओं पर दोबारा प्रशिक्षण देकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पाकुड़ में होल्डिंग टैक्स में 10% बढ़ोतरी, ऑनलाइन भुगतान पर मिलेगी अतिरिक्त छूट

पाकुड़। शहरवासियों को अब पेट्रोल डीजल और गैस के साथ-साथ होल्डिंग टैक्स के अतिरिक्त कर का बोझ उठाना होगा। होल्डिंग टैक्स की नई व्यवस्था लागू की गई है। इसे लेकर नगर प्रशासक अमरेंद्र चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहां की राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश पर होल्डिंग टैक्स 10% की वृद्धि की गई है।जारी निर्देश के अनुसार, शहर में हर दो वर्ष में सर्किल रेट बढ़ने पर होल्डिंग टैक्स में सीधे 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती है। हालांकि, नियमित रूप से टैक्स भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को प्रशासन की ओर से विशेष छूट भी दी जाएगी।

ऑनलाइन माध्यम से होल्डिंग टैक्स जमा करने पर उपभोक्ताओं को 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी, जबकि कार्यालय में आकर टैक्स जमा करने पर 2.5 प्रतिशत की छूट का लाभ दिया जाएगा।इसके अलावा महिला, ट्रांसजेंडर, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग उपभोक्ताओं को भी 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। कुल मिलाकर 15 प्रतिशत तक की राहत मिल सकती है।नगर प्रशासन ने नागरिकों से समय पर टैक्स भुगतान करने और ऑनलाइन माध्यम अपनाने की अपील की है।

बकरीद के दूसरे दिन जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न

पाकुड़। ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व- के दुसरे दिन जिला मुख्यालय सहित जिलान्तर्गत सभी प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्र के मस्जिदों में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई। इस अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी मस्जिदों एवं संवेदनशील स्थलों में जिला पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक रूप से पुलिस पदाधिकारी - बलों को तैनात किया गया । शांति - सद्भावना और सुरक्षा के दृष्टि कौन से पाकुड़ जिलान्तर्गत विभिन्न चौक-चौराहों पर भी क्यू0आर0टी0 बलों की तैनाती की गई है। पाकुड़ पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने शांति और सौहर्दपूर्ण वातावरण में बकरीद मनाए जाने को लेकर सभी को शुभकामनाएं दी है। जिला प्रशासन ने कहा है पाकुड़ एक ऐसा जिला है जहां लोग आपसी भाईचारा के साथ रहते हैं एवं कभी भी पर्व त्यौहार में किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई है। आपस में मिल जुल कर रहना जिले की खासियत है।

घर में घुसा जहरीला मोनोकल्ड कोबरा, वनकर्मी ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

महेशपुर (पाकुड़)। प्रखंड मुख्यालय के ग्वालपाड़ा स्थित नापितपाड़ा टोला निवासी सोनू कुमार के घर में 28 मई की रात करीब 10:50 बजे एक अत्यंत जहरीला मोनोकल्ड कोबरा (केउटिया सांप) घुस जाने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रात के अंधेरे में सांप को देखकर परिवार के लोग दहशत में आ गए।घटना की सूचना मिलते ही वनकर्मी असराफुल शेख रात में ही मौके पर पहुंचे और विशेष उपकरणों की मदद से जहरीले कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू किया। काफी सावधानी के बाद सांप को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।वनकर्मी असराफुल शेख ने बताया कि फन पर गोल निशान वाली मोनोकल्ड कोबरा प्रजाति पहले महेशपुर क्षेत्र में कम दिखाई देती थी, लेकिन बढ़ती गर्मी के कारण अब यह रिहायशी इलाकों में भी निकलने लगी है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए सांप की उम्र लगभग पांच वर्ष के आसपास है।ग्रामीणों ने इस साहसिक कार्य के लिए वनकर्मी असराफुल शेख की सराहना की।वनकर्मी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घर में सांप दिखाई देने पर उसे मारने या छेड़छाड़ करने का प्रयास न करें। तुरंत इसकी सूचना वन विभाग या वनकर्मी असराफुल शेख को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि जहरीले सांप को पकड़ने या मारने की कोशिश जानलेवा साबित हो सकती है।

मांझी परगना व्यवस्था में बदलाव की उठी मांग, सेंगेल अभियान ने जताई चिंता

पाकुड़। शुक्रवार को आदिवासी सेंगेल अभियान ने संताल समाज की पारंपरिक मांझी परगना व्यवस्था में जनतांत्रिक एवं संवैधानिक सुधार लागू करने की मांग की है।इस दौरान जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संगठन ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में कई ऐसी कमियां हैं, जिनके कारण समाज के सभी लोगों की समान भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। संगठन ने कहा कि पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को संविधान और मानवाधिकार के अनुरूप मजबूत एवं पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। साथ ही सामाजिक बहिष्कार, जबरन जुर्माना और डायन प्रथा जैसी कुरीतियों पर प्रभावी रोक लगाने की आवश्यकता बताई गई। सेंगेल अभियान के पदाधिकारियों ने कहा कि आदिवासी समाज में शिक्षा, समानता और लोकतांत्रिक सोच को बढ़ावा देना समय की मांग है। संगठन का मानना है कि समाज में जागरूकता बढ़ाकर ही सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। इस अवसर पर मदन मुर्मू, सनातन हेंब्रम, रूबीलाल किस्कू, लोबिन मरांडी, सुलेमान किस्कू, रामजीत टूटू, दिनेश सोरेन एवं मकु टुडू मौजूद थे।

माहवारी स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर उपायुक्त ने दिए निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन की समीक्षात्मक बैठक उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छता, माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन तथा ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।बैठक में उपायुक्त ने 28 मई से 4 जून तक चलने वाले "चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो" अभियान के सफल संचालन को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय समेत अन्य बालिका विद्यालयों में नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं इंसीनेरेटर का सुचारू संचालन और नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।उपायुक्त ने माहवारी से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने के लिए पंचायत एवं ग्राम स्तर तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आंगनबाड़ी सेविका, स्वास्थ्य सहिया, स्वयं सहायता समूह की दीदियां एवं जलसहिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संस्थाओं को भी अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया।बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सुप्रीम कोर्ट की वर्ष 2026 की गाइडलाइन के अनुरूप विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सोमवार तक कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उप विकास आयुक्त के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जाए, ताकि जिले में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित हो सके।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समन्वयक, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

14 जून से पहले जनगणना कार्य पूरा करने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हिरणपुर (पाकुड़)। जनगणना कार्य निर्देशालय झारखंड के उप निदेशक गजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को घाघरजानी स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में जनगणना कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सभी 25 पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।बैठक के दौरान बीडीओ टुडू दिलीप ने जनगणना 2027 को लेकर प्रखंड में चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उप निदेशक ने सभी पर्यवेक्षकों से बारी-बारी से उनके क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा ऑनलाइन एंट्री की स्थिति की भी जानकारी ली।पर्यवेक्षकों ने प्रगणकों द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण समेत अन्य कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। इस पर उप निदेशक ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि हर हाल में 14 जून से पहले सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं तथा सभी सूचनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि अनिवार्य रूप से की जाए।समीक्षा के दौरान पर्यवेक्षकों ने कार्य के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी, जिस पर उप निदेशक ने विस्तार से समाधान बताया। बताया गया कि हिरणपुर प्रखंड में कुल 123 राजस्व गांव हैं, जहां जनगणना कार्य किया जा रहा है। इसके लिए 198 एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) का गठन कर कार्य संचालित किया जा रहा है। पर्यवेक्षकों के अनुसार जनगणना कार्य तेजी से प्रगति पर है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा।

डेंगू-चिकनगुनिया पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, रोकथाम हेतु दी गई प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। गुरुवार को जिला स्वास्थ्य समिति, पाकुड़ के तत्वावधान में डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम, नियंत्रण एवं जन-जागरूकता को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. के.के. सिंह ने संयुक्त तत्वाधान में किया गया।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्षा ऋतु एवं जलजमाव के कारण डेंगू एवं चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि की संभावना बनी रहती है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों एवं संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि घरों एवं आसपास जमा पानी को नियमित रूप से हटाना, कूलर, पुराने टायर, गमले एवं अन्य जल संग्रहित स्थानों की सफाई करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं तथा बिना चिकित्सकीय परामर्श के स्वयं दवा लेने से बचें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेंगू एवं चिकनगुनिया के लक्षण, पहचान, बचाव, सर्विलांस, लार्वा नियंत्रण, फॉगिंग, स्रोत नष्ट करने की प्रक्रिया, समय पर जांच एवं उपचार सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वीबीडी कंसल्टेंट अंकित कुमार, एफएलए राजू अग्रवाल, एमटीएस, एटीएस, एमपीडब्ल्यू, नगर परिषद कार्यालय के कर्मी, शहरी क्षेत्र की सहिया, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

देवीनगर में मनाया गया मासिक धर्म स्वच्छता दिवस, महिलाओं को किया जागरूक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़)। एसबीआई ग्राम सेवा कार्यक्रम के तहत एसबीआई फंडेशन और प्रवाह संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को देवीनगर गांव में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई, स्वास्थ्य और हाइजीन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने मासिक धर्म से जुड़े मिथकों को दूर करते हुए सही और वैज्ञानिक जानकारी साझा की।इसके बाद गांव में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें महिलाओं और किशोरियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि मॉडल स्कूल देवीनगर में बनाए गए गर्ल्स कॉमन रूम और बाथरूम का छात्राएं नियमित एवं सही तरीके से उपयोग कर रही हैं। इससे छात्राओं को स्कूल में सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल रहा है, जिसके कारण उनकी उपस्थिति में भी बढ़ोतरी हुई है।ग्राम सेवा कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि एसबीआई फाउंडेशन और प्रवाह संस्था भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि इस पहल से महिलाओं और किशोरियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और मासिक धर्म प्रबंधन को लेकर सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम सेवा कार्यक्रम की पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

लिट्टीपाड़ा में सरसों तेल निकालने की मिनी मशीन का प्रदर्शन, महिला किसानों को दी गई जानकारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। लिट्टीपाड़ा स्थित प्रवाह कार्यालय में कृषि विज्ञान केंद्र, पाकुड़ की ओर से जनजाति उपयोजन परियोजना (टीएसपी) के अंतर्गत पीवीटीजी महिला किसानों के लिए सरसों से तेल निकालने वाली मिनी मशीन का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. किरण किंधर ने कर्माटांड़, चतरा, बड़ा मारगो एवं गुडापहाड़ गांव की महिलाओं को सरसों से तेल निकालने की पूरी प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने मशीन के संचालन, तेल निष्कर्षण प्रक्रिया और उसके विभिन्न उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में कुल 25 पीवीटीजी महिला किसानों ने भाग लिया। डॉ. किरण किंधर ने सरसों से प्राप्त तेल एवं खली के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि खली जैविक खाद के रूप में काफी उपयोगी है। उन्होंने खेतों में इसके सही उपयोग के तरीके भी बताए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने मशीन संचालन से संबंधित कई जानकारियां प्राप्त कीं और इसे स्वरोजगार से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रवाह परियोजना के संग्राम राय, शंकर, जीतेन्द्र, विनय, देबाशीष, श्रीतोमा समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग प्रदान किया।

साइबर ठगी मामले में बसंतराय पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बसंतराय : थाना क्षेत्र के बाघाकोल गांव में साइबर अपराध के खिलाफ गोड्डा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक को प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर बसंतराय थाना पुलिस ने छापेमारी कर मो. जुबेर आलम, पिता- शकील अहमद, निवासी बाघाकोल, थाना बसंतराय को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ऑनलाइन साइबर ठगी से जुड़े लेन-देन में संलिप्त था। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक का पासबुक, बैंक ऑफ बड़ौदा और भारतीय स्टेट बैंक के डेबिट कार्ड, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के निवेश और ट्रांसफर के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करता था। वह टेलीग्राम के माध्यम से निवेश संबंधी एप डाउनलोड कर भुगतान एवं फंड ट्रांसफर के लिए विभिन्न यूपीआई प्लेटफॉर्म का उपयोग करता था। जांच में यह भी सामने आया कि साइबर अपराध से प्राप्त राशि को विभिन्न बैंक खातों और डिजिटल माध्यमों से स्थानांतरित कर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता था।

इस मामले में बसंतराय थाना कांड संख्या 40/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस बरामद डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी जांच कर रही है तथा नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी रामदेव वर्मा, विजय कुमार शर्मा, आरक्षी राजीव कुमार सिंह, गौतम कुमार सोरेन एवं तकनीकी शाखा के कर्मी शामिल थे। वहीं जिला प्रशासन ने लोगों से अपील किया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति, संदिग्ध निवेश योजना, फर्जी ऑनलाइन ऑफर या अनधिकृत मोबाइल एप के माध्यम से वित्तीय लेन-देन न करें तथा साइबर ठगी की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या निकटतम थाना को दें।

पद्मश्री शायर बशीर बद्र के निधन पर कांग्रेस ने जताया शोक

गोड्डा : उर्दू-हिंदी साहित्य जगत के प्रख्यात शायर एवं पद्मश्री सम्मानित बशीर बद्र के निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला अंजुमन तरक्की उर्दू के अध्यक्ष एकरारुल हसन ने इसे साहित्य और शायरी की दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति बताया। 91 वर्षीय बशीर बद्र का गुरुवार को भोपाल स्थित आवास पर निधन हो गया। एकरारुल हसन ने कहा कि बशीर बद्र ने अपनी ग़ज़लों और नज़्मों के माध्यम से मोहब्बत, इंसानियत और जिंदगी के विभिन्न पहलुओं को आम लोगों तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार, शिष्यों और करोड़ों प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उर्दू अदब, भारतीय संस्कृति और हिंदुस्तानी तहज़ीब में बशीर बद्र का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

बसुआ चौक पर शहीद वीर कुंवर बटेश्वर सिंह को श्रद्धांजलि

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महागामा : प्रखंड मुख्यालय स्थित बसुआ चौक में शुक्रवार को शहीद वीर कुंवर बटेश्वर सिंह की 31वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान बसुआ चौक देशभक्ति और श्रद्धा के माहौल में सराबोर रहा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीणों ने शहीद के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग, साहस और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीद सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहते हैं। सभा में युवाओं से शहीदों के आदर्शों को अपनाने तथा राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और देशभक्ति के नारे लगाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मौके पर पप्पू कुमार सिंह, निरंजन ब्रह्म कुंवर, सुनीता सिंह सहित खतौरी समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा में उमड़ी भीड़ ने शहीद के प्रति लोगों की गहरी आस्था और सम्मान को दर्शाया।

गोड्डा पुस्तक मेला में सजेगा कवियों का महाकुंभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चर्चित कवयित्री अंकिता सिन्हा होंगी शामिल

गोड्डा : स्थानीय नगर भवन में आयोजित पुस्तक मेला इस वर्ष साहित्य और संस्कृति के बड़े उत्सव के रूप में उभर रहा है। मेले के दौरान समय इंडिया ट्रस्ट, नई दिल्ली के तत्वावधान में शनिवार 30 मई को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के चर्चित कवि एवं कवयित्रियां अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगी। इस विशेष आयोजन में झारखंड की प्रसिद्ध कवयित्री एवं मंच संचालिका अंकिता सिन्हा भी शिरकत करेंगी। कवि सम्मेलन को लेकर जिले के साहित्य प्रेमियों, युवाओं और पुस्तक पाठकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, प्रेम, हास्य-व्यंग्य तथा समकालीन विषयों पर आधारित कविताओं का पाठ होगा। कवियों की प्रस्तुतियां श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखने का काम करेंगी। अंकिता सिन्हा हिंदी साहित्य जगत की एक सशक्त और लोकप्रिय कवयित्री हैं। कविता, ग़ज़ल, शायरी, कहानी एवं आलेख लेखन में उनकी विशेष पहचान है। उनकी प्रकाशित कृतियों में 'आकांक्षा', 'कोरोनाकाल' और 'मेरी दुनिया मेरी माँ' प्रमुख हैं। उन्होंने वर्ष 2023 में मलेशिया और बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर अपनी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दिया है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन रांची सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर भी वे अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। अंकिता सिन्हा को साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। वे वर्तमान में कई साहित्यिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़कर साहित्य और संस्कृति के संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। पुस्तक मेले में विभिन्न प्रकाशनों के पुस्तक स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहां धार्मिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं बाल साहित्य से संबंधित पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध रहेगी। आयोजकों ने जिलेवासियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उनका मानना है कि यह आयोजन गोड्डा की साहित्यिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

चालकों के हक और सुरक्षा के लिए एकजुट हुआ लोहरदगाः ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन ने भरी हुंकार

लोहरदगाः चालकों के अधिकारों, सुरक्षा और उनके हितों से जुड़े कानूनों की मांग को लेकर देशभर में विभिन्न ड्राइवर संगठनों द्वारा लगातार आवाज उठाई जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन, लोहरदगा द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य चालक समाज को एकजुट करना और उनके बुनियादी हक के प्रति जागरूक करना था। इस विशेष कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष साजिद अंसारी, जिला सचिव उज्जवल कुमार पाठक तथा जिला कोषाध्यक्ष अख्तर अंसारी ने मिलकर किया। कार्यक्रम के दौरान लोहरदगा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े ड्राइवरों को एक साथ लाने और उन्हें संगठित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित चालकों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष साजिद अंसारी ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य ड्राइवर समाज के हितों की रक्षा करना तथा उनकी समस्याओं को प्रमुखता से प्रशासन के सामने उठाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोहरदगा जिले के बॉक्साइट ट्रक चालक, लाइन ट्रक चालक, टेम्पो चालक और बस चालक सहित सभी श्रेणी के ड्राइवरों के हित में संगठन लगातार कार्य कर रहा है और किसी भी चालक का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साजिद अंसारी ने दृढ़ता के साथ कहा कि जिले के बॉक्साइट ट्रक चालकों समेत सभी ड्राइवरों के हक और अधिकारों की मांग को संगठन पूरी मजबूती के साथ उठाएगा। उन्होंने आगे कहा कि चालकों से जुड़ी समस्याओं के समाधान और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने के लिए समय-समय पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन आगे भी किया जाता रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन को सचेत करते हुए यह चेतावनी भी दी कि यदि आवश्यक हुआ, तो ड्राइवर अपने अधिकारों को पाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन और हड़ताल जैसे कड़े कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने जिले के सभी ड्राइवरों से आपसी एकजुटता दिखाने, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए बढ़-चढ़कर आगे आने का पुरजोर आह्वान किया।

बाइक और स्कूटी की जोरदार टक्कर में पुलिस जवान समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

सेन्हा/लोहरदगाः जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत ठाकुरबाड़ी के समीप शुक्रवार शाम एक मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच हुई भीषण टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाई और उनकी मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह है कि चिकित्सकों ने सभी घायलों की स्थिति को फिलहाल खतरे से बाहर बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना बाइक और स्कूटी के बीच हुई। बताया जा रहा है कि स्कूटी सवार 43 वर्षीय पुलिस जवान ललित उरांव आउटपोस्ट से अपनी ड्यूटी के लिए बगड़ु पिकेट जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों पर सवार सभी लोग असंतुलित होकर सड़क पर दूर जा गिरे और बुरी तरह चोटिल हो गए। अस्पताल प्रशासन और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घायलों की पहचान ललित उरांव पिता स्वर्गीय बुधराम उरांव स्कूटी सवार पुलिस जवान, जो गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे बगड़ु पिकेट में पदस्थापित हैं। दुर्घटना में उन्हें बाहरी और अंदरूनी चोटें आई हैं। वहीं 50 वर्षीय चरवा उरांव पिता स्व. बैगा भगत बाइक पर सवार वृद्ध, जो सेना थाना क्षेत्र के उग्रा पंचायत अंतर्गत मेढ़ो गांव के निवासी हैं। और 35 वर्षीय दिलीप उरांव पिता सीताराम उरांव बाइक चालक युवक, जो उगरा टंगरा टोली के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि दिलीप उरांव मोटरसाइकिल से अपने जीजा चरवा उरांव को लेकर लोहरदगा के रघु टोली जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही सेना थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस की गश्ती दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। इसके बाद पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। पुलिस इस पूरे मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

हेसल साइडिंग में ट्रक चालकों व मजदूरों की बैठकः महा अधिवेशन को सफल बनाने का लिया संकल्प

लोहरदगाः पाखर ट्रक ऑनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा हेसल साइडिंग में ट्रक ड्राइवरों एवं अनलोडिंग मजदूरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 30 तारीख को माननीय पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में आयोजित होने वाले छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्क्स यूनियन, लोहरदगा के महा अधिवेशन को ऐतिहासिक और सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और रणनीति बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह महा अधिवेशन ट्रक मालिकों, चालकों एवं मजदूर भाइयों की आवाज को बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा, आज परिवहन और मजदूर वर्ग कई प्रकार की समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में हम सभी को एकजुट होकर अपने हक एवं अधिकार की लड़ाई को मजबूती देना बेहद जरूरी है। पदाधिकारियों ने सभी ट्रक चालकों, मजदूरों एवं संबंधित लोगों से अधिक से अधिक संख्या में महा अधिवेशन में शामिल होने की पुरजोर अपील की। उन्होंने कहा कि माननीय पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू हमेशा से मजदूरों, ट्रक मालिकों, चालकों एवं आम जनता की आवाज को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाते रहे हैं। ऐसे में उनके हाथों को मजबूत करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, ताकि आने वाले समय में ट्रक मालिकों, चालकों एवं मजदूरों के अधिकारों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित हो सके। यह बैठक पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष आरिफ हुसैन बब्लू के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाई। इस मौके पर मुख्य रूप से उपाध्यक्ष एहसान कुरैशी, सह सचिव फिरोज अंसारी, सक्रिय सदस्य कासिफ, इकबाल, असगर अंसारी, चांद अंसारी, बलराम उरांव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ट्रक मालिक, चालक और मजदूर साथी उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में आगामी महा अधिवेशन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही, क्षेत्र के अन्य साथियों से भी भारी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मजदूरों, ट्रक मालिकों एवं चालकों की एकता और शक्ति का परिचय देने का आह्वान किया गया।

नौतपा की तपिश और बारिश का संतुलन तय करेगा मानसून का मिजाज, कीट-रोगों पर भी पड़ता है असरः आचार्य अमित कुमार मिश्रा

लावालौंग... नौतपा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों चर्चा तेज है।परंपरागत मान्यताओं के अनुसार नौतपा के दौरान पड़ने वाली तेज गर्मी और बारिश का सीधा संबंध आने वाले मानसून से माना जाता है।मौसम विशेषज्ञ भले ही मानसून को कई वैज्ञानिक कारकों पर निर्भर बताते हों,लेकिन ग्रामीण समाज में नौतपा का विशेष महत्व आज भी बना हुआ है।आचार्य अमित कुमार मिश्रा के अनुसार नौतपा में यदि तेज धूप और गर्मी पड़ती है तो इसे अच्छे मानसून का संकेत माना जाता है।वहीं लगातार बारिश होने से कमजोर या असंतुलित मानसून की संभावना उत्पन्न होती है।कृषि प्रधान क्षेत्रों में यह मान्यता भी है कि नौतपा की तेज गर्मी खेतों में मौजूद कई हानिकारक कीट-पतंगों,फफूंद और रोगजनकों की संख्या को कम करने में सहायक होती है, जिससे फसलों को लाभ मिलता है।हालांकि सभी कीट,जीवाणु और विषाणु केवल गर्मी से समाप्त नहीं होते।फिर भी तेज धूप,उच्च तापमान और शुष्क वातावरण कई हानिकारक जीवों के जीवन चक्र को प्रभावित कर उनकी संख्या कम कर सकते हैं। यही कारण है कि नौतपा को प्रकृति के संतुलन और कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। आगे उन्होंने कहा कि नौतपा सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने पर शुरू होता है।इस वर्ष 25 मई को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर जाने के कारण उसी समय से नौतपा का प्रारंभ हो गया है जो नौ दिनों तक अर्थात 2 जून तक रहेगा।यह कुल 9 दिनों की अवधि होती है, इसलिए इसे "नौतपा" कहा जाता है। केवल धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

देवघर में डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का सफल आयोजन

Gold's Gym में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार और फ्री जिम सदस्यता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

देवघरः-देवघर स्थित Gold's Gym में डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी ताकत व फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान जिम परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। विजेताओं को 2000 नकद पुरस्कार के साथ एक महीने की मुफ्त जिम सदस्यता देकर सम्मानित किया गया। जूनियर महिला वर्ग में निशा जायसवाल ने 110 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि निकिता कुमारी ने 90 किलोग्राम वजन उठाकर द्वितीय स्थान हासिल किया। सीनियर महिला वर्ग में दिशा भारती ने 150 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्थान अपने नाम किया। वहीं दीक्षा कुमारी 115 किलोग्राम के साथ द्वितीय एवं श्वेता सिंह 110 किलोग्राम वजन उठाकर तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर पुरुष वर्ग में निलेश तिवारी ने 210 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया। अनीश सांडिल्य 140 किलोग्राम के साथ द्वितीय एवं कृष्णा शर्मा 132.5 किलोग्राम के साथ तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सीनियर पुरुष वर्ग में सुभाष कुमार ने 240 किलोग्राम वजन उठाकर प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। सत्यम केशरी 186 किलोग्राम के साथ द्वितीय तथा यश सिंह 185 किलोग्राम

वजन उठाकर तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के दौरान डीएसए के सचिव आशीष Jha ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल एवं शारीरिक गतिविधियां युवाओं के बेहतर भविष्य और स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से फिटनेस गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। आयोजन की सफलता के लिए नवीन शर्मा एवं गोल्ड्स जिम की निदेशक Babita मिश्रा को विशेष धन्यवाद दिया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में गोल्ड्स जिम के शिवम, राजन, बिक्रम चौधरी, सुनील राव, राम जीवन राय, नवीन सिंह, श्वेता सिंह, सौरभ, रीतेश, लालमणी एवं अमन की अहम भूमिका रही। आयोजन के अंत में सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं।

महगामा में पत्रकारों के लिए बनेगा अत्याधुनिक मीडिया भवन : प्रबोध सोरेन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महगामा : नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबोध सोरेन ने पत्रकारों के हित में एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि महगामा में जल्द ही मीडिया बंधुओं के लिए एक आधुनिक मीडिया भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है और आगे की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकार समाज की आवाज को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों के लिए एक व्यवस्थित भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत की ओर से पहल की गई है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित मीडिया भवन में पत्रकारों के बैठने, बैठक करने तथा समाचार संकलन से जुड़े आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि मीडिया कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि यह भवन महागामा के पत्रकारों के लिए सम्मान और सुविधा का केंद्र बनेगा।इस घोषणा के बाद क्षेत्र के पत्रकारों में खुशी का माहौल है। मीडिया कर्मियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पत्रकारिता कार्य को मजबूती मिलेगी और स्थानीय पत्रकारों को एक स्थायी पहचान भी प्राप्त होगी।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल को स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि पत्रकार समाज की समस्याओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है।

चतरा जिला स्थापना दिवस पर जिले के 851 झारखंड आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चतराः जिला स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य गठन आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में शुक्रवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त रवि आनंद, विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा भगवान बिरसा मुंडा एवं झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया. इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारियों को शॉल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई आंदोलनकारियों ने झारखंड राज्य गठन आंदोलन में अपने योगदान एवं अनुभवों को साझा करते हुए आंदोलन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उपस्थित लोगों ने झारखंड आंदोलन के इतिहास, संघर्ष एवं उपलब्धियों को स्मरण किया। जिला स्तर पर कुल 122 तथा प्रखंड स्तर पर कुल 729 राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 851 झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान प्रदान कर उनके योगदान को स्मरण किया गया। अपने संबोधन में उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि चतरा जिला का गठन 29 मई 1991 को हजारीबाग जिले से पृथक कर किया गया था। उन्होंने कहा कि जिला स्थापना दिवस जिले की विकास

यात्रा, उपलब्धियों एवं जनभागीदारी के संकल्प को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के लिए आंदोलनकारियों द्वारा किए गए संघर्ष, त्याग एवं समर्पण को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। राज्य निर्माण की इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के योगदान का उल्लेख करते हुए झारखंड आंदोलन में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सांसद कालीचरण सिंह ने अपने संबोधन में झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष एवं योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। विधायक जनार्दन पासवान ने भी आंदोलनकारियों के त्याग एवं समर्पण को झारखंड राज्य के इतिहास की अमूल्य धरोहर बताते हुए उन्हें सम्मानित किए जाने की पहल की सराहना की.

कोयलांचल के विस्थापन, रोजगार और जन-समस्याओं पर सांसद सुखदेव भगत और शत्रुघ्न सिन्हा ने की गंभीर चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः संसद भवन में शुक्रवार को आयोजित लोकसभा की कोयला, खान एवं इस्पात संबंधी स्थायी समिति की बैठक में झारखंड और बंगाल के कोयलांचल क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक शुरू होने से पहले लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत और आसनसोल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने संसद परिसर में आपस में मुलाकात कर बैठक के एजेंडे तथा क्षेत्र की जमीनी समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने कोयलांचल के लोगों को उनका हक दिलाने के लिए संसद के हर सत्र में एकजुट होकर आवाज उठाने पर सहमति जताई। मुलाकात के दौरान लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने विस्थापन और रोजगार के मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड के कोयला क्षेत्रों में दशकों से विस्थापित परिवार आज भी न्याय के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि

कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में न तो पुनर्वास का कार्य पूरा किया गया है और न ही स्थानीय युवाओं को रोजगार में उचित हिस्सेदारी मिल रही है, इसलिए इन मुद्दों को समिति के समक्ष पूरी मजबूती से रखा जाएगा। इसी क्रम में आसनसोल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि बंगाल और झारखंड का पूरा कोयला बेल्ट आज एक जैसी तकलीफें झेल रहा है। कंपनियों के सीएसआर का पैसा कहाँ खर्च हो रहा है, इसका जमीनी स्तर पर किसी को पता नहीं है और खनन क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं आज भी आम जनता के लिए एक सपना बनी हुई हैं। इसके बाद आयोजित हुई स्थायी समिति की मुख्य बैठक में सांसद सुखदेव भगत ने इन सभी विषयों को बेहद तार्किक ढंग से पटल पर रखा। उन्होंने क्षेत्र की बेहतरी के लिए अवैध खनन को रोकने, खनन क्षेत्रों में रेल व सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने, देश के बड़े स्टील प्लांट्स में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने और पर्यावरण सुरक्षा के पुख्ता उपाय करने सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को समिति के सामने रखा और इन पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

लोहरदगा में मौसम का मिजाज बदलाः भंडरा में सुबह-सुबह झमाझम बारिश, भीषण गर्मी से मिली राहत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भंडरा/लोहरदगाः जिला अंतर्गत भंडरा प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को अहले सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। पिछले कई दिनों से जारी भीषण और उमस भरी गर्मी से परेशान स्थानीय लोगों को इस बदले मौसम से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार की सुबह आसमान का नजारा आम दिनों से बिल्कुल जुदा था। अमूमन इस वक्त सूरज की तपिश महसूस होने लगती है, लेकिन आज सुबह सूर्योदय की जगह आसमान में घने काले बादलों ने डेरा डाल लिया और देखते ही देखते चारों ओर अंधेरा छा गया। इसके तुरंत बाद बादलों की जोरदार गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के साथ मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया। क्षेत्र में हुई इस झमाझम बारिश से पूरा मौसम खुशनुमा और सुहाना हो गया है। तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है,

जिससे लोगों को चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़ों से तात्कालिक रूप से निजात मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के कारण जीना मुहाल हो गया था। सुबह की इस बारिश ने न सिर्फ हवा में ठंडक घोली है, बल्कि लोगों के चेहरों पर मुस्कान भी लौटा दी है। इस मूसलाधार बारिश को कृषि के लिहाज से भी काफी फायदेमंद माना जा रहा है। खेतों की मिट्टी में नमी आने से प्रखंड के किसान खेतों की तैयारी में जुट गए हैं। लगातार बढ़ रहे पारे पर इस बारिश ने ब्रेक लगा दिया है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को उमस से बड़ी राहत मिली है। अचानक हुई तेज बारिश के कारण भंडरा प्रखंड के कुछ निचले इलाकों और सड़कों पर हल्का जलजमाव भी देखने को मिला, जिससे आवागमन में थोड़ी देर के लिए परेशानी हुई। कुल मिलाकर, शुक्रवार की सुबह हुई इस जोरदार बारिश ने भंडरा प्रखंड के लोगों को भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाकर एक राहत भरी शुरुआत दी है।

लोहरदगा में जनता मिलन कार्यक्रमः उपायुक्त ने सुनीं जन-समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए लोहरदगा के उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों और सुदूर पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। सत्र के दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपे। जनता मिलन में मुख्य रूप से भूमि विवाद, राशन कार्ड में सुधार, पेंशन योजना का लाभ, पेयजल संकट, प्रधानमंत्री आवास योजना और विभिन्न अंचलों व प्रखंडों से जुड़े मामले छाए रहे। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना। कई मामलों में उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर

ही समस्या के तुरंत समाधान का आदेश दिया। वहीं, अन्य गंभीर आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर इनका निष्पादन सुनिश्चित करें। मौके पर उपायुक्त लोहरदगा संदीप कुमार मीना ने कहा जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पहल से दूर-दराज के गांवों से आए लोगों में काफी संतोष देखा गया। ग्रामीणों का कहना था कि उपायुक्त की इस सीधी जनसुनवाई से उन्हें अपनी बात रखने का सीधा मंच मिल रहा है और उनकी समस्याओं पर तुरंत संज्ञान लिया जा रहा है।

भंडरा अंजुमन का ऐतिहासिक फैसला

आपसी विवाद सुलझाकर बिखरते परिवारों को मिलाया, नशा करने वालों के सामाजिक बहिष्कार का ऐलान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भंडरा/लोहरदगाः जिला के भंडरा प्रखंड अंतर्गत बड़ा अंबेरा मदरसा प्रांगण में जुमे की नमाज के बाद अंजुमन इस्लामिया बड़ा अंबेरा और प्रखंड कमेटी भंडरा की एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ी बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में फैल रही बुराइयों को खत्म करना और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना था। बैठक के दौरान कमेटी ने सामूहिक रूप से समाज सुधार की दिशा में दो बड़े और कड़े फैसले लिए, जिनकी अब पूरे इलाके में सराहना हो रही है। बैठक का सबसे सकारात्मक पहलू लंबे समय से चल रहे पारिवारिक और आपसी विवादों का निपटारा रहा। कई ऐसे मामले जो गंभीर रूप लेकर कोर्ट-कचहरी तक पहुँचने की कगार पर

थे, उन्हें कमेटी के पदाधिकारियों ने बेहद सूझबूझ से सुलझाया। विवादित पक्षों को आमने-सामने बिठाकर संवाद कराया गया, जिसके बाद दोनों पक्षों की आपसी रजामंदी से झगड़ों को खत्म कर दिया गया। इस पहल से बिखरते हुए परिवार एक बार फिर एकजुट हो गए। वहीं दूसरी ओर, इलाके में बढ़ती नशाखोरी की समस्या पर कमेटी ने बेहद सख्त और आक्रामक रुख अपनाया है। बैठक में नशा करने और इसे बेचने वाले लोगों को सबके सामने बुलाकर अंतिम चेतावनी दी गई। कमेटी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति नशा करते या नशीले पदार्थों की तस्करी करते पकड़ा गया, तो समाज उसका हुक्का-पानी (सामाजिक बहिष्कार) पूरी तरह बंद कर देगा। इसके साथ ही दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। समाज को नई दिशा देने वाले इस बड़े फैसले के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से प्रखंड सदर आफताब आलम, मंजूर अंसारी, वसीम अंसारी, जावेद अंसारी, शकील अहमद, सलमान अंसारी, बाबर अंसारी, ताज अंसारी, नौशाद अंसारी, अफरीदी, अलेमान, इमरोज, मुस्ताक और मुर्शीद सहित अन्य कई बुद्धिजीवी व्यक्ति शामिल थे। इनके अलावा छोटा अंबेरा और बड़ा अंबेरा के सदर, सेक्रेटरी समेत भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने बैठक में हिस्सा लेकर इन फैसलों का पुरजोर समर्थन किया और समाज को नशामुक्त व शांतिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।

पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

3 साल बाद आ रहा है सबसे खास दिन!

31 मई को मनाई जाएगी अधिक मास की पूर्णिमा, भूलकर भी न करें ये गलतियां

पूरे 3 साल बाद इस वर्ष अधिक मास (मलमास) का पावन आगमन हुआ है। इस विशेष महीने के अंतर्गत आने वाली 'अधिक पूर्णिमा' को बेहद दुर्लभ और फलदायी माना गया है। साल 2026 में यह पवित्र तिथि 31 मई को मनाई जाएगी।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, पूरे 3 साल बाद इस वर्ष अधिक मास (मलमास) का पावन आगमन हुआ है। इस विशेष महीने के अंतर्गत आने वाली 'अधिक पूर्णिमा' को बेहद दुर्लभ और फलदायी माना गया है। वर्ष 2026 में यह पवित्र तिथि 31 मई को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु (श्रीहरि) और धन की देवी माता लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। ज्योतिषविदों का मानना है कि इस दिन की गई कुछ छोटी गलतियां साधक को बड़े नुकसान में डाल सकती हैं। आइए जानते हैं अधिक पूर्णिमा पर किन कार्यों को करने से बचना चाहिए।

मांगलिक कार्यों की पूर्ण मनाही

शास्त्रों के अनुसार, अधिक मास को 'पुरुषोत्तम मास' भी कहा जाता है। इस पूरे महीने और विशेषकर पूर्णिमा के दिन किसी भी नए व्यापार की शुरुआत, गृह प्रवेश, मुंडन, सगाई या विवाह जैसे बड़े मांगलिक कार्यों को करने की सख्त मनाही होती है। यह समय भौतिक सुखों या सांसारिक कार्यों के लिए नहीं, बल्कि आत्म-शुद्धि, मंत्र जप और दान-पुण्य के लिए सर्वोत्तम माना गया है।

घर में क्लेश करने से रूठ सकती हैं माता लक्ष्मी

- धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जिस घर में अशांति, वाद-विवाद और अपशब्दों का प्रयोग होता है, वहां से माता लक्ष्मी दूरी बना लेती हैं।
- अधिक पूर्णिमा के दिन घर के भीतर किसी भी प्रकार के झगड़े से बचना चाहिए।
- विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, माता-पिता या किसी असहाय व्यक्ति का अपमान भूलकर भी न करें, अन्यथा भगवान विष्णु की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

- देर तक सोने से छिपेगा भाग्य
- मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन प्रकृति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार अपने चरम पर होता है। इस ऊर्जा का लाभ उठाने के लिए जातकों को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए।

दरवाजे पर आए याचक को खाली हाथ लौटाना पड़ेगा भारी

पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर किए गए दान का महत्व सामान्य दिनों की तुलना में हजार गुना अधिक होता है। यदि इस दिन आपके द्वार पर कोई जरूरतमंद, भिखारी या साधु-संत आता है, तो उसे डांटकर या खाली हाथ न लौटाएं। याचक का अपमान करने से पितृ दोष लग सकता है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार अनाज, वस्त्र, फल या जल का दान अवश्य करें।

इन नियमों का करें पालन

वर्जित कार्य

- **तामसिक भोजन व नशा:** लहसुन, प्याज, मांस, मछली या मदिरा का सेवन
- **स्वच्छता नियम:** बाल कटवाना, शेविंग (दाढ़ी बनाना) और नाखून काटना
- **मानसिक विकार:** क्रोध, ईर्ष्या और किसी की निंदा करना

सही विकल्प / नियम

- **सात्विक जीवन:** पूरी तरह शुद्ध शाकाहारी भोजन और फलाहार करें।
- **शारीरिक शुद्धि:** पूर्णिमा से पूर्व या बाद में ये कार्य करें, इस दिन इनसे बचें।
- **ईश्वर भक्ति:** शांत मन से भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

घर के मंदिर में इन देवी-देवताओं की मूर्तियां नहीं रखना चाहिए

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है कैसे हुई थी त्रिशूल की उत्पत्ति

भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, विशेष लाभ भी प्राप्त होते हैं। विधि-विधान और सच्चे मन से शिव जी पूजा की जाए, तो समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई बार मन में सवाल आता है कि भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है और त्रिशूल की उत्पत्ति कैसे हुई थी, आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

कहा जाता है कि त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति का प्रतीक होता है। बुरी शक्तियों के विनाशक के रूप में त्रिशूल हमेशा शिव जी से जुड़ा रहता है। समुद्र मंथन के दौरान शिव जी को भगवान विष्णु से त्रिशूल उपहार के रूप में मिला था। वहीं, कुछ पौराणिक कथा में यह भी कहा गया है कि शिव जी को देवी दुर्गा से त्रिशूल प्राप्त हुआ था। उन्होंने इसका इस्तेमाल राक्षस महिषासुर के खिलाफ लड़ाई में किया था। शिव पुराण में कहा गया है कि संपूर्ण ब्रह्मांड की शुरुआत में भगवान शिव ब्रह्मनाद से प्रकट हुए थे। उनके साथ तीन गुण भी प्रकट हुए, रज, तम और सत गुण, इन तीन गुणों से मिलकर शिव शूल का निर्माण हुआ, जिससे त्रिशूल बना। प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने भगवान शिव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान शिव से हमेशा उनके साथ रहने का वरदान मांगा, उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने के लिए कहा। भगवान शिव ने कहा कि वे ग्रहों के चक्र से दूर हैं, ऐसे में किसी भी ग्रह को अपने साथ नहीं रख सकते। मना करने के बाद, मंगल ने शिव जी के पास रहने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि वे अपने किसी प्रतीक के साथ मेरे किसी प्रतीक को जोड़ लें। भगवान शंकर औघड़दानी कहे जाते हैं, इसीलिए उन्होंने अपने त्रिशूल पर हमेशा के लिए लाल रंग का कपड़ा बांध लिया था। तभी से यह सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण प्रथा बन गई, जिसका पालन आज भी किया जाता है।

इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।

चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्राय: सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

कांटेदार पौधे

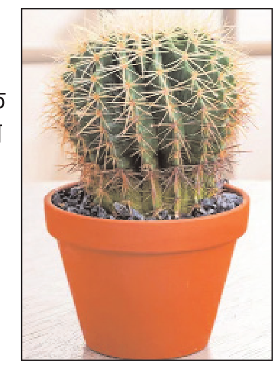

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अत: घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री संतोष कुमार सुमन को बोला था अपशब्द, वीडियो बनाने वाला शख्स गिरफ्तार

गया, एजेंसी। बिहार की गया पुलिस ने मंत्री संतोष कुमार सुमन को लेकर आपत्तिजनक वीडियो बनाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मसौथा खुर्द के रहने वाले उमेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। संतोष कुमार सुमन को बोला था अपशब्द : दरअसल, सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक वीडियो डाला गया था, जिसमें बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन के खिलाफ अपशब्द कहे गए थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले को लेकर मुफस्सिल थाने की पुलिस कार्रवाई में जुटी थी। वायरल वीडियो में अपशब्द और तरह-तरह की बातें कह गई थी। मामले को लेकर गया जिले के मुफस्सिल थाना की पुलिस कार्रवाई में जुटी थी। इसी क्रम में सामने आया कि इस तरह का वीडियो वायरल करने वाले वाला युवक मानपुर प्रखंड के मसौथा खुर्द गांव का रहने वाला उमेश कुमार है। सत्यापन के बाद आरोपी गिरफ्तार : इस मामले में पुलिस सत्यापन में जुटी थी। तकनीकी तौर पर मिले साक्ष्य के बाद मसौथा गांव के रहने वाले उमेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वैसे बताया जा रहा है कि गिरफ्तार हुआ युवक ऑटो चलाने का काम करता है। वह सोशल मीडिया पर रील और वीडियो अपलोड करता था।

बिहार में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से 24।91 लाख कैश बरामद

पूर्वी चंपारण, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण में मोतिहारी स्थित तुरकौलिया में पुलिस ने रात्रि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक कार से 24 लाख 91 हजार 300 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नेपाली नागरिकों समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से बरामद हुई भारी राशि का कोई भी वैध कागजात मौजूद नहीं था। यह पूरी घटना 26 मई 2026 की रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। घटना के समय तुरकौलिया थाना की पुलिस निमुईया चौक पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुजफ्फरपुर की तरफ से आ रही उजले रंग की एक कार को पुलिस ने जांच के लिए रोका। कागजात न होने के कारण पुलिस पूरी रकम जब्त कर मामले की गहन जांच कर रही है। संदेह के आधार पर पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए कार की बारीकी से तलाशी लेनी शुरू की। तलाशी के दौरान कार के भीतर से 24 लाख 91 हजार 300 रुपये की भारी भारतीय मुद्रा बरामद हुई। इतनी बड़ी रकम को अचानक देखकर चेकिंग में तैनात पुलिस अधिकारी और कर्मी भी पूरी तरह चौंक गए। कार में कुल चार लोग सवार थे जिन्हें पुलिस ने तुरंत हिरासत में ले लिया और थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कृष्णा सहनी, सुभाष कुमार, दीपेश कुमार यादव और प्रज्जवल सहनी के रूप में हुई है। कृष्णा सहनी आदापुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर का रहने वाला है।वहीं सुभाष कुमार नकरदेई थाना क्षेत्र के कटकेनवा का निवासी है। दो अन्य आरोपी दीपेश कुमार यादव और प्रज्जवल सहनी नेपाल के बारा जिले के शिमरौणगढ़ थाना क्षेत्र स्थित रामनगर के रहने वाले हैं।

सीवान में जमीन विवाद में दो लोगों की मौत, पीड़ित परिवार से मिले भाकपा माले के नेता

सीवान, एजेंसी। जिले के नौतन थाना क्षेत्र के हसुआ पंचायत स्थित बरोहा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई खूनी झड़प के बाद अब राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। शुक्रवार को भाकपा माले की जांच टीम ने दोनों पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर घटना को बेहद दुखद बताया और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। बरोहा गांव में पुराने जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में शंकर भगत (60 वर्ष) और बंका सिंह कुशवाहा (62 वर्ष) की मौत हो गई थी। वहीं मैनेजर भगत गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामले को सुलझाने के लिए कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका। गुरुवार शाम बाबा मोड़ के पास विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। घटना के बाद अब तक किसी भी पक्ष की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बावजूद पुलिस ने एक पक्ष के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसे लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। भाकपा माले की जांच टीम ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद कहा कि पार्टी इस कठिन समय में दोनों परिवारों के साथ खड़ी है। नेताओं ने घटना के लिए प्रशासनिक विफलता और मौजूदा व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया।जांच टीम ने कहा कि पूरे देश में अराजकता की स्थिति है और कानून-व्यवस्था कमजोर हो चुकी है। नेताओं ने आरोप लगाया कि जमीन विवाद जैसे मामलों में प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप नहीं करता, जिससे ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। भाकपा माले ने राज्य सरकार से दोनों मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। जांच टीम में भाकपा माले के जिला सचिव इंद्रजीत चौरसिया, राज्य कमिटी सदस्य एवं पूर्व विधायक अमरनाथ यादव, विकास यादव, सुरेंद्र प्रसाद, शिवजी सहनी, अनीश कुशवाहा, शौकत अली और सरपंच अच्छेलाल कुशवाहा समेत कई नेता शामिल रहे।

बिहार से भी घुसपैठिये होंगे बाहर

अमित शाह से लेकर सम्राट सरकार ने बनाया एक्शन प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार में घुसपैठ को नियंत्रित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने और पुशबैक नीति लागू करने के बाद सीमांचल क्षेत्र में संभावित घुसपैठ की आशंका बढ़ गई है। यह क्षेत्र विशेष रूप से किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जैसे जिले हैं, जो अवैध घुसपैठ का मुख्य मार्ग रहे हैं। विस्तार से जानें बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के दौरान कितने घुसपैठिये पाए गए और अब इनके खिलाफ क्या एक्शन प्लान अपनाया गया है।।

केंद्र से लेकर राज्य तक सख्तीः बिहार में विधानसभा चुनाव के समय घुसपैठिए को लेकर खूब सियासत हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री ने भी बिहार से घुसपैठियों को निकालने की बात कही थी। बाद में सम्राट चौधरी ने भी कहा कि घुसपैठिए को चुन-चुन कर निकालेंगे।

वोटर लिस्ट से काटे गए 65 लाख नामः स्ढ्ढक्रमें बिहार में वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम कटा था। उसके आधार पर बिहार सरकार ने आधार कार्ड, राशन कार्ड से लोगों का नाम काट दिया है। बिहार में सीमांचल का इलाका हमेशा घुसपैठिए को लेकर चर्चा में रहता है, जिस प्रकार से मुस्लिम जनसंख्या बढ़ी है उसको लेकर भी सियासत हो रही है।

बड़ी संख्या में बाहर से आए घुसपैठिए-हरेंद्र प्रतापः बीजेपी का लगातार आरोप रहा है कि बड़ी संख्या में घुसपैठिए बाहर से आए हैं। पूर्व विधान पार्षद हरेंद्र प्रताप ने तो किताब भी लिखी है और इस मामले को उन्होंने विधान परिषद में उठाया भी था। बिहार सरकार के मंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार ने जो एक्सपर्ट कमेटी बनाई है, यह अच्छी पहल है। क्योंकि घुसपैठिए को हटाना जरूरी है।

सीमावर्ती जिलों में बांगलादेशी रिफ्यूजीः बिहार के सीमावर्ती जिलों में 1971 के बाद बड़ी संख्या में बांग्लादेशी रिफ्यूजी आए थे और उसमें से बड़ी संख्या में यहीं रह गए। 1983 में सरकार ने पहली बार स्क्रीनिंग कराकर उन्हें नोटिस दिया। कुछ नाम भी काटे गए लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठिए का सिलसिला जारी रहा। सीमांचल में 68% तक मुस्लिम आबादीः सीमांचल के इलाके में डेमोग्राफी चेंज के रूप में यह सामने भी आया है कि किशनगंज में अल्पसंख्यकों की आबादी 68 फ़ीसदी तक पहुंच गई है। जबकि 1951 के आसपास सीमांचल में जब कटिहार, किशनगंज, अररिया संयुक्त रूप से पूर्णिया जिले के साथ थे तो उस समय 31% के आसपास ही मुस्लिम आबादी थी।2011 की जनसंख्या को ही मानें तो 6 दशकों में 16-17 प्रतिशत की रफ्तार से सीमांचल में मुस्लिम आबादी बढ़ी है और पूरा डेमोग्राफी चेंज हो गया है। 2011 में सिर्फ किशनगंज में ही 11।49 लाख आबादी थी जो 2024- 25 में बढ़कर 14।18 लाख के करीब पहुंच गया है।

बिहार में मुस्लिम आबादी लगभग 17% के करीब है लेकिन जब सीमांचल की बात आती है तो यहां यह संख्या कहीं अधिक है। किशनगंज में 68 फ़ीसदी, कटिहार में 44 फ़ीसदी, अररिया में 43 फ़ीसदी और पूर्णिया में 38% फीसदी मुस्लिम आबादी है।पूर्व विधान पार्षद ने लिखी है किताबः पूर्व विधान पार्षद हरेंद्र प्रताप सीमांचल में जो डेमोग्राफी चेंज हुआ है, उसपर लंबे समय तक अध्ययन किया है। उन्होंने किताब भी लिखी है, जिसका नाम है सेकुलरवाद और बदलती जनगणना के आंकड़े।

कटिहार में सबसे अधिक बांग्लादेशी घुसपैठिएः हरेंद्र प्रताप जब विधान परिषद के सदस्य थे, इस मामले को उन्होंने सदन में भी उठाया था।

सौतेली मां से झगड़ा करने पर पिता ने बेटे को धूप में खड़ा कर पीटा, हत्या कर शव को 7 किलोमीटर दूर दफनाया

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद जिले के उपहारा थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज घटना सामने आ रही है। यहां 13 वर्षीय एक किशोर की हत्या उसके पिता और सौतेली मां ने मिलकर कर दी। यही नहीं हत्या के बाद शव को अरवल जिले में ले जाकर दफन कर दिया जिससे की सुबूत मिटाया जा सके।

मृतक की पहचानः मृतक की पहचान राजेश चौधरी उर्फ मुंगड़ी चौधरी के पुत्र खेसरिया कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है और मामले में आरोपी पति पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद शव को गांव से 7 किलोमीटर दूर अरवल जिले के वंशी थाना क्षेत्र में पुनपुन नदी के कछार में जाकर दफना दिया गया।

वाहनों की तलाशः जानकारी के अनुसार पुलिस ने बुधवार को अरवल जिले के बंशी थाना क्षेत्र स्थित पुनपुन नदी के बालू घाट से किशोर का शव बरामद किया। ग्रामीणों की सूचना पर अरवल प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में दंडाधिकारी के सामने शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि शव को नदी तक पहुंचाने में बाइक और स्कॉर्पियो का इस्तेमाल की बात सामने आई है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजाःपुलिस फिलहाल घटना में इस्तेमाल बाइक और स्कॉर्पियो वाहन की तलाश कर रही है।वहीं शव की बरामदगी के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उपहारा थानाध्यक्ष आकाश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह घरेलू विवाद और सौतेली मां से झगड़ा सामने आया है।

पिता की बेरहमीः खेसरिया का अपनी सौतेली मां जो रिश्ते में उसकी मौसी भी लगती है, उससे किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस झगड़े की शिकायत महिला नेअपने पति मुंगड़ी चौधरी से की थी। इसके बाद पिता ने बेटे की बेरहमी से पिटाई कर दी।

बिहार के सरकारी स्कूल के शिक्षक ने दिखायी जांबाजी

अपराधियों ने सिर में सटाकर मारी गोली

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई में अपराधियों ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को अपना निशाना बनाया और गोली मार दी। शिक्षक की गाड़ी को ओवरटेक कर रुकवाकर अपराधियों ने सिर पर सटाकर गोली मारी, लेकिन हेलमेट के कारण उन्हें गोली नहीं लगी। इस दौरान उनका हेलमेट नीचे गिर गया। अपराधियों ने फिर गोली चलायी जो उनके दाहिने कंधे को जा लगा। इस बीच शिक्षक ने जांबाजी दिखाते हुए जमीन पर पड़े हेलमेट को उठाकर पहना और गांव की ओर जान बचाने के लिए दौड़े।

गाड़ी ओवरटेक करके शिक्षक को मारी गोलीः गंभीर रूप से जख्मी शिक्षक मुखिया के बेटे भी बताए जाते हैं। मामला जमुई जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मटिया गांव का है, जहां के निवासी गौतम कुमार दास को अपराधियों ने गोली मारी है।

जानकारी के अनुसार, शिक्षक बाइक से स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान तीन नकाबपोश अपराधियों ने उनको ओवरटेक किया और बाइक रोकवाया। बाइक के रुकते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना में गौतम कुमार दास गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

मां हैं कजरा पंचायत की मुखियाः जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मटिया गांव के गौतम कुमार दास जो लखीसराय जिले के कजरा पंचायत स्थित एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं, उनके पिता पूर्व मुखिया महेश रविदास और मां मोहनी वर्तमान मुखिया हैं।

मौके से सभी आरोपी फरारः मिली जानकारी के अनुसार गौतम कुमार दास शुक्रवार सुबह बाइक से मलयपुर रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहे थे। वहां से ट्रेन पकड़कर कजरा अपने स्कूल जाना था। इसी बीच विशनपुर के पास तीन नकाबपोश बाइक सवार अपराधियों ने पीछा करते हुए ओवरटेक कर शिक्षक को गोली मार दी। एक गोली शिक्षक के दाहिने कंधे के पास लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।

शिक्षक पटना रेफरः इस बीच गश्ती पर निकले वरहट थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसआई मनोज कुमार ने घायल शिक्षक को अस्पताल पहुंचाया। एक निजी क्लिनिक में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना रेफर कर दिया गया है।

मुखिया मां ने धमकी देने की कही बातः पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। अपराधियों की गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं घायल शिक्षक की मां के अनुसार कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने धमकी दी थी। राजनीतिक विरोध या अन्य मामला है, यह तो जांच पड़ताल के बाद ही साफ हो पाएगा।

पुलिस का बयानः मामले को लेकर जमुई एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई थी कि वरहट थाना अंतर्गत विशनपूर हाई स्कूल के पास एक शिक्षक को तीन बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार दी है। तत्काल घायल को जमुई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुबह-सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा समस्तीपुर

चचेरे भाई पर अंधाधुंध फायरिंग, मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। शुक्रवार की अहले सुबह समस्तीपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दादपुर में रिश्तों का खून बहाया गया, जहां चचेरे भाई की गोली मारकर हत्याः जानकारी के अनुसार, युवक ने घर में घुसकर अपने ही चचेरे भाई को तीन गोली दाग दी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दादपुर निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई है। सूरज कोलकाता में रहकर मजदूरी करता था।

बकरीद की छुट्टी पर कोलकाता से आया था घरः बताया जाता है कि सूरज बकरीद की छुट्टी पर गुरुवार शाम को घर आया था। घटना की सूचना पर समस्तीपुर सदर अस्पताल में पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं समस्तीपुर सदर अस्पताल में मृतक के परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

परिजनों ने किया जमकर हंगामाः आक्रशोति परिजन आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है, जिस युवक ने उसकी गोली मारकर हत्या की है, वह रिश्ते में चचेरा भाई लगता है। वह पूर्व में भी जेल में जा चुका है और शराब कारोबार से जुड़ा हुआ है। जब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं होगी, हमलोग पोस्टमार्टम करने नहीं देंगे।

दारू का कारोबार करने से मना करता था सूरजः वहीं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी करने में जुट गई है। मृतक की मां शांति देवी ने कहा, मेरा बेटा सूरज कुमार कोलकाता में रहकर मजदूरी करता था। परिवार एवं तीन बच्चे गांव में ही रहते हैं। वहीं चचेरा भाई गणेश कुमार जो दारू का कारोबार करता था, सूरज उसे अवैध दारू का कारोबार करने से मना करता रहता था।

'इसी को लेकर गणेश कुमार हमेशा रंजीश में रहता था और परिवार के लोगों से झंझट किया करता था।

बिहार में मूसलाधार बारिश का असर, कई एक्सप्रेस ट्रेनें रुकी

गया, एजेंसी। बिहार के गया में मूसलाधार बारिश के बीच ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। गया अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर कई एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ। इसमें दुरंतो एक्सप्रेस, अजमेर सियालदह एक्सप्रेस, जनशताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल है। हालांकि बाद में एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन सामान्य होने की सूचना है।

कई एक्सप्रेस ट्रेनें मूसलाधार बारिश के बीच फंसी : गया में कई एक्सप्रेस ट्रेनें मूसलाधार बारिश के कारण फंस गई। ट्रैक में फिसलन होने के कारण ट्रेन आगे नहीं बढी और रोक दी गई। बाद में मूसलाधार बारिश थमने के बाद एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन सामान्य हुआ।

बताया जाता है कि शुक्रवार को गया जिले में मूसलाधार बारिश हुई। जिसके कारण एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। ट्रैक में फिसलन होने के कारण ट्रेनें रोक दी गई। जानकारी के अनुसार गया- धनबाद रेलखंड के बसकटवा स्टेशन पर दुरंतो एक्सप्रेस रुकी। वहीं गुरपा में अजमेर सियालदह, पहाड़पुर में जनशताब्दी एक्सप्रेस, टनकुप्पा में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन रुकी।

ट्रैक में हुई थी फिसलन : जानकारी के अनुसार ट्रैक में फिसलन होने के कारण ट्रेनें आगे नहीं बढ़ सकी। बसकटवा स्टेशन पर दुरंतो एक्सप्रेस को रोका गया। दिल्ली से कोलकाता जा रही दुरंतो एक्सप्रेस को ट्रैक में फिसलन के कारण रोक दी गई। बाद में पीछे से बैंकर लगाकर आगे की ओर बढ़ाया गया और इसके बाद परिचालन सामान्य हुआ। अन्य एक्सप्रेस ट्रेनें भी इसी तरह से प्रभावित हुई।''ट्रैक में फिसलन होने के कारण दुरंतो एक्सप्रेस बसकटवा में रुकी। बाद में परिचालन को सामान्य कर लिया गया। दुरंतो एक्सप्रेस में पीछे से बैंकर लगाकर आगे की ओर बढ़ाया गया।

टेंडर घोटाले में बड़ा एक्शनः एसवीयू ने गिरफ्तार ठेकेदार को भेजा बेउर जेल

पटना, एजेंसी। सरकारी ठेकों में हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में चर्चित ठेकेदार को विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के बाद गुरुवार को उन्हें 11 जून तक न्यायिक हिरासत में बेउर जेल भेज दिया गया।

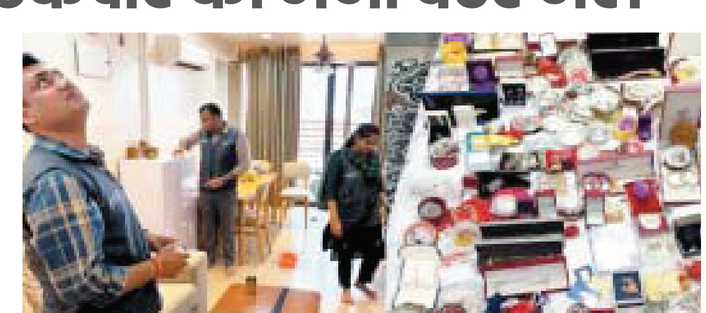

क्या है पूरा मामलाः विशेष निगरानी इकाई के एडीजी पंकज कुमार दाराद ने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ एसवीयू थाना कांड संख्या-05/2025 दिनांक 30 अप्रैल 2025 दर्ज किया गया था। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988, शासकीय गुप्तता अधिनियम 1923 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत है।

कौन है चर्चित ठेकेदारः ठेकेदार एक कंपनी का मालिक है और पटना के मीठापुर स्थित अपार्टमेंट में रहता है। जांच एजेंसी का आरोप है कि उन्होंने जल संसाधन विभाग में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अहमदाबाद की कंपनी को कमीशन देकर टेंडर दिलवाया और बाद में काम अपने करीबी के जरिए दूसरी कंपनी को सौंप दिया। विदेश भागने की कर रहा था तैयारीः एसवीयू अधिकारियों के अनुसार, अनुसंधान में पता चला कि ठेकेदार महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर विदेश भागने की तैयारी में थे। आरोपी काफी प्रभावशाली व्यक्ति है और साक्ष्य छेड़छाड़ तथा गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकता था, जिसके चलते कार्रवाई तेज की गई।

विभिन्न विभागों में रिश्वतखोरीः जांच में खुलासा हुआ कि ठेकेदार जल संसाधन विभाग के अलावा भवन निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा बीएमएसआईसीएल में भी प्रभाव का इस्तेमाल कर टेंडर हासिल करने और अधिकारियों को रिश्वत देने का काम करता था। छापेमारी में बरामदगीः एडीजी ने बताया कि 27 मई 2026 को न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर एसवीयू टीम ने आरोपी के पटना फ्लैट पर छापेमारी की। इस दौरान दो लाख पचास हजार रुपये नकद, सोने-चांदी-हीरे के करोड़ों रुपये के आभूषण, बैंक दस्तावेज और 47 जमीनों के मूल दस्तावेज बरामद व जब्त किए गए।

बिहार की जेल से रची थी तेलंगाना में ज्वेलरी लूटकांड की साजिश

पूछताछ के लिए साथ ले गई हैदराबाद पुलिस

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार की पूर्णिया सेंट्रल जेल में बंद सोना लूटकांड का मुख्य आरोपी सुबोध सिंह ने ही तेलंगाना के करीम नगर में हुए 82।02 लाख रुपये की ज्वेलरी लूट की घटना की साजिश रची। अब उससे उस मामले में पुलिस पूछताछ करेगी। प्रोडक्शन वारंट पर हैदराबाद पुलिस अपने साथ ले गई है।

सुबोध सिंह को हैदराबाद ले गई पुलिसः लूटकांड में हैदराबाद पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों से पूछताछ के बाद यह बात सामने आई की जेल में रहते हुए यह घटना को अंजाम देने की साजिश रची थी। सुबोध सिंह पूर्णिया के तनिष्क ज्वैलरी लूटकांड में आरोपी है और पूर्णिया सेंट्रल जेल में बंद था।

जेल से ही अपने गैंग को करता है ऑपरेटः 82 लाख से ज्यादा के ज्वेलरी लूटकांड में गिरफ्तार 3 आरोपियों ने पुलिस से पूछताछ में बताया था कि सुबोध सिंह ने 15 मिनट में 15 किलोग्राम सोना लूटकर भागने का टारगेट दिया था। इसके बाद हम लोगों ने करीमनगर स्थित ज्वेलरी शॉप पर धावा बोला था।

हर साथी को 5 लाख देने का वादाः हैदराबाद के सीनियर अफसरों ने तब एक मीडिया हाउस को बताया था कि सुबोध सिंह ने साथियों के जरिए लूटकांड में शामिल अपराधियों तक ये टारगेट पहुंचाया था। सुबोध ने चोरी को अंजाम देने वाले पांचों अपराधियों को इनाम के रूप में 5 लाख रुपये देने का वादा किया था। हालांकि लूट के दौरान विरोध के बाद अपराधी सिर्फ 1।61 किलोग्राम सोना और हीरा ही लेकर भाग सके। 'लूट के सोना को पिघला देते थे' : एक पुलिस अधिकारी ने बताया था कि हमें संदेह है कि सुबोध की टीम, जो चोरी का सोना लेने तेलंगाना आई थी। वे चोरी के सोने को पश्चिम बंगाल या बिहार में जल्दी से पिघला देते हैं और फिर उसे नेपाल में अपने साथियों को भेज देते हैं।

लूटकांड की जांच में शामिल पुलिसकर्मियों के मुताबिक, 'गिरोह के सभी सदस्यों का सुबोध सिंह के गिरोह में शामिल होने से पहले आपराधिक इतिहास था, जिसने कथित तौर पर बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र में आभूषण की दुकानों और बैंकों को निशाना बनाया था।'पुलिस कमिश्नर ने बताया था कि गिरोह के सदस्यों ने डकैती को अंजाम देने से पहले लगभग दो महीने तकखम्मम, सिद्दीपेट, पेद्दापल्ली और करीमनगर जिलों में रेकी की थी। पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने फर्जी आधार कार्ड, गाड़ियों की नकली रजिस्ट्रेशन वाली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया।3 मई 2026 को करीमनगर स्थित पीएमजे ज्वेलरी शॉप में हथियारबंद अपराधियों ने लूटकांड को अंजाम दिया था। 1।6 किलोग्राम सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए थे। रघुनाथ कर्मकार उर्फ जगीरा सिंह, रवीश कुमार और उसके सहायक महताब खान को गिरफ्तार किया था। रघुनाथ और महताब बंगाल के आसनसोल के रहने वाले हैं, जबकि रवीश बिहार के नालंदा का रहने वाला है। उनसे पास से 51 हजार रुपये, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए हैं। लूटकांड में 13 अपराधी शामिल थे।

बक्सर में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, मतदान से दो और निर्विरोध तीन सदस्यों का चयन

बक्सर, एजेंसी। नगर परिषद बक्सर की सशक्त स्थायी समिति का चुनाव शुक्रवार को नगर परिषद सभागार में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीएम अविनाश कुमार की देखरेख में सुबह करीब 11 बजे शुरू की गई। मतदान के दौरान कुल 13 पार्षद उपस्थित रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, समिति के लिए कुल सात प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। इनमें राजू कुमार राय उर्फ झब्बू राय, दिलीप कुमार और अंजू सिंह निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं दो सीटों के लिए मतदान कराया गया, जिसमें प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दो सीटों के लिए बबन सिंह के खिलाफ चक्रवर्ती चौधरी और मनोज कुमार गुप्ता के खिलाफ जगदीश कुमार मैदान में थे। मतदान परिणाम में बबन सिंह को 10 मत, जबकि चक्रवर्ती चौधरी को 2 मत मिले। वहीं मनोज कुमार गुप्ता को 10 मत और जगदीश प्रसाद को 3 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार पूर्व के पांच सशक्त स्थायी समिति सदस्यों ने एक बार फिर अपनी जगह बनाए रखी।चुनाव प्रक्रिया 29 मई को सरकार के निर्देशानुसार निर्धारित समय पर पूरी की गई। चुनाव के दौरान जिला उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ऑब्जर्वर के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु शरण पांडेय सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाची पदाधिकारी अविनाश कुमार ने सभी निर्वाचित सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया।

विचार-मंथन

संपादकीय

अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

समान हित के सिद्धांतों पर आधारित हो अमेरिका संग समझौता

तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर जिस तरह की शर्तें थोपीं, रूस से तेल खरीदने पर शुल्क में बढ़ोतरी की जिद ठानी, उससे साफ था कि वह इस मसले पर अपनी मनमानी थोपना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए वार्ता पिछले कई महीने से टुकड़ों में चलती रही है, लेकिन अब तक यह अंतिम स्वरूप में नहीं पहुंच सकी है। इसी क्रम में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने ताजा भारत दौरे में एक बार फिर कुछ नए संकेत दिए, जिसमें इस मसले पर कदम आगे बढ़ाए जाने की रूपरेखा बनती दिख रही है।हालांकि व्यापार वार्ता में अपने-अपने हित के मद्देनजर दोनों पक्षों की ओर से दबाव बनाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका ने एकतरफा तौर पर जिस तरह की कसौटियां तय करने की कोशिश की है, वह कई मायनों में भारत के लिए सहज स्वीकार्य नहीं रही हैं। यही वजह है कि अब तक इस समझौते का अंतिम स्वरूप सामने नहीं आ सका है।अब अमेरिका की ओर से रूबियो ने जिस तरह परस्पर हित सुनिश्चित किए जाने की बात की है, उससे इसमें सकारात्मक प्रगति की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि भारत के विदेश मंत्री के साथ व्यापक वार्ता के बाद रूबियो ने कहा कि यह व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए 'लाभकारी' और 'टिकाऊ' होगा। साथ ही यह अमेरिका और भारत के पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाएगा।निश्चित तौर पर अमेरिका की ओर से दिए गए ये संकेत बीते कुछ समय से आर्थिक मसले पर जारी तनाव के माहौल में नरमी लाने का जरिया हो सकते हैं, लेकिन यह देखने की बात होगी कि व्यापार समझौता अपने अंतिम रूप में 'परस्पर और समान हित' के सिद्धांत पर आधारित होता है या नहीं।यह छिपा नहीं है कि अमेरिका ने कुछ महीने पहले दूसरे देशों से आयात पर पच्चीस से लेकर पचास फीसद तक शुल्क लगा कर किस तरह के हालात पैदा करने की कोशिश की थी। उसके इस रुख की वजह से दुनिया भर में प्रकारांतर से व्यापार युद्ध जैसी स्थितियां पैदा हो गई थीं।खासतौर पर तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर जिस तरह की शर्तें थोपीं, रूस से तेल खरीदने पर शुल्क में बढ़ोतरी की जिद ठानी, उससे साफ था कि वह इस मसले पर अपनी मनमानी थोपना चाहता है। उसका यह रुख किसी भी तरह से 'परस्पर और समान हित' को सुनिश्चित किए जाने की मंशा के अनुकूल नहीं लगता।अभी भी अमेरिका यही संदेश दे रहा है कि भारत उससे जितना तेल खरीदना चाहता है, उतना देने के लिए वह तैयार है। सवाल है कि तेल के लिए अगर भारत की निर्भरता केवल अमेरिका पर बनती है, तो इसके नतीजे क्या होंगे? अमेरिका एक विकल्प जरूर हो सकता है, लेकिन अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जरूरी है कि भारत अपने लिए अन्य देशों के वैसे व्यापक और विश्वसनीय स्रोतों का रास्ता भी खुला रखे, जो ज्यादा बेहतर और सस्ते हों।पश्चिम एशिया में जारी तनाव की स्थिति और होर्मुज जलमार्ग से आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से गहराते संकट से सभी वाकिफ हैं। इसी को आधार बना कर आज सरकार तेल और गैस की कीमतों में लगातार इजाफा कर रही है और आम लोगों पर बोझ बढ़ता जा रहा है।अब नई परिस्थितियों में अगर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ती है, तो यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि वह दोनों देशों के समान हित के सिद्धांतों पर आधारित हो। विदेश नीति के मामले में अमेरिका अगर खुद को प्राथमिकता देता है, तो यह उचित है, लेकिन इसके समांतर भारत के लिए भी अपने हित को सबसे महत्त्वपूर्ण मानना स्वाभाविक है।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

(ललित गर्ग)

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है। दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है। यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में वृद्ध सम्मान को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे। आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

(तरुण विजय)

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ। इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से। ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का ह्दय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है। जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए। प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6107

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6106

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 6107

1	2	3	4		5	■	6
7				■	8		
9		■	10			■	
	■	11		■	12	13	■
■	14			■	■	15	16
17			■	18	■	19	
■	20		21		■		■
22		■	23		■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1914 को इस विश्व प्रसिद्ध गजल और ठुमरी, दादरा आदि की गायिका ने जन्म लिया था, इनका मूल नाम अख्तरी बाई फैजाबादी था, इन्हें मल्लिका-ए-गजल के खिताब से नवाजा गया था (निधन 30 अक्टूबर 1974) (6)
7. अज्ञात, अप्रसिद्ध, किसे कोई न जानता हो (4)
8. जाकिर हुसैन का नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)
9. शरीर का एक संवेदी अंग, नासिका, घ्राणेन्द्रिय (2)
10. याद करने के लिए बारंबार पढ़ना (3)
11. कंधा, स्कंध, जुलाहों की कूंची (2)
12. हाथी को यह भी कहते है (2)
14. हलफ, कसम, सौगंध (3)
15. रिश्ता, संबंध (2)
17. पदवी, दर्जा, पोस्ट, पद (3)
19. लब्ध करना, प्राप्त करना (2)
20. शक्तिहीनता, अशक्तता, क्षीणता (4)
22. बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
23. दस्ता, ब्रिगेड, उर्दू का एक अक्षर (2)
24. वह जो किया जाए (2)

ऊपर से नीचे

1. निर्दोष, बेकसूर, निष्पापा (4)
2. सुगंध, खुशबू, महक (3)
3. वर्जित किया हुआ, निषिद्ध (2)
4. हिंदूओं का प्रसिद्ध तीर्थस्थल जहां बर्फ के शिवलिंग का दार्शन होता है (5)
5. कुल लाल सुखी लिए हुए (4)
6. किसी वी.वी.आई.पी. के आने पर तोपों का फेर (3)
11. स्याह जुबान, बदजबान, शाप देने वाला (4)
13. अभिनेता नसीरूद्दीन शाह की दिवंगत अभिनेत्री सास (5)
14. नफीरी, एक मंगल वाद्य (4)
16. कोई चुटीली बात, कटाक्ष, कटुवचन (2)
18. वह बाल जिसका पिता मर गया हो, अनाथ (3)
21. फन, सोम (चंद्र) का सोलहवां अंश, आर्ट, सूर्य का बारहवां हिस्सा, हुनर (2)

वर्ग पहेली 6106 का हल

फि	जी	■	ग	या	ना	■	■
रा	त	■	ल	र	ज	ना	■
क	ना	ग	त	■	■	ना	ता
गो	■	म	फ	ल	र	■	न
र	क्षा	■	ह	स्त	■	पा	ना
ख	■	र	मी	■	हॉ	की	■
पु	ष्प	क	■	आ	■	जा	वा
री	■	मी	जा	न	■	■	दी

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन वित्तीय योजना और व्यावहारिक निर्णय लेने के लिए बहुत अच्छा है। आपका ध्यान मुख्य रूप से निवेश, बचत या पुराने रुके हुए पैसों से जुड़े मामलों को सुलझाने पर रहेगा। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश और भावुकता में आकर किए जाने वाले खर्चों से बचें। सावधानीपूर्वक की गई प्लानिंग ही आपकी वित्तीय स्थिरता बनाए रखेगी।

वृष
आज वित्तीय योजना और व्यावहारिक निर्णय लेने में आपकी मदद करेगी। इस समय आपका पूरा ध्यान बचत और पारिवारिक खर्चों पर रहेगा। ग्यारहवें भाव में राहु बैठे हैं, जो आपको पेशेवर संपर्कों या सामाजिक दायरे के माध्यम से अच्छा लाभ करा सकते हैं। भावुकता में आकर खर्च करने या जोखिम भरे निवेश से पूरी तरह दूर रहें।

मिथुन
आपके आर्थिक विकास का समर्थन कर रहे हैं। आज पैसों के मामले में जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने या अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। व्यावहारिक रूप से बनाई गई योजना और अनुशासित तरीके से किया गया खर्च ही आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखेगा।

तुला
आज पेशेवर संपर्कों के माध्यम से धन लाभ के अच्छे संकेत दे रही है। आपकी अपनी राशि में बृहस्पतिदेव बैठे हैं, जो आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे और आर्थिक योजनाओं में तरक्की के अवसर देंगे। हालांकि, वृषभ राशि और बारहवें भाव में सूर्यदेव और बुधदेव की युति आपको फालतू के खर्चों पर नियंत्रण रखने की सलाह देती है।

वृश्चिक
आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपको पैसों से जुड़ा कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से बचना चाहिए। सुख-सुविधाओं या पारिवारिक मामलों पर आपका खर्च बढ़ सकती है। सीनियर्स और सहकर्मियों के साथ आपकी बातचीत को बहुत आसान और प्रभावी बनाएगी। टीम के साथ मिलकर काम करने से आज आपको कुछ बेहद उपयोगी अवसर मिल सकते हैं।

धनु
आज आपकी आर्थिक स्थिरता और स्मार्ट प्लानिंग को मजबूत सहारा देंगे। दसवें भाव में राहु की स्थिति करियर में उन्नति या नए पेशेवर अवसरों के माध्यम से अच्छा लाभ दिला सकती है। आपके अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। आज जल्दबाजी में आकर कहीं भी पैसा खर्च करने से बचें। सोच-समझकर लिए गए।

कर्क
आज आपको संयुक्त धन, निवेश या पुराने अटके हुए वित्तीय मामलों को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। आपकी सुख-सुविधाओं और भावनात्मक जरूरतों पर खर्चों को बढ़ा सकता है। आपको कार्यस्थल पर आने वाले दबाव और चुनौतियों को पूरी दृढ़ता के साथ संभालने की शक्ति देगी। आपका मानसिक तनाव बढ़ता है।

सिंह
आज टीम वर्क के माध्यम से आपको अच्छा धन लाभ और नए अवसर दिला सकता है। छठे भाव में सूर्यदेव और बुधदेव की उपस्थिति पैसों से जुड़े व्यावहारिक निर्णय लेने और काम के सिलसिले में स्थिरता लाने में मददगार होगी। आज आपको भावुकता में आकर पैसे खर्च करने या किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से बचना चाहिए।

कन्या
आज आपको पैसों के मामलों में अनुशासन और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की प्रेरणा देंगे। वित्तीय योजनाएं बनाने और समझदारी भरे निर्णय लेने में आपका पूरा सहयोग करेगा। आज जल्दबाजी में आकर कहीं भी पैसा खर्च न करें और न ही कोई जोखिम भरा निवेश करें।

मकर
आज पारिवारिक माध्यम से अच्छे धन लाभ का संकेत दे रही है। करियर में तरक्की से जुड़े नए और बेहतरीन अवसर ला सकती है। आठवें भाव में शनिदेव बैठे हैं, इसलिए आज के दिन किसी भी प्रकार के जोखिम भरे निवेश से पूरी तरह दूर रहें। व्यावहारिक योजना बनाकर चलने से आपका वित्तीय संतुलन ठीक रहेगा। आपका आत्मविश्वास बहुत बढ़ा हुआ रहेगा।

कुंभ
आज आपका पूरा ध्यान वित्तीय सुरक्षा, बचत और संयुक्त संसाधनों के सही मैनेजमेंट पर रहने वाला है। दूसरे भाव में मंगलदेव बैठे हैं, जो यह संकेत देते हैं कि आपको जल्दबाजी या गुस्से में आकर कहीं भी पैसा खर्च करने से बचना चाहिए। इस दौरान पैसों को लेकर किसी के साथ आपकी बहस भी हो सकती है, इसलिए संयम रखें। सोच-समझकर लिए गए निर्णय आज आपकी आर्थिक स्थिति को स्थिर बनाएंगे।

मीन
आज आपका पूरा ध्यान बचत बढ़ाने और आर्थिक स्थिरता हासिल करने पर रहेगा। पेशेवर प्रयासों और करियर के माध्यम से अच्छे लाभ के संकेत दे रही है। छठे भाव में राहु की उपस्थिति आपको वित्तीय कंपटीशन या पुराने रुके हुए मामलों से बाहर निकालने में मदद करेगी। आज आपको जोखिम भरे निवेश या जल्दबाजी में खर्च करने से बचना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल लीड के अपोजिट नजर आएंगी सपना पब्बी

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, वहीं सपना पब्बी उनके अपोजिट नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। सपना पब्बी एक ब्रिटिश अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो भारतीय टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर लॉन्च के बाद फिर से चर्चा में हैं। 5 जून को रिलीज होने जा रही 'बंदर' एक साइकोलॉजिकल ड्रामा और मिस्ट्री फिल्म है, जो आम कमर्शियल फिल्मों से काफी अलग नजर आ रही है। ट्रेलर में बॉबी देओल एक बिल्कुल नए और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वह ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर कई युवतियों के साथ यौन शोषण और हमला करने के आरोप लगे हैं। ट्रेलर आगे बढ़ने के साथ कहानी में सपना पब्बी का किरदार बेहद अहम हो जाता है। पहले वह बॉबी देओल के करीब नजर आती हैं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ खड़ी दिखाई देती हैं। इसी ट्विस्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सपना पब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2013 में टीवी शो 24 से की थी, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया था। इसके बाद वह 'खामोशियां', अरदास करण, 'मर गए ओए लोको' और 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा सपना पब्बी का नाम कुछ साल पहले सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़ी जांच के दौरान भी चर्चा में आया था। उन्होंने सुशांत के साथ 'ड्राइव' फिल्म में काम किया था। बाद में ड्रग्स जांच से जुड़े कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम सामने आया।

उस समय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से पहले सपना पब्बी लंदन चली गई थीं। हालांकि अभिनेत्री ने इन खबरों को गलत बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि वह सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए लंदन गई थीं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के एक्टिंग करने पर बोलीं कुशा कपिला

पिछले कुछ साल में कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉलीवुड में एंट्री की और एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाई है। इसको लेकर इंडस्ट्री में एक बहस भी छिड़ी है, जहां कई एक्टर्स ने भी इंडस्ट्री की बदलती परिस्थितियों पर खुलकर निराशा व्यक्त की है। वहीं कुछ का कहना है कि सिर्फ फॉलोअर्स देखकर इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में लेना उचित नहीं हैं। कुशा कपिला भी इसी लिस्ट में शामिल हैं, जिन्होंने कंटेंट क्रिएटर के रूप में लोकप्रियता हासिल करने के बाद बॉलीवुड में एंट्री मारी है। अब कुशा ने भी इस बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि एक्टर्स को इसको लेकर चिंताएं जाहिर करना बनता है। बातचीत में कुशा कपिला ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर चल रही बहस पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अभिनेताओं का यह सोचना बिल्कुल सही है कि अगर उन्हें सिर्फ फॉलोअर्स की वजह से काम मिल रहा है, तो उन्हें प्रोजेक्ट्स में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि उन्होंने इसके लिए पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें ही प्रोजेक्ट्स में लीड रोल निभाना चाहिए। हालांकि, उनका मानना है कि अगर कोई कंटेंट क्रिएटर एक्टिंग के लिए समय निकालता है, मेहनत करता है, दोबारा पढ़ाई करता है, सीखता है, वर्कशॉप में हिस्सा लेता है, तो चीजें बदल जाती हैं। वहां ये तर्क काम नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए भुवन बाम जैसे किसी को ही देख लीजिए, वे अपना कंटेंट खुद प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनके कॉन्सेप्ट का सबूत भी मौजूद है। ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ पांच साल में खुद को साबित करना है। एक एक्टर कहीं से भी आ सकता है।

मैं खुद को हर मौके के लिए तैयार रखना चाहती हूं

कंटेंट क्रिएशन के बाद एक्टिंग में आने के बाद कुशा कपिला अब कई फिल्मों व सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब उन्हें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से ज्यादा एक अभिनेत्री के रूप में पहचाना जा रहा है? इस पर कुशा ने जवाब दिया, हां बहुत से लोग मुझे मेरे प्रोजेक्ट्स के जरिए ही पहचानते हैं।' अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने अपने करियर की शुरुआत नेटफ्लिक्स के साथ 'घोस्ट स्टोरीज' से की थी। मैं एक बहुत ही साधारण गति से आगे बढ़ रही हूं। मुझे लगता है कि जब भी कोई बड़ा मौका सामने आता है, मैं उसके लिए तैयार रहना चाहती हूं। मैं खुद को कमतर नहीं दिखाना चाहती। मुझे लगता है कि 'मामला लीगल है' सीजन 2 के बाद मैं अब हूं। किसी बड़े अवसर के लिए समय निकालना जरूरी है, बजाय इसके कि वह ऐसे समय मिले जब आप उसके साथ न्याय न कर सकें। मुझे अपने करियर में बहुत मजा आ रहा है।

रवि किशन के शो में नजर आई हैं कुशा

'घोस्ट स्टोरीज' से एक्टिंग में अपनी शुरुआत करने वाली कुशा कपिला 'प्लान ए प्लान बी', 'सेल्फी', 'सुखी', 'थैंक यू फॉर कमिंग', 'मसाबा मसाबा' और 'केस तो बनता है' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वो रवि किशन के पॉपुलर शो 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन में एक वकील के किरदार में नजर आई हैं।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आईं थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं। वेब सीरीज 'ब्रउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

मां ने दी थी करण के साथ लिव-इन में रहने की सलाह

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। करण कुंद्रा ने बताया कि तेजस्वी की मां शुरुआत में अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थीं। उन्होंने कहा, 'उनकी मां ने मुझसे कहा था कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहिए, क्योंकि वो थोड़ी अलग है। हालांकि, उनके पिता हमारे रिश्ते को लेकर ठीक थे।'

वहीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि शादी से पहले दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा, 'मेरी मां चाहती थीं कि करण पूरी तरह कम्फर्टेबल हों। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने ही हमें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।

ज्योतिका ने निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की

अभिनेत्री ज्योतिका इन दिनों अपनी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मुंबई में हुए प्रमोशनल इवेंट के दौरान ज्योतिका ने आईएएनएस से फिल्म, अपने किरदार और निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की। इस दौरान उनके साथ अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान ज्योतिका ने फिल्म की निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की और बताया कि महिला निर्देशक के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और बेहद आरामदायक रहा।

ज्योतिका ने कहा, ''सेट पर मुझे एक अलग तरह की सहजता महसूस हुई। मैं यह बात बहुत गर्व के साथ कह सकती हूं कि महिला निर्देशक के साथ काम करना ज्यादा कंफर्टेबल लगा। कई बार कलाकारों के मन में कुछ विचार होते हैं, जिन्हें वे चाहते हैं कि स्क्रीन पर सही तरीके से दिखाया जाए। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हमें उसी नजरिए से समझा और स्क्रीन पर पेश किया।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स भी थे, जिन्हें चाहें तो ज्यादा ग्लैमरस बनाया जा सकता था ताकि दर्शकों का ध्यान जल्दी खींचा जा सके। लेकिन, निर्देशक ने ऐसा करने के बजाय किरदारों की गरिमा को प्राथमिकता दी। मुझे सबसे ज्यादा यही बात पसंद आई कि फिल्म में मुझे और सोनाक्षी सिन्हा को बहुत सम्मानजनक तरीके से दिखाया गया।''

ज्योतिका ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्म में एक स्टेनोग्राफर की भूमिका निभा रही हूं। इस किरदार के लिए मुझे टाइपिंग और स्क्रीन के सामने लगातार काम करते हुए दिखना था। कई बार कैमरे में लैपटॉप का कीबोर्ड ही नजर नहीं आता था, इसलिए मेरा पूरा ध्यान टाइपिंग से ज्यादा अभिनय और भावनाओं को सही तरीके से दिखाने पर होता था।''

उन्होंने कहा, ''आज के समय में लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स का इस्तेमाल करता है, इसलिए कंप्यूटर पर काम करना मेरे लिए नया अनुभव नहीं था। किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए मुझे टाइपिंग स्पीड पर थोड़ा ध्यान देना पड़ा और उसी दौरान चेहरे के एक्सप्रेशन भी बनाए रखने होते थे।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इस रोल के लिए मुझे ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करनी पड़ी। इस किरदार में सबसे अहम चीज भावनाओं को सही तरीके से दिखाना था।''

बेटे, पति और पिता की जिम्मेदारियों पर बोले सैफ अली खान

सैफ अली खान से पूछा गया कि क्या एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाए? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है।

'हम तुम' और 'दिल चाहता है' के शहरी और दिलफेक आशिक से लेकर 'ओंकारा' के कुटिल लंगड़ा त्यागी और 'ताना जी' के क्रूर विलन तक। 'कल हो न हो' के चार्मिंग रोहित से लेकर 'सेक्रेड गेम्स' के गंभीर सरताज सिंह तक, सैफ अली खान ने अपने 33 साल लंबे करियर में खुद को वर्सेटाइल ऐक्टर साबित किया है। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर आई अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' में एक समर्पित ठेठ हरियाणवी पुलिसवाले के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि एक समय था जब एक डायरेक्टर ने सैफ को पुलिसवाले का गंभीर किरदार कभी न करने की हिदायत दी थी। यह खुलासा खुद सैफ ने हमसे खास बातचीत के दौरान किया।

गलती से भी कॉप जैसा रोल ना करना

वाकया सैफ की शुरुआती दौर की हिट फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' (1994) का है, जिसमें वह अक्षय के किरदार से पुलिसवाले के रोल के लिए ट्रेनिंग लेते हैं। बकौल सैफ, 'जब मैंने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की थी तो मेरे डायरेक्टर, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने कहा था कि गलती से भी कभी एक कॉप का रोल न करना। यह कॉमिडी फिल्म है तो निकल जाएगी लेकिन एक सीरियस कॉप का रोल अभी तुम नहीं कर पाओगे तो ये बड़ी अच्छी बात है और मुझे खुद पर गर्व है कि 20 या 25 साल के बाद मैं एक पुलिसवाले का रोल कर पाया (हंसते हैं)। इस फिल्म में पवन जिस तरह के दबाव में अपनी ड्यूटी निभाता है, जैसे अपनी दिक्कतों का समाधान ढूंढता है, वो आसान नहीं है। उसकी फिलॉसफी भी रोचक है। असल में वह हीरो है।'

ओंकारा बहुत स्पेशल फिल्म थी

'कर्तव्य' का ठेठ हरियाणवी कॉप हो या 'ओंकारा' का देसी लंगड़ा त्यागी, सैफ की अदाकारी ऐसे किरदारों में ज्यादा निखरकर सामने आती है, जबकि निजी तौर पर इस दुनिया से उनका बिल्कुल राब्ता नहीं रहा। ऐसे किरदारों के प्रति अपने अप्रोच के बारे में वह बताते हैं, 'यह थोड़ा मुश्किल होता है मेरे लिए। खासकर सोशल और कल्चरल बैकग्राउंड को लेकर जो छोटी-छोटी बारीकियां होती हैं। जैसे लंगड़ा त्यागी का जो भी बॉडी लैंग्वेज है, जैसे वो जोर-जोर से अपना सिर खुजाता है, वह मेरी अपनी बॉडी लैंग्वेज से बिल्कुल अलग है। मैं वैसे कभी सिर नहीं खुजाऊंगा। उसका अंदाज काफी वाइल्ड है, मगर उसी में मजा है कि ऐसा इंसान भी हो सकता है। बतौर ऐक्टर ये चीजें इंट्रेस्टिंग होती है।' वहीं, 'ओंकारा' के अनुभव को याद करते हुए वह कहते हैं, 'ओंकारा बहुत ही स्पेशल फिल्म थी। उसमें सबका उत्साह अलग था। विशाल भारद्वाज (डायरेक्टर) ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और मेनस्ट्रीम कमर्शल फिल्म ऐक्टर्स को एक छत के नीचे लाकर साथ में काम करवाया जो बहुत ही कमाल का अनुभव था। हम सबने एक दूसरे से काफी कुछ सीखा। एक तरह से वो बहुत ही बढ़िया वर्कशॉप था।

बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए बढ़ावा देता हूं

सैफ के बच्चे सारा और इब्राहिम अली खान भी अब ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस भावी पीढ़ी को ऐक्टिंग की उनकी विरासत को आगे बढ़ाते देखने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'एक पिता के रूप में मैं बहुत खुश हूं कि वे काम करना चाहते हैं। मैं उन्हें पूरी तरह सपोर्ट करता हूं। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए बढ़ावा देता। खुद पर काम करने की सीख देता हूं क्योंकि सबसे जरूरी चीज है लगातार आगे बढ़ते रहना, कोशिश करते रहना और खुद को बेहतर बनाते रहना, जैसा कि हम सभी करते हैं। क्या उनके भविष्य को लेकर वह फिक्रमंद भी होते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'बिल्कुल। हर माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य और उनकी खुशियों की फिक्र रहती है।' वहीं, एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाएं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है कि काश यहां ये कर लेता तो मैं बेहतर हो सकता था। उसके लिए वो कर देता तो बेहतर हो सकता था। एक कोशिश हमेशा होती है कि अच्छी तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाऊं।

आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

छत्तीसगढ़ में रेत खनन के दौरान मिले 10 से अधिक नरकंकाल

धमतरी, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में गुरुवार को रेत खनन के दौरान 10 से अधिक नरकंकाल मिले हैं। आक्रोशित ग्रामीणों का आरोप है कि खनन में लगे लोग ऐसे स्थानों पर खोदाई कर रहे हैं, जो शव दफनाने के लिए आरक्षित हैं। ग्रामीणों ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कंकाल निकलने की घटना के बाद ग्रामीण अवैध खनन बंद कराने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि महानदी और सीतानदी तट पर बिना रायल्टी पर्ची के अवैध रेत उत्खनन हो रहा है। राजस्व और खनिज विभाग की टीम समय-समय पर दबिश देकर ट्रैक्टर और हाइवा जब्त करती रही है, लेकिन अवैध खनन पर रोक नहीं लग पा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध खनन पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के बाद आसाराम ने किया सरेंडर, एयरपोर्ट पर समर्थकों की लगी भीड़

जोधपुर, एजेंसी। आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। राजस्थान हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद वह गुरुवार को

जोधपुर पहुंचा। आसाराम के आने की सूचना पर एयरपोर्ट पर उसके समर्थकों की भीड़ लग गई। इस दौरान उसने गाड़ी से समर्थकों को आशीर्वाद भी दिया। वह एयरपोर्ट से सीधे पाल गांव स्थित अपने आश्रम पहुंचा। वहां से एम्स गया, जांच करवाने के बाद शाम करीब 5 बजे सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। दरअसल, बुधवार को हाई कोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए अंतरिम जमानत रद कर दी थी। कोर्ट का फैसला आने और तत्काल गिरफ्तारी वारंट जारी होने की जानकारी मिलने के बाद आसाराम सड़क मार्ग से हरिद्वार से दिल्ली के लिए रवाना हो गया था। आसाराम के समर्थकों का दावा है कि सड़क मार्ग से सफर करने से उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसी वजह से दिल्ली एम्स में भर्ती हो गया।

सिद्दरमैया के बेटे को मिल सकती है कैबिनेट में जगह

कर्नाटक में कांग्रेस का चार डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर मंथन

बैंग्लूरू, एजेंसी। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के इस्तीफे के बाद से कर्नाटक की राजनीति में बड़ा उलफेर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में डीके शिवकुमार के नेतृत्व में बनने जा रही नई सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आज दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे। जिसमें चार डिप्टी सीएम को लेकर भी मंथन होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्दरमैया, डीके शिवकुमार और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक के दौरान राज्यसभा उम्मीदवारों, एमएलसी उम्मीदवारों और मंत्रिमंडल में

फेरबदल पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा। सूत्रों ने आगे बताया कि सिद्दरमैया के मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना कम है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चार उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, सिद्दरमैया के बेटे और विधान परिषद के सदस्य यतींद्र को डीके शिवकुमार की कैबिनेट में शामिल किए जाने की पूरी उम्मीद है। उन्हें कोई अहम मंत्रालय मिलने की संभावना है, ताकि सिद्दरमैया की विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जा सके। कांग्रेस विधायक दल की बैठक की तारीख आज तय की जाएगी जो कि अब महज एक औपचारिकता ही लगती है। इसके बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय की जाएगी।

कर्नाटक में राज्यसभा की जिन चार सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से कांग्रेस दो सीटें आसानी से जीतती दिख रही है। तीसरी सीट पर भी उसे बढ़त हासिल है, जिसके लिए उसे बस कुछ और वोटों की जरूरत है। सूत्रों ने बताया कि प्रभारी रणदीप सुरजेवाला तीन में से दो राज्यसभा सीटों के लिए नामों का पैनल पेश करेंगे, और खड़गे को राज्यसभा में दोबारा मौका दिया जाएगा। राज्य में विधान परिषद की सात सीटों पर होने वाले चुनावों के लिए भी संभावित नामों का एक पैनल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सौंपा जाएगा।

फरीदाबाद में मरीजों को मिलेगी फ्री डायलिसिस, अब दिल्ली भागने की जरूरत नहीं

फरीदाबाद, एजेंसी। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। साथ ही जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में मरीजों के स्वजन के ठहरने के लिए विश्राम गृह बनाने के कार्य का शिलान्यास किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। जबकि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल सहित अन्य अधिकारी जिले में पहुंचेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में शुक्रवार का दिन बेहद अहम है। जिले के किडनी मरीजों के लिए सिर्फ जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल और एनआइटी तीन स्थित इएसआइसी अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा है। कई बार अव्यवस्था और बेड नहीं होने के कारण मरीजों को निजी अस्पताल व दिल्ली की ओर रूख करना पड़ता है। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना तो करना ही पड़ता है। इससे उनकी जेब पर भी असर होता है। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में मरीजों को डायलिसिस की सुविधा होने से मरीजों को निजी और दिल्ली के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर इलाज मिल सकेगा। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मेडिकल कालेज में आधुनिक मशीनों से लैस डायलिसिस यूनिट तैयार कर ली गई है। यहां प्रशिक्षित डाक्टरों और तकनीकी स्टाफ को तैनात किया गया है।

एसी देखकर भड़के राजस्थान के मंत्री, ड्राइवर पर जमकर बरसे

जयपुर, एजेंसी। देशभर में पेट्रोल-डीजल और ऊर्जा की बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार लोगों से अपील कर रहे हैं। राजस्थान में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत कई मंत्रियों ने अपने काफिले कम कर ईंधन बचाने का संदेश देने की कोशिश की है। लेकिन इसी बीच सीकर से सामने आया एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें राजस्थान सरकार के वन मंत्री और सीकर जिले के प्रभारी मंत्री संजय शर्मा सरकारी गाड़ी में एसी चलाकर बैठे एक पुलिस जवान पर भड़कते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, पूरा मामला 27 मई का बताया जा रहा है। उस दिन प्रभारी मंत्री संजय शर्मा सीकर में आयोजित एक अहम बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक खत्म होने के बाद जब मंत्री बाहर निकले तो उनकी नजर परिसर में खड़ी एक सरकारी गाड़ी पर पड़ी। गाड़ी के सभी शीशे बंद थे और अंदर एक पुलिस जवान बैठा हुआ था। मंत्री जैसे ही गाड़ी के करीब पहुंचे तो उन्हें पता चला कि वाहन का इंजन चालू है और एसी फुल स्पीड में चल रहा है।

यह देखते ही मंत्री संजय शर्मा का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने तुरंत गाड़ी का दरवाजा खुलवाया और मौके पर ही जवान की क्लास लगा दी। मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि क्या थोड़ी देर बिना एसी के नहीं बैठ सकते? एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से तेल और ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं और दूसरी तरफ सरकारी संसाधनों की इस तरह बर्बादी की जा रही है।

ऑन-कैमरा फटकार का वीडियो वायरल-मंत्री का यह

पूरा एक्शन कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में मंत्री बेहद सख्त लहजे में जवान को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने तुरंत अपनी डायरी मंगवाई और संबंधित जवान का नाम नोट करवाकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश भी दिए। घटना के बाद यह वीडियो राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ लोग मंत्री के इस कदम को सरकारी संसाधनों के संरक्षण की दिशा में सख्त लेकिन जरूरी कार्रवाई बता रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग इसे ऑन-कैमरा सख्ती और दिखावटी कार्रवाई करार दे रहे हैं।

सरकारी गाड़ियों में ईंधन खर्च पर उठे सवाल- सोशल मीडिया पर भी वीडियो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई यूजर्स का कहना है कि सरकारी वाहनों में इस तरह बेवजह इंजन चालू रखकर एसी चलाना आम बात बन चुकी है, जिससे हर साल लाखों रुपए का ईंधन बर्बाद होता है। वहीं कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या केवल एक जवान पर कार्रवाई से व्यवस्था सुधरेगी या फिर पूरे सिस्टम में सुधार की जरूरत है।

देश में हर चौथी लड़की की शादी 21 साल से पहले, बाल विवाह में बंगाल और झारखंड सबसे आगे

कोलकाता, एजेंसी। लड़कियों की शिक्षा और देर से शादी को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियानों के बावजूद भारत के कई राज्यों में आज भी बाल विवाह की कुप्रथा देखने को मिल रही है। 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' की सांख्यिकीय रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में देश भर में सबसे अधिक बाल विवाह हो रहे हैं। यहां लड़कियों की शादी 18 साल की कानूनी उम्र से पहले की जा रही है।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर जहां महिलाओं की शादी की औसत उम्र बढ़कर 23.1 साल हो गई है और 73.5% महिलाएं 21 साल के बाद शादी कर रही हैं, वहीं पूर्वी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में यह समस्या आज भी गंभीर बनी हुई है।

राष्ट्रीय स्तर पर, 2024 में शादी करने वाली 2.1% महिलाएं 18 साल से कम उम्र की थीं, जबकि 24.5% ने 18 से 20 साल की उम्र के बीच शादी की। लगभग तीन-चौथाई - 73.5% - ने 21 साल या उससे भी कम उम्र में शादी की। कुल मिलाकर, 2024 में भारत में हर

चार में से एक से ज्यादा महिला ने 21 साल की उम्र से पहले ही शादी कर ली।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों का अनुपात देश में सबसे अधिक 6.3% दर्ज किया गया, जिसके बाद झारखंड 4.9% के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, छत्तीसगढ़ भी उन राज्यों में शामिल है जहां लड़कियों का एक बड़ा हिस्सा (2.9%) अभी भी 18 साल से पहले ही शादी कर लेता है। ग्रामीण भारत में, 18 साल की उम्र पूरी होने से पहले शादी करने वाली लड़कियों का अनुपात 2.4% था, जबकि शहरी इलाकों में यह 1.1% था। ग्रामीण क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का अनुपात सबसे अधिक 5.9% दर्ज किया गया, जिसके बाद झारखंड (5.8%) का स्थान रहा। शहरी इलाकों में भी बाल विवाह के मामले में पश्चिम बंगाल सबसे आगे रहा, जहां यह अनुपात 7.6% था। यह शहरी राष्ट्रीय औसत 1.1% से कहीं अधिक है।

'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' की 2024 के इस सर्वेक्षण में दिल्ली में बाल विवाह का कोई भी मामला सामने नहीं आया, जबकि केरल में यह दर सबसे कम 0.04% दर्ज की गई। हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी ये आंकड़े बहुत कम रहे। स्वास्थ्य और सामाजिक विशेषज्ञों का कहना है कि कम उम्र में शादी का सीधा असर लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में मां बनने के खतरों और उनके खराब स्वास्थ्य के रूप में सामने आ रहा है।

गाजियाबाद में आरटीओ ऑफिस के बाहर फैला दलालों का जाल, भरोसे में लेकर वाहन मालिकों से वसूल रहे रकम

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के बाहर दलालों की सक्रियता से वाहन स्वामी परेशान हैं। आरोप है कि लाइसेंस नवीनीकरण और अन्य कार्यों के नाम पर लोगों से चार से पांच हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं। रकम लेने के बाद भी काम समय पर नहीं हो रहा, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लोग जल्दी काम कराने का भरोसा देकर लोगों को अपने झांसे में लेते हैं। शुरुआत में भरोसा दिलाया जाता है कि बिना किसी परेशानी के कुछ ही दिनों में कार्य पूरा करा दिया जाएगा, लेकिन बाद में काम लटक जाता है। जानकारी मांगने पर टालमटोल की जाती है। कई लोगों ने विरोध करने पर धमकाने जैसे व्यवहार की शिकायत भी की है। चर्चा यह भी है कि दलालों के बीच एडीटीसी सेंटर से लाइसेंस बनाए जाने और काम जल्दी

कराने के दावे खुलेआम किए जा रहे हैं। इससे कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। एआरटीओ प्रशासन अशोक कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि कार्यालय के बाहर सक्रिय दलालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती है। वाहन स्वामियों से अपील है कि किसी भी कार्य के लिए सीधे विभागीय काउंटर या आनलाइन पोर्टल का उपयोग करें।साहिबाबाद निवासी एक वाहन स्वामी सोमवार को अपने ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण की जानकारी लेने आरटीओ कार्यालय पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यालय के बाहर बैठे एक दलाल ने जल्दी काम कराने का भरोसा देकर उनसे चार हजार रुपये ले लिए थे।

नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर लगेंगे 18.81 करोड़ के नाइज बैरियर

नोएडा, एजेंसी। अगाहपुर से एनएसईजेड सेक्टर-82 तक बने 4.5 किलोमीटर लंबे भंगेल एलिवेटेड रोड पर नाइज बैरियर (ध्वनि अवरोध) लगवाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। एक जून को टेंडर खोले जाएंगे। दो से तीन दिन में कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद काम शुरू कराया जाएगा। संभवता दो माह में बैरियर लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए 18.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एलिवेटेड रोड अगाहपुर, सेक्टर-40, 49, 48, 107 बरौला, भंगेल गांव की आबादी के बीच से निकला है। ट्रैफिक के शोर से आसपास के सेक्टर और गांव के निवासियों की परेशानी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने ये योजना बनाई है। प्राधिकरण एजेंसी का चयन करेगा। काम पूरा करने में एजेंसी को दो महीने का समय लगेगा। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल आठ वरिष्ठ प्रबंधक रोहित सिंह ने बताया कि साउंड बैरियर छह फिट ऊंचाई के लगवाए जाएंगे। इसके लिए मानक इंडियन रोड कांग्रेस (आइआरसी) से लिए गए हैं। मनुष्य की श्रवण क्षमता 80 डेसिबल होती है। इससे ज्यादा मनुष्य बर्दाश्त नहीं कर सकता है। 0 से 25 डेसिबल पर तक की आवाज शांत वातावरण को दर्शाता है।

यदि आवाज की तीव्रता 80 डेसिबल से अधिक होती है तो मनुष्य बिमार पड़ने लगता है। वहीं, जब आवाज की तीव्रता 130-140 डेसिबल होती है तो व्यक्ति को बेचैनी होने लगती है लगातार इतनी तेज आवाज सुनने पर व्यक्ति बहरा भी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि नाइस बैरियर हाईवे और घरों के बीच एक ध्वनि अवरोधक के रूप में काम करते है। यह ध्वनि को समाप्त नहीं करते बल्कि प्रभाव को कम कर उसकी क्षमता को कम कर देते है। यह 50 डेसिबल तक कम करने की क्षमता रखता है। ऐसे में घरों तक पहुंचने वाला ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव काफी कम हो जाएगा।

एलिवेटड रोड के दोनों ओर नाइज बैरियर लग जाने के बाद यहां पड़ने वाले सेक्टर-42, 48, 49, 47, 110, 107 के लोगों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड पर लूप बनाने के लिए भी टेंडर जारी कर दिया है।

गुरुग्राम में फिर बुलडोजर एक्शन, 7 कच्चे कमरों को किया ध्वस्त; कार्रवाई से गांव में मचा हड़कंप

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर स्थित सेक्टर-21 में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब पौने एकड़ सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। वहीं, कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताया और सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि, एचएसवीपी अधिकारियों ने जमीन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिसके बाद पुलिस वापस लौट गई। पूरे अभियान के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में नायब तहसीलदार जगदीश बिश्नोई मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-21 से सटे दिल्ली के सालापुर गांव के कुछ लोगों ने एचएसवीपी की जमीन पर पिछले कई वर्षों से कब्जा कर रखा था। यहां सात कच्चे कमरे बनाकर किराये पर दिए गए थे। स्थानीय आरडब्ल्यूए लंबे समय से इस अतिक्रमण को हटाने की मांग कर रही थी।

लोगों का कहना था कि कब्जे की वजह से इलाके में गंदगी फैल रही थी और बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ने से सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी पैदा हो रही थीं। आरडब्ल्यूए ने गांव की तरफ चारदीवारी बनाने की मांग भी उठाई हुई है।

बुलडोजर से हटाया गया अतिक्रमण

एचएसवीपी के संपदा अधिकारी-एक राकेश सैनी के निर्देश पर गुरुवार दोपहर तोड़फोड़ दस्ता मौके पर पहुंचा और पीले पंजे की मदद से कार्रवाई शुरू की गई। इसी दौरान कब्जाधारियों ने कंट्रोल रूम में कॉल कर दिल्ली पुलिस को

बुला लिया। कुछ देर के लिए कार्रवाई रुकी रही, लेकिन दस्तावेजों की जांच के बाद दोबारा अभियान शुरू कर दिया गया। बाद में पूरे क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त करा लिया गया। इस मौके पर कार्यवाहक उपमंडल अधिकारी गौरव यादव, कनिष्ठ अभियंता ललित हंस, पटवारी गुरदीप, संजीव यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

आईपीएल में स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर लगी रोक

बीसीसीआई ने सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं।

बीसीसीआई ने कहा, इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ-साथ मोबाइल डेटा या वाई-फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण और संचार उपकरण दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

जब सिर्फ 3 साल के थे वैभव सूर्यवंशी

उसी वक्त हो गई थी 97 रन की भविष्यवाणी, आर्चर का 12 साल पुराना पोस्ट वायरल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार पेसर और राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की पहले भी कई पुरानी पोस्ट वायरल होती रही हैं। उनकी पुरानी पोस्ट को अक्सर वर्तमान में होने वाली घटनाओं से जोड़ा जाता है। कई लोगों का मानना है कि आर्चर की यह भविष्यवाणी हैं। ऐसा ही एक पोस्ट गुरुवार (28 मई 2026) को सामने आया है। इस पोस्ट में आर्चर ने 97 लिखा था। अब इसको बुधवार को वैभव द्वारा आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में खेली गई 97 रन की पारी से जोड़ा जा रहा है।

आर्चर का 12 साल पुराना ट्वीट वायरल– जोफ्रा आर्चर के इस पुराने ट्वीट को राजस्थान रॉयल्स की फ्रेंचाइजी ने खुद अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। यह पोस्ट अगस्त 2014 का है। इसमें आर्चर ने 97 लिखा है और उसके बाद प्रश्न चिन्ह लगाते हुए फायर का इमोजी लगाया है। इसका कनेक्शन अब वैभव सूर्यवंशी की 29 गेंद पर खेली गई 97 रन की पारी से जोड़ा जा रहा है। कई लोग इस पर एक से बढ़कर एक कमेंट कर रहे हैं। कोई उन्हें फ्यूचर प्रेडिक्टर कह रहा है तो कोई उन्हें टाइम ट्रैवलर बता रहा है। जोफ्रा आर्चर ने जब यह पोस्ट किया था, उस वक्त वैभव सूर्यवंशी महज 3 साल के रहे होंगे। यानी 97 क्यों उन्होंने पोस्ट किया था, यह एक बहुत बड़ी गुत्थी है। इससे पहले भी अक्सर कई होने वाली घटनाओं से जुड़े उनके पुराने ट्वीट वायरल होते रहे हैं। फिलहाल यह सब सोशल मीडिया पर वायरल बाते हैं, लेकिन आर्चर ने कभी इस पर खुलकर कुछ नहीं कहा।

सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

आईपीएल 2026 का फाइनल देखने के लिए चुकानी होगी भारी कीमत

● फ्लाइट्स और होटलों के किराए में बढ़ोतरी

अहमदाबाद (एजेंसी)। रविवार को अहमदाबाद में होने वाला आईपीएल 2026 का फाइनल मैच यात्रा को लेकर वैसा ही जबरदस्त उत्साह पैदा कर रहा है, जैसा आम तौर पर लंबे वीकेंड, शादियों और आईफोन की सेल के दौरान देखने को मिलता है। फाइनल से कुछ दिन पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं। वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी उछाल आया है क्योंकि फैन्स 1,32,000 लोगों की क्षमता वाले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपनी जगह पक्की करने की होड़ में लगे हैं।

हवाई किराया तीन से चार गुणा – ट्रैवल इंडस्ट्री के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। एक ट्रैवल सर्विसेज की मानें तो मैच के समय के आस-पास की फ़्लाइट्स में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। उन्होंने कहा, बेंगलुरु से कुछ फ़्लाइट्स का एक तरफ का किराया 22,800 रुपए से भी ज़्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इससे एक बार फिर यह साबित हो गया है कि आईपीएल का फाइनल मैच एयरलाइंस को भी आक्रामक खेल दिखाने पर मजबूर कर सकते हैं।

होटलों में भी भारी मांग, किराया भी बढ़ा - अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। गांधीनगर स्थित द लीला होटल के जनरल मैनेजर विकास सूद ने एक समाचार पत्र को बताया कि होटल उन मेहमानों के लिए ट्रांसपोर्ट की सुविधा देगा, जो स्टेडियम जाना चाहते हैं। स्टेडियम होटल से लगभग 20 मिनट की दूरी पर है। इस होटल में कमरों का किराया लगभग 14,000 रुपए प्रति रात से शुरू होता है। अहमदाबाद के द फोरम होटल के वाइस प्रेसिडेंट (ऑपरेशंस) विकास खज़ांची ने बताया कि उनका होटल डायनामिक प्राइसिंग (मांग के हिसाब से कीमत तय करना) का तरीका अपना रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी एक %वाजिब दायरे के अंदर ही रहेगी। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित द लीला के लगभग 85त्न कमरे और द फोरम होटल के लगभग 50 प्रतिशत कमरे बुक हो चुके थे। द प्राइड ग्रुप ऑफ होटल्स के एसोसिएट वाइस-प्रेसिडेंट कौस्तुव मुखर्जी ने कहा कि मांग जबरदस्त रही है, खासकर स्टेडियम के पास की प्रॉपर्टीज़ में।

फीफा विश्व कप

वार्म-अप मैचों से हुए बाहर

नेमार का पहला मैच खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में करिश्मा करने की तैयारी कर रही ब्राजील की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फॉरवर्ड नेमार का विश्व कप के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। नेमार वार्म-अप मैचों से भी बाहर हो गए हैं। ब्राजील को रविवार को ब्रासीलिया में पनामा के खिलाफ मैच खेलना है। इसके बाद ब्राजील 5 जून को मिस्र के खिलाफ अपना दूसरा वार्म-अप मैच खेलेगी। इन दोनों मैचों में नेमार के खेलने की संभावना नहीं है। ब्राजीलियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने बताया, 'बुधवार को नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार विश्व कप के पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्हें अपनी चोटिल दाहिनी पिंडली के लिए और मेडिकल जांच करवानी पड़ी। '

नेमार के स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग के अनुसार, 'यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से खेल से दूर रखा हुआ है। 17 मई को ही उन्होंने आखिरी बार ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था। इस मैच में सैंटोस को हार का सामना करना पड़ा था। '

सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह लगेंगे। इससे विश्व कप में उनके खेलने की उम्मीदें बहुत कम रह गई हैं। नेमार बुधवार को कैंप में पहुंचे और रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में बाकी टीम के साथ शामिल हुए। अंतिम मेडिकल जांच के नतीजों का इंतजार है, लेकिन ऐसा बहुत कम ही लगता है कि नेमार इस रविवार को ब्रासीलिया में पनामा के खिलाफ होने वाले विश्व कप से पहले ब्राजील के पहले वार्म-अप मैच में खेल पाएंगे।

ईएसपीएन ब्राजील ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को विला बेलमिरो में कोपा सुदामेरिकाना के एक मैच में सैंटोस को डेपोर्टिवो कुएन्का के खिलाफ 3-0 से जीतते देखने के बाद, नेमार ने वर्ल्ड कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

बता दें कि ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले 2 साल से इंजरी की वजह से बुरी तरह प्रभावित है।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की टीम का ऐलान

पिछला खिताब जीतने वाली टीम के 17 प्लेयर्स को जगह, मेसी कप्तानी करेंगे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गई। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने गुरुवार को स्क्वॉड का ऐलान किया। 39 साल के होने जा रहे लियोनेल मेसी टीम की कप्तानी करेंगे। यह उनका छठा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वे 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।कोच लियोनेल स्कालोनी ने खिलाड़ियों की इंजरी पर कहा- 'ज्यादातर खिलाड़ी टूर्नामेंट तक फिट हो जाएंगे।' स्क्वॉड में 17 खिलाड़ी 2022 कतर वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के हैं। अर्जेंटीना ने फाइनल में फ्रांस को हराकर तीसरी बार विश्व खिताब जीता था।अर्जेंटीना ने 2022 में फ्रांस को फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर वर्ल्ड कप जीता था।

मेसी की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव - टीम चयन से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय थी। मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जूझ रहे हैं। इसी कारण वे इंटर मियामी का पिछला मैच पूरा नहीं खेल पाए थे। गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की उंगली में फ्रैक्चर हुआ था। क्रिस्टियन रोमेरो, नहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं, लेकिन उन्हें स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

अर्जेंटीना टीम

गोलकीपर्स- एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो।
डिफेंडर्स- गोंजालो मोंटियल, नहुएल मोलिना, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, लियोनार्डो बालेरडी, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस टैग्लियाफिको, फाकुंडो मेडिना।
मिडफील्डर्स- जियोवानी लो सेल्सो, लिएंड्रो परेडेस, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेकियल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, वैलेंटिन बार्को।
फॉरवर्ड- लियोनल मेसी, निकोलस गोंजालेज, गिउलियानो सिमेओने, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुएल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, थियागो अल्माडा और निको पाज।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, मेसी छठी बार लेगें हिस्सा

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने लगातार बढ़ती चोटों की चिंताओं के बीच स्पष्ट किया है कि कप्तान लियोनेल मेसी सहित ज्यादातर मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ी 2026 फीफा विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने 26 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा की, जिसमें 39 वर्ष के होने जा रहे लियोनेल मेसी सबसे बड़े आकर्षण हैं। इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने चार वर्ष पहले कतर में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। टीम घोषित होने से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ था। खुद मेसी भी चोट से जूझ रहे हैं। इसी कारण वह पिछले रविवार इंटर मियामी के मैच को पूरा नहीं खेल सके थे। मेसी अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। इससे पहले वह 2006 में जर्मनी, 2010 में दक्षिण अफ्रीका, 2014 में ब्राजील, 2018 में रूस और 2022 में कतर विश्व कप में हिस्सा ले चुके हैं। टीम के प्रमुख गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को भी मौका दिया गया है। पिछले सप्ताह यूरोपा लीग फाइनल के दौरान उनकी दाहिने हाथ की अनामिका में फ्रैक्चर हो गया था। कोच स्कालोनी ने चोटिल डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो को भी टीम में रखा है। इसके अलावा नाहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं।

एएफसी अंडर-20 एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान

सीरिया और बांग्लादेश से होगा

कुआलालंपुर। भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी

ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था।

भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है।

पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी।

हार्दिक की कप्तानी जाना तय

मुंबई इंडियंस से हो सकती है छुट्टी, सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस ने 14 में से 10 मैच गंवाए और 9वें नंबर पर रही। इस खराब प्रदर्शन के बाद हार्दिक पंड्या की कप्तानी जाना तय है। टीम से भी उनकी छुट्टी हो सकती है। मुंबई इंडियंस अपने स्क्वाड में बड़े बदलाव करने के लिए तैयारी में है। इसकी शुरुआत कप्तानी से होगी। मीडिया से मुंबई इंडियंस से जुड़े तीन लोगों से बात की। इस दौरान पता चला कि हार्दिक की कप्तानी जाने की संभावना है। टीम में उनकी जगह पर भी चर्चा हो रही है। इसके अलावा सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज है। सूत्र ने कहा,'सत्र के दौरान इस बात के काफी संकेत मिले कि टीम मैनेजमेंट उन्हें कप्तान बनाए रखने के लिए उत्सुक नहीं था। टीम में साफ तौर पर चर्चा है।' राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के सीजन के आखिरी मैच के बाद कोचिंग स्टाफ ने टीम से बातचीत की। सूत्र ने कहा, 'कोचिंग स्टाफ ने सीनियर खिलाड़ियों को यह साफ-साफ बताया कि वे जहां भी खेलें, उन्हें कोचों की बात माननी होगी। ऐसे कई मौके आए जब कोचिंग स्टाफ ने कुछ ऐसा बताया जो डेटा पर आधारित था, लेकिन खिलाड़ियों ने उसे नहीं माना।'

मुंबई इंडियंस हर विकल्प पर विचार करेगी–आगे क्या होगा? मुंबई इंडियंस के एक पुराने जानकार के अनुसार, 'आने वाले दिनों में इस पर गंभीरता से सोचा जाएगा और चर्चा होगी। हर विकल्प पर विचार होगा। कई सवालों पर ध्यान देने की जरूरत है। आगे चलकर, क्या हार्दिक कप्तान बन रह सकते हैं? क्या वह सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में रहेंगे?'

समस्या केवल कप्तानी नहीं–समस्या कप्तानी से भी गहरी है। एक और सूत्र ने कहा, 'हम इस आईपीएल में कुछ ज्यादा सफल टीमों की तरह पावरप्ले का इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। हम समय के साथ आगे नहीं बढ़ पाए हैं।' इस साल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने टी20 में बल्लेबाजी को नए तरीके परिभाषित किया। टॉप ऑर्डर ने लगातार 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा से रन बनाए।

मुंबई इंडियंस का कोई भी खिलाड़ी ऑरेंज या पर्पल कैप की रेस में नहीं था–रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस में अनुभवी गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज की अहमियत दिखने को मिली।

दुमका में भाजपा का वैचारिक महामंथन: राष्ट्रवाद संगठन शक्ति और जनकल्याण पर नेताओं का जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

दुमका। भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन संगठनात्मक मजबूती, राष्ट्रवाद, बूथ प्रबंधन एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर व्यापक मंथन हुआ। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और जनसेवा के मूल मंत्र से अवगत कराया। भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने "भाजपा कार्यकर्ता एवं विचार परिवार" विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद एवं अंत्योदय की विचारधारा पर आधारित एक वैचारिक परिवार है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव तक संगठन की रीति-नीति पहुंचाने तथा समाज के हर वर्ग के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मोदी सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, आदिवासी, महिला और युवाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिवासी समाज के सम्मान एवं विकास के लिए जनजातीय मंत्रालय का गठन किया और दुमका की धरती से झारखंड राज्य निर्माण का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा किया गया। चंपई सोरेन ने कहा कि भाजपा सरकार ने संथाली भाषा और ओलचिकी लिपि को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कर आदिवासी समाज को गौरव प्रदान किया। उन्होंने दावा किया कि आज आदिवासी समाज भाजपा की नीतियों और नेतृत्व पर विश्वास जता रहा है, जिसका असर पश्चिम बंगाल की आरक्षित सीटों पर भाजपा की सफलता के रूप में देखने को मिला। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ट्रेजरी घोटाला चारा घोटाले से भी बड़ा साबित होगा। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना सुचारू रूप से चल रही है, जबकि राज्य सरकार की अबुआ

आवास योजना ठप पड़ी है, जिससे गरीब जनता परेशान है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने "भाजपा की कार्यपद्धति" विषय पर बोलते हुए कहा कि भाजपा संगठन अनुशासन, सामूहिक नेतृत्व और सेवा भाव के सिद्धांतों पर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का माध्यम है और कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली को आत्मसात कर जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने "कार्यकर्ता विकास, संभाल एवं दायित्व बोध" विषय पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। वहीं बबन गुप्ता ने बूथ प्रबंधन, स्थायी कार्यक्रमों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" को बूथ स्तर तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान प्रवीण सिंह द्वारा ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कुंवर, पूर्व विधायक नारायण दास, पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, सुनील सोरेन, जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, सीताराम पाठक, रविकांत मिश्रा, जिला प्रभारी अशोक उपाध्याय, परितोष सोरेन, गौरवकांत, मनोज पहाड़िया, सुरेश मुर्मू, अंजुला मुर्मू, शर्मीला सोरेन, अमिता रक्षित, विश्वनाथ राय सहित प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रानीघाघर में आंगनबाड़ी सेविका चयन आज

मसलिया। मसलिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीघाघर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में रिक्त सेविका पद के चयन के लिए शनिवार, 30 मई को आम सभा आयोजित की जाएगी। बाल विकास परियोजना कार्यालय की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सुबह 10 बजे से आम सभा की तिथि निर्धारित की गई है। सीडीपीओ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सेविका का चयन ग्राम सभा के माध्यम से किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में केवल संबंधित पोषण क्षेत्र की महिला अभ्यर्थियां ही भाग ले सकेंगी। अभ्यर्थी का उसी पोषण क्षेत्र की स्थायी निवासी होना अनिवार्य रखा गया है।सेविका पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट (बारहवीं) उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। वहीं सामान्य योग्यता समान होने की स्थिति में विधवा, परित्यक्ता एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। बाल विकास परियोजना कार्यालय ने पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपील की है।

लोक अदालत आज, पांच न्यायिक बेंच गठित

गोड्डा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस दौरान उभय पक्षों के बीच मामले के निष्पादन को लेकर पांच न्यायिक बेंच का गठन किया गया है। पहला न्यायिक बेंच परिवार न्यायालय परिसर में बनाया गया है। इसमें पारिवारिक वाद, मेट्रीमोनियल वाद एवं सीआरपीसी की धारा 125 से संबंधित मामले की सुनवाई होगी। इस बेंच पर परिवार न्यायालय के प्रधान जज अनिल कुमार पांडेय एवं एलएडीसी चीफ संजय कुमार सहाय सुनवाई करेंगे। दूसरे न्यायिक बेंच पर एमएसीसी वाद, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील, भूमि अधिग्रहण, राजस्व के मामले, श्रम वाद एवं अन्य ट्रिव्यूनल व बिजली मामले की सुनवाई की जाएगी। इसकी सुनवाई जिला जज प्रथम कुमार पवन एवं डिप्टी एलएडीसी रीतेश कुमार सिंह करेंगे। तीसरे बेंच पर पर बिजली से संबंधित मामले का निष्पादन होगा। इस बेंच पर जिला जज द्वितीय निरूपम कुमार व डिप्टी एलएडीसी अजीत कुमार सुनवाई करेंगे। चौथे न्यायिक बेंच पर सीजेएम, एसीजेएम, सबजज तृतीय , सबजज पंचम एवं एसडीजेएम कोर्ट के मामले की सुनवाई होगी। इस न्यायिक बेंच पर सबजज तृतीय रेमी प्रफुल्ल बा एवं एलएडीसी राहुल कुमार सुनवाई करेंगे । पांचवीं न्यायिक बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मुक्ति भगत, राज कल्याण , सतीश कुमार मुंडा, अमित बंसल, खालिद रसीद अली अहमद के न्यायालय के मामले एवं सभी प्री लिटिगेशन के मामले की सुनवाई होगी। इसकी सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी सतीश कुमार मुंडा एवं एलएडीसी आयूष राज करेंगे।

जमरूपानी से कजलादहा तक बन रही सड़क निर्माण कार्य अधूरा बरती गई लापरवाही

शिकारीपाड़ा (दुमका)। जमरूपानी से कजलादहा तक बन रही सड़क परियोजना के एक खंड में लापरवाही बरती गई है। स्थानीय डिम्बादहा गाँव के मध्य विद्यालय के आसपास बने एक या दो हिस्से अभी भी अधूरे पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों में रोष फैल गया है। सूत्रों का कहना है कि निर्माण के दौरान जेई, एई या अन्य जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं दिखे, इसलिए काम की गुणवत्ता और मानकों पर सवाल उठ रहे हैं। यह मार्ग आदिवासी बहुल क्षेत्र से होकर गुजरता है और यहाँ के ग्रामीण इसी सड़क पर निर्भर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात में अधूरी सड़क के कारण आवागमन मुश्किल हो जाएगा और साफ तौर पर जान-माल के जोखिम बढ़ जाएंगे। साथ ही कहा गया कि उक्त खंड में बनाए गए पुल का निर्माण सरकार द्वारा तय मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर स्थल का निरीक्षण कराकर शीघ्र शेष निर्माण पूरा करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

कोल्हाबदार में 31 मई को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

शिकारीपाड़ा प्रखंड के कोल्हाबदार ग्राम में 31 मई 2026, रविवार को शाहिस्ता मेडिकल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कोल्हा बाजार स्थित ग्राम प्रधान के घर पर आयोजित होगा। शिविर में लोगों को सामान्य स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और

प्राथमिक स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आयोजकों के अनुसार शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। इसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग, सामान्य सर्जरी, हड्डी एवं जोड़, नेत्र, नाक-कान-गला, त्वचा, बाल रोग, दंत, कार्डियोलॉजी, रेडियोलॉजी, न्यूरो, किडनी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग से संबंधित सेवाएं दी जाएंगी। शिविर में नर्मला देवी हॉस्पिटल, सिउड़ी, बीरभूम के डॉ. देवेश मार्सिनी भी उपस्थित रहेंगे। शाहिस्ता मेडिकल, शिकारिपाड़ा की ओर से लोगों से इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गोड्डा : विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस 2026 के अवसर पर शुक्रवार को डीएमएफटी सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त विस्पुते श्री कांत यशवंत ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किशोरियों एवं महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाकर ही बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। समाज में इस विषय पर खुलकर चर्चा होने से किशोरियां बिना झिझक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं एवं जानकारी का लाभ उठा सकेंगी। इस दौरान किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी सावधानियों, संतुलित पोषण, स्वास्थ्य देखभाल तथा स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। उप विकास आयुक्त ने किशोरियों के बीच स्वच्छता किट का वितरण भी किया तथा उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं, आंगनबाड़ी सेविकाएं, किशोरियां एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता रथ रवाना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गोड्डा : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिला स्तरीय वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 के अंतर्गत शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से बाल विवाह रोकथाम जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने अभियान की शुरुआत करते हुए लोगों से बाल विवाह उन्मूलन में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, जो बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से ही इस कुप्रथा को समाप्त किया जा सकता है। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में भ्रमण कर लोगों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, बालिकाओं की शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा। अभियान के तहत बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत स्तर पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं, आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे।

बसुआ चौक पर कचरे का अंबार बदबू और गंदगी से जनजीवन प्रभावित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महागामा : नगर पंचायत क्षेत्र के बसुआ चौक में पिछले कई दिनों से कचरे का अंबार लगा होने से स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। चौक के किनारे जमा कूड़े-कचरे से उठ रही दुर्गंध और फैलती गंदगी के कारण दुकानदारों, राहगीरों एवं आसपास के निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बसुआ चौक क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है तथा यहां नियमित रूप से बाजार भी लगता है। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। सड़क किनारे जमा कचरा नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। वहीं आस पास के दुकानदारों का कहना है कि कचरे के ढेर से निकलने वाली बदबू के कारण ग्राहकों का रुकना मुश्किल हो गया है, जिससे उनके व्यवसाय पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं गर्मी के मौसम में गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। कूड़े के ढेर पर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहने से सड़क पर आवागमन भी बाधित हो रहा है और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार नगर पंचायत प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का आरोप है कि नियमित कचरा उठाव नहीं होने के कारण स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।क्षेत्रवासियों ने नगर पंचायत प्रशासन से अविलंब सफाई अभियान चलाकर बसुआ चौक को कचरा मुक्त बनाने, नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई की स्थायी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो स्वास्थ्य संबंधी खतरे और बढ़ सकते हैं।

हॉकी गोड्डा ने किया सब कमिटीज का गठन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गोड्डा : नेशनल स्पोर्ट्स कोड के आलोक में हॉकी झारखंड द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार हॉकी गोड्डा ने गुरुवार शाम एक विशेष बैठक बुलाकर तीन उप समितियों का विधिवत गठन किया। उक्त आशय कि जानकारी देते हुए हॉकी गोड्डा के सचिव सुरजीत झा ने बताया कि हॉकी गोड्डा के अध्यक्ष मनोज कुमार पप्पु की अध्यक्षता में स्थानीय शांति नगर स्थित खबर संगम भवन में आहूत बैठक में शामिल संघ के तमाम पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा पिछले दिनों संपन्न संघ के चुनाव और उसके परिणाम की संपुष्टि उपरांत तीन नई उप समिति ग्रीवांस कमिटी, एथलीट कमिटी एवं सेक्सुअल हरासमेंट कमिटी का गठन कर इन्हें संघ से जोड़ा गया। श्री झा ने बताया कि वर्तमान विस्तारित हॉकी गोड्डा का स्वरूप इस प्रकार है : प्रधान संरक्षक : प्रणेश सोलेमन, संरक्षक : समीर दुबे, निरभ किशोर, संजीव झा, शशिकांत गुप्ता एवं धनंजय त्रिवेदी, अध्यक्ष : मनोज कुमार पप्पु, वरीय उपाध्यक्ष : अमित राय, उपाध्यक्ष : अखिल कुमार झा, फूल कुमारी एवं संगीता कुमारी, सचिव : सुरजीत झा, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, संयुक्त सचिवः अमरेंद्र सिंह, मिथिलेश कुमार, रिम्मी कुमारी एवं सुरभि सुप्रिया, कार्यकारिणी सदस्यः दयाशंकर, मुकेश कुमार भारती, संजू कुमारी, अंजली कुमारी, विष्णु कुमार, राहुल कुमार, रौशन कुमार साह एवं संतोष कुमार। इसके अलावा गठित तीन सदस्यीय उपसमितियों में से ग्रीवांस कमिटी में अमित सिंह को चेयरमैन जबकि नीतीश आनंद एवं अभिजीत सरकार को सदस्य नियुक्त किया गया, एथलीट कमिटी में प्रियव्रत परमेश को चेयरमैन जबकि राहुल कुमार एवं रौशन कुमार साह को सदस्य नियुक्त किया गया। सेक्सुअल हरासमेंट कमिटी के लिए जयंती कुमारी को चेयरपर्सन जबकि फूल कुमारी एवं आकाश कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम के अंत में भारत को एशियन गेम्स में पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले महान निशानेबाज, लगातार पांच ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रेष्ठ ओलंपियन एवं भारतीय ओलिंपिक संघ के श्रेष्ठतम प्रशासक राजा रणधीर सिंह तथा मशहूर शायर बशीर बद्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

हथियापाथर आंगनबाड़ी सेविका चयन में अनियमितता का आरोप, दो टोले रहे आम सभा से वंचित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसलिया। मसलिया प्रखंड के गोलबंधा पंचायत स्थित हथियापाथर आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका चयन प्रक्रिया में अनियमितता बरतने का मामला सामने आया है। नाराज ग्रामीणों ने प्रभारी सीडीपीओ सह अंचलाधिकारी रंजन कुमार यादव को लिखित आवेदन देकर चयन प्रक्रिया रद्द करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, बीते 23 मई को हथियापाथर आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका चयन के लिए उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हथियापाथर-दो में आम सभा आयोजित की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र के पोषण क्षेत्र में कुल छह टोले शामिल

हैं, लेकिन आम सभा की सूचना केवल चार टोलों तक ही सीमित रखी गई। दो टोले के लोगों को इसकी जानकारी नहीं दी गई, जिसके कारण वे चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सके। बढ़ई टोला की सोमा देवी, बेबी देवी, सावित्री देवी, यशोदा देवी, पुतुल देवी, पिंकी देवी, प्रमिला देवी, रधिया देवी समेत दामोदर मिस्त्री, रामिक मिस्त्री, भीम मिस्त्री और धरम मिस्त्री ने बताया कि सूचना के अभाव में वे आम सभा में भाग नहीं ले पाए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और नियमों की अनदेखी की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से वर्तमान चयन प्रक्रिया को तत्काल रद्द कर सभी पोषण क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति में नियमानुसार दोबारा आम सभा आयोजित कर सेविका चयन कराने की मांग की है। इधर, मामले को लेकर महिला पर्यवेक्षिका लाता किरण किस्कू ने कहा कि आम सभा में पोषण क्षेत्र के काफी संख्या में लोग शामिल हुए थे। बावजूद इसके यदि किसी प्रकार की शिकायत मिली है तो मामले की जांच की जाएगी।

जोगियाटीकर टोला में दो साल से खराब पड़ा जलमिनार, ग्रामीणों ने सरकार-प्रशासन से लगाई गुहार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

दुमका : जामा प्रखंड के अंतर्गत गायबथान गांव के जोगियाटीकर टोला में रहने वाले आदिम जनजाति के करीब सत्रह परिवार मुलभुत सुविधाओं से वंचित है.इस टोला में न पर्याप्त जल कि व्यवस्था है,न पीसीसी ढलाई है और न ही पक्की सड़क से जुड़ा हुआ है.देश के आजादी के 79 वर्ष और अलग झारखण्ड राज्य बने 26 वर्ष हो गया लेकिन जोगियाटीकर टोला अभी तक पक्की सड़क मार्ग से नहीं जुड़ पाया है. यह टोला पक्की सड़क दलदली से लगभग एक किलोमीटर की दुरी में है. जोगियाटीकर टोला में पीसीसी ढलाई भी नही है.टोला में पीसीसी ढलाई नही रहने और पक्की सड़क मार्ग से नही जुड़ा होने के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है.ग्रामीणों का कहना है कि वर्षा के दिनों में टोला में आम लोगो को कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है.उस समय कोई बुजुर्ग,मरीज या गर्भवती को अस्पताल ले जाने की आवश्यकता होती है,तो एम्बुलेस भी नही आ पाती है.ग्रामीणों का आगे कहना है कि सत्रह परिवार मात्र एक ही चापाकल पर निर्भर है.जो प्रयाप्त नही है.इस चापाकल से मवेशी भी अपना प्यास बुझाते है.एक मात्र चापाकल होने के कारण पानी से संबंधित रोजमर्रा के कार्य करने में काफी समय लग जाता है.ग्रामीणों ने आगे कहा कि इस टोला में एक सोलर जल मिनार भी है जो दो वर्षो से खराब पड़ा है.इसकी शिकायत मुखिया से भी कर चुके है.लेकिन अभी तक जलमिनार का मरम्मति नही किया गया है.ग्रामीणों ने सरकार,प्रशासन और जन प्रतिनिधियों से मांग किया है कि जल्द जल मिनार का मरम्मति करवाया जाय,टोला में पीसीसी ढलाई करवाया जाय और टोला को पक्की सड़क मार्ग से जोड़ा जाय.इस मौके में पुरण पुजहर, विशु पुजहर,राजू पुजहर, मानेश्वर पुजहर, गोविंद पुजहर, जीतन पुजहर, सुरेंद्र पुजहर, सुरेश पुजहर, प्रमिला देवी,आभा देवी,नोमिता देवी,हीरा देवी,लखि देवी,मिनी देवी,आशा देवी के साथ काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.